Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Wednesday, 24 January 2024 ● Year : 02 ● Issue : 08 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार
नाकामिया आपको अपनी गलती सुधारने और वापस दोगुनी ताकत से सफल होने के लिए प्रेरित करती है।

12
कैटरीना ने नेगेटिव भूमिका अदा करने...

SHARE

सेंसेक्स	:	70,370.55
निफ्टी	:	21,238.80

SARAFA

सोना	:	5,940
चांदी	:	76.50

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

मंदिर की नई मूर्ति का नाम रखा बालक राम

बच्चे की तरह दिखते हैं प्रभु श्रीराम, उनकी उम्र पांच साल : पुजारी अरुण दीक्षित

AGENCY AYODHAYUA : अयोध्या के राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की गई भगवान राम की नई मूर्ति को बालक राम के नाम से जाना जाएगा। 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा में शामिल रहे पुजारी अरुण दीक्षित ने बताया- नई मूर्ति का नाम बालक राम रखने का कारण यह है कि प्रभु एक बच्चे की तरह दिखते हैं, जिनकी उम्र 5 साल है। वाराणसी के रहने वाले अरुण दीक्षित ने बताया कि पहली बार जब मैंने मूर्ति देखी, तो मेरी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। मेरी आंखों में खुशी के आंसू बहने लगे। उस समय मुझे जो अनुभूति हुई, उसे मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता।

उन्होंने आगे कहा कि अब तक मैं 50-60 बड़े अभिषेक में शामिल रहा, लेकिन मेरे जीवन का यह सबसे अलौकिक, दिव्य

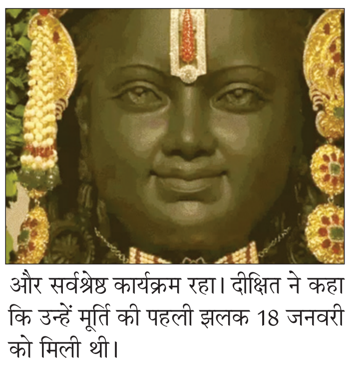

और सर्वश्रेष्ठ कार्यक्रम रहा। दीक्षित ने कहा कि उन्हें मूर्ति की पहली झलक 18 जनवरी को मिली थी।

प्राण-प्रतिष्ठा में 6 यजमान शामिल हुए : सोमवार यानी 22 जनवरी को रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा पूजा में ढट मोदी और फ्र्र चीफ मोहन भागवत समेत 6 यजमान शामिल हुए। इसके बाद मोदी ने करीब 35 मिनट का भाषण दिया। ढट ने कहा- कुछ लोग कहते थे कि राम मंदिर बना तो आग लग जाएगी। राम मंदिर किसी आग को नहीं, ऊर्जा को जन्म दे रहा है।

पुरानी मूर्ति नई मूर्ति के सामने रखी गई : श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के अनुसार, रामलला की पुरानी मूर्ति, जो पहले एक अस्थायी मंदिर में रखी गई थी। उसे भी नई मूर्ति के सामने रखा गया है। मूर्ति के लिए आभूषण अध्यात्म रामायण, वाल्मिकी रामायण, रामचरितमानस और अलवंदर स्तोत्रम जैसे ग्रंथों के गहन शोध और अध्ययन के बाद तैयार किए गए हैं।

मूर्ति को बनारसी कपड़े से सजाया गया : मूर्ति को बनारसी कपड़े से सजाया गया है, जिसमें एक पीली धोती और एक लाल 'पताका' या 'अंगवस्त्रम' है। 'अंगवस्त्रम' को शुद्ध सोने की 'जरी' और धागों से सजाया गया है, जिसमें शुभ वैष्णव प्रतीक-शंख, पद्म, चक्र और मयूर शामिल हैं।

रामलला ने पहने 5 किलो सोने के आभूषण : 5 साल के बालक रूप में विराजमान रामलला का सोने के आभूषणों से श्रृंगार देख लोग भाव-विभोर हो गए। ट्रस्ट सूत्रों के मुताबिक, 200 किलो की प्रतिमा को 5 किलो सोने के जेवरात पहनाए गए हैं। नख से ललाट तक भगवान जवाहरातों से सजे हुए हैं। रामलला ने सिर पर सोने का मुकुट पहना है।

मुकुट में माणिक्य, पन्ना और हीरे लगे हैं। बीच में सूर्य अंकित हैं। दायीं ओर मोतियों की लड़ियां हैं। वहीं, कुंडल में मयूर आकृतियां बनी हैं। इसमें भी सोना, हीरा, माणिक्य और पन्ना लगा है। ललाट पर मंगल तिलक है। इसे हीरे और माणिक्य से बनाया है। कमर में रत्न जड़ित करधनी है। इसमें छोटी-छोटी पांच घंटियां भी लगाई हैं। दोनों हाथों में रत्न जड़े कंगन हैं। बाएं हाथ में सोने का धनुष और दाहिने में सोने का बाण है।

तीन अरब साल पुरानी चट्टान से बनी मूर्ति : मैसूर के मूर्तिकार अरुण योगीराज द्वारा तराशी गई 51 इंच की मूर्ति को तीन अरब साल पुरानी चट्टान से बनाया गया है। नीले रंग की कृष्णा शिला की खुदाई मैसूर के एचडी कोटे तालुका में जयापुरा होबली में गुज्जेगौदानपुरा से की गई थी। यह एक महीन से मध्यम दाने वाली आसमानी-नीली मेटामॉर्फिक चट्टान है, जिसे आम तौर पर इसकी चिकनी सतह की बनावट के कारण सोपस्टोन कहा जाता है।

हथियार के बल पर एक्सिस बैंक से 90 लाख की लूट दो राउंड फायरिंग भी

ARARIA : हथियारबंद अपराधियों ने एक बार फिर बैंक को निशाना बनाया है। ताजा मामला बिहार के अररिया के एडीबी चौक स्थित एक्सिस बैंक ब्रांच का है। यहां बाइक सवार अपराधियों ने हथियार के बल पर एक्सिस बैंक से करीब 90 लाख की लूट की है। इतना ही नहीं 6 की संख्या में आये अपराधियों ने दो राउंड फायरिंग की और वहां से फरार हो गये। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। बैंक के पास लोगों की भीड़ लग गयी। ब्रांच मैनेजर की सूचना पर अररिया एसपी अशोक कुमार सिंह दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और बैंक को चारों ओर से सील कर छानबीन शुरू की। एसपी अशोक कुमार सिंह ने कहा कि एडीबी चौक स्थित एक्सिस बैंक में लूटपाट हुई है। ब्रांच मैनेजर और कर्मियों से पूछताछ की जा रही है।

BRIEF NEWS

सीआरपीएफ आईजी, कमांडेंट और जवानों पर एफआईआर

RANCHI : रांची शहर अंचलाधिकारी मुंशी राम ने रविवार को गोंदा थाने में सीआरपीएफ के आईजी, कमांडेंट और जवानों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। इन पर हथियार लेकर सीएम आवास में घुसने का प्रयास करने का आरोप है। एफआईआर में कहा गया है कि 20 जनवरी को ईडी द्वारा सीएम का बयान दर्ज किए जाने के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए एलपीएन शाहदेव चौक के पास उन्हें मजिस्ट्रेट तैनात किया गया था। दोपहर करीब 2:30 बजे अचानक 10 बसों में सवार होकर सीआरपीएफ के जवान व अधिकारी वहां पहुंचे और सीएम आवास की ओर जाने का प्रयास करने लगे।

असम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुलिस बैरिकेडिंग तोड़ी

ASAM : राहुल गांधी की न्याय यात्रा मंगलवार को गुवाहाटी पहुंची, जिसे असम पुलिस ने रोक दिया। राहुल अपने काफिले के साथ गुवाहाटी शहर के बीच से गुजरना चाहते थे, लेकिन प्रशासन ने इसकी इजाजत नहीं दी। पुलिस ने गुवाहाटी सिटी जाने वाली सड़क पर बैरिकेडिंग कर दी। इसके बाद कांग्रेस समर्थक पुलिस से भिड़ गए। उन्होंने बैरिकेडिंग तोड़ दी। घटना को लेकर राहुल ने कहा कि जिस रास्ते पर हमारी यात्रा को रोका गया है, उसी रास्ते से बजरंग दल और जेपी नड्डा की रैली निकली थी। कांग्रेस कार्यकताओं ने रास्ते पर लगे बैरिकेड हटा दिए हैं, लेकिन हमने कानून नहीं तोड़ा है। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा ने कहा, 'ऐसा बर्ताव असमिया कल्चर का हिस्सा नहीं है। ये नक्सली गतिविधियां हमारी संस्कृति से अलग हैं। मैंने असम पुलिस के उ्र्रद्ध को निर्देश दिया है कि वे राहुल गांधी के खिलाफ भीड़ को उकसाने के लिए त्र्र्रक्र्र दर्ज करें और कांग्रेस ने जो वीडियो पोस्ट किए हैं, उन्हें सबूत के तौर पर इस्तेमाल करें।'

गाजा युद्ध में इजराइल को बड़ी क्षति, दो भवनों में विस्फोट, 21 सैनिक हताहत

TEL AVIV : गाजा पट्टी में तीन माह से अधिक समय से छिड़े युद्ध में इजराइल की फौज को अब तक की सबसे बड़ी क्षति हुई है। इस लड़ाई में 24 घंटे के दौरान 21 सैनिक हताहत हो गए। इस बीच इजराइल ने मध्यस्थों के जरिये फिलिस्तीन के आतंकी संगठन हमास के सामने युद्ध विराम का प्रस्ताव रखा है। द टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक शनिवार को मध्य गाजा में दो भवनों में हुए विस्फोट में इजराइल के 21 सैनिकों की मौत हो गई। यह विस्फोट एक हमास आतंकवादी के एक टैंक पर रॉकेट चालित ग्रेनेड दागने से हुआ। इस लड़ाई में जान गंवाने वाले सैनिकों की संख्या 219 हो गई है। इजराइल के राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग ने कहा है कि युद्ध में हमारे सबसे अच्छे बेटों में से कई मारे गए हैं। यह ₹एक असहनीय रूप से कठिन सुबह है। उन्होंने देश की तरफ से पीड़ित परिवारों को सांत्वना दी है। रक्षामंत्री योव गैलेंट ने भी कहा है कि यह एक मुश्किल और दर्दनाक सुबह है। गैलेंट ने कहा है कि यह युद्ध आने वाले दशकों में इजराइल का भविष्य निर्धारित करेगा।

मुख्यमंत्री ने तोरपा में अबुआ आवास योजना स्वीकृति पत्र के वितरण का किया शुभारंभ

झारखंड में शुरू हुई अबुआ आवास योजना मिलेगा तीन कमरों का आशियाना : हेमंत

PHOTON NEWS KHUNTI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरन ने कहा कि राज्य में पहली बार अबुआ आवास योजना की शुरूआत खूंटी जिले से हो रही है। इस योजना के लाभुकों को तीन कमरे वाला आवास दिया जायेगा। इसमें लाभुक को दो लाख की वित्तीय सहायता दी जा रही है। मुख्यमंत्री मंगलवार को तोरपा के एनएचपीसी मैदान में आयोजित अबुआ आवास योजना स्वीकृति पत्र वितरण समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि 2027 तक राज्य के 20 लाख जरूरतमंदों को तीन कमरों वाला आवास उपलब्ध करा दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि आपकी योजना आपकी सरकार के माध्यम से गांव के लोगों की समस्याओं सरकार ने सुनी और आवेदन लिए। अब सरकार उनके निष्पादन करने में लगी है। सोरेन ने कहा की झारखंड का

कार्यक्रम में उपस्थित मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन व अन्य। ● फोटोन न्यूज

हरेक कोना अपनी आंखों से देखा है। वे हर समस्या से अवगत हैं। सबके निष्पादन का प्रयास सरकार कर रही है। इस राज्य को सोने की चिड़िया कहा जाता है। क्योंकि, जमीन के अंदर खनिज सम्पदा है। 40 फीसदी से अधिक खनिज सम्पदा झारखंड में मिलती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दुर्भाग्य है कि विरोधियों को जमीन के अंदर की चीजें तो दिखाई देती हैं लेकिन जमीन के ऊपर रहने वाले व्यक्ति की समस्या नहीं दिखती। उन्होंने कहा कि गुरुजी ने लड़कर झारखंड लिया। अलग राज्य बने 23 साल हो गये लेकिन आज गांवों की हालत क्या है, बताने की जरूरत नहीं है। हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य अलग होने बाद ऐसे लोगों की सरकार बनी, जो राज्य बनने के ही विरोधी थे। गरीब और गरीब होते चले गये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने आठ लाख लोगों को आवास के लिए चिह्नित किया था। पहले इसका नाम इंदिरा आवास था। अब प्रधानमंत्री आवास हो गया। योजना का नाम बदलने में वे माहिर हैं। इनका कहना था कि देश के सब गरीबों को आवास देंगे। अब कहते हैं कि सबको आवास दे दिये।

इस मौके पर एसपी अमन कुमार, जिला बीस सूत्री के जिला उपाध्यक्ष और झामुमो के जिलाध्यक्ष जुबैर अहमद सहित काफी ग्रामीण और लाभुक उपस्थित थे।

अपने दम पर आवास निर्माण कराएगी सरकार : आलमगीर आलम

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम ने कहा कि अबुआ योजना के तहत पहली किस्त मिल रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने चार साल में समर्पित होकर जनता के हित के लिए काम किया। चार साल के कार्यों का का आकलन जनता को करना होगा। सर्वजन पेंशन के तहत सभी को पेंशन देने का निर्णय लिया। सभी उम्र की विधवा को पेंशन देने का काम सरकार कर रही है। हड़िया दारू बेचने वाली 3200 महिलाओं को मदद सरकार ने दी। मंत्री ने कहा कि दो लाख रुपये का आवास देने का काम राज्य सरकार ने आने दम पर किया।

राज्य में नहीं चल रही केंद्र सरकार की कोई योजना : सत्यानंद भोक्ता

श्रम मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने कहा कि आपकी योजना आपकी सरकार के माध्यम से जो लोग वर्षों से इन्तजार कर रहे थे उनका घर का सपना पूरा हो रहा है। चार वर्षों में आपदा आयी लेकिन सरकार ने विकास का जाल बिछा दिया। लोगों की बुनियादी समस्याएं दूर हो रही हैं। युवाओं को रोजगार देने का काम सरकार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि पूरे राज्य में जो भी योजना चल रही हैं, सभी राज्य सरकार की योजना है। केंद्र सरकार की काई योजना यहां नहीं चल रही है।

कोयला कारोबारी इजहार अंसारी से और चार दिनों तक राज उगलवाएगी ईडी

PHOTON NEWS RANCHI : ईडी ने हजारीबाग के कोयला कारोबारी इजहार अंसारी को रिमांड में लेकर पूछताछ करने के बाद मंगलवार को ईडी कोर्ट में पेश किया। इस दौरान ईडी ने उससे और पूछताछ की आवश्यकता बताते हुए फिर से रिमांड पर लेने का आग्रह कोर्ट से किया। इस पर कोर्ट ने इजहार अंसारी से पूछताछ के लिए ईडी को चार दिनों की पुनः रिमांड प्रदान की है। इससे पूर्व 16 जनवरी को ईडी ने हजारीबाग स्थित उसके आवास और फैक्टरी पर छापेमारी की थी। इसके बाद उसे गिरफ्तार किया गया था। वह 70 करोड़ रुपये के कोल लिंकेज

कोर्ट में इजहार अंसारी को ले जाती पुलिस। ● फोटोन न्यूज

की हेराफेरी मामले में आरोपित है। अंसारी समन किये जाने के बावजूद पूछताछ के लिए ईडी के समक्ष हाजिर नहीं हो रहा था।

ईडी ने मनरेगा घोटाले को लेकर की गयी छापेमारी के दौरान निलंबित आईएएस पूजा सिंघल के सीए सुमन कुमार का मोबाइल जब्त किया था। इस मोबाइल फोन से मिले तथ्य के आधार पर ईडी ने इजहार अंसारी के घर पर मार्च 2023 में भी छापा मारा था। इस दौरान उसके घर से तीन करोड़ से अधिक जब्त किये गये थे।

इजहार पूजा सिंघल का करीबी बताया जाता है। इजहार ने 13 कंपनियां बना रखी थीं। इनमें अधिकांश का निदेशक वह खुद था जबकि कुछ कंपनियों में बेटे नाजिर के अलावा करीबी रिश्तेदार इश्तियाक और तजमुल को निदेशक बना रखा था। जांच में पाया गया कि खान विभाग की अनुशंसा पर वर्ष 2019 में इजहार की नौ कंपनियों को 14072.70 एमटी जबकि 2020-21 में सिर्फ तीन कंपनियों को कोल लिंकेज मिला था। जांच में ईडी को पता चला है कि अंसारी ने कोयला लिंकेज मामले का दुरुपयोग किया है। इजहार अंसारी ने 70 करोड़ का पीएलसी कोयला वाराणसी और धनबाद में बेचकर अपने 13 कंपनियों को फायदा पहुंचाया था।

झारखंड में कोहरे और शीतलहर को लेकर यलो अलर्ट जारी

RANCHI : राजधानी रांची सहित पूरे झारखंड में शीतलहर का कहर जारी है। वहीं कई जिलों में कोहरा भी सुबह-सुबह छा रहा है। आलम यह है कि दो दिनों पहले हुई बूंदाबांदी के बाद कोहरा भी छा रहा है। वहीं बादल छंटने के साथ ही ठंड का असर भी बढ़ गया है। मौसम विज्ञान केंद्र रांची के मुताबिक न्यूनतम तापमान में सात डिग्री तक की गिरावट आई है। अगले चार दिनों तक इस कनकनी का असर बरकरार रहने वाला है। मौसम विज्ञान केंद्र की माने तो उत्तर पश्चिमी दिशा से आ रही ठंडी हवा की वजह से यह परिवर्तन देखने को मिल रहा है। रांची सहित पूरे राज्य में कनकनी के कहर को देखते हुए मौसम विज्ञान केंद्र रांची ने यलो अलर्ट जारी किया है। अहले सुबह और शाम ढलते ही कनकनी अपना असर दिखाना शुरू कर देती है।

कोयला के अवैध कारोबार में एसपी की कार्रवाई, एक थाना प्रभारी सस्पेंड

DHANBAD : कोयला के अवैध कारोबार मामले में एक थाना प्रभारी को सस्पेंड कर दिया गया,जबकि दूसरे को शोकॉज किया गया है। हजारीबाग रेंज के डीआईजी सुनील भास्कर के रिपोर्ट पर हजारीबाग एसपी अरविंद सिंह ने यह कार्रवाई की है। एसपी ने टाटीझरिया थाना प्रभारी को सस्पेंड कर दिया, वहीं विष्णुगढ़ थाना प्रभारी को शोकॉज किया है।

टाटीझरिया थाना क्षेत्र स्थित बेरेम में डंप किया जाता है कोयला : बोकारो और रामगढ़ जिला में संरक्षित तरीके से अवैध कोयला का कारोबार हो रहा था। बोकारो के पचमो व हुरदाग और रामगढ़ के बसकपुर से अवैध कोयला को लाकर हजारीबाग के टाटीझरिया थाना क्षेत्र स्थित बेरेम में डंप किया जाता था। इसके बाद यहां से कोयला डेहरी और बनारस की मंडियों में ज्यादा कीमत पर

बेचा जा रहा था। दूसरी तरफ बोकारो जिले के महुआटांड़, जागेश्वर बिहार और पेक नारायणपुर थाना क्षेत्र से अवैध कोयला हजारीबाग के विष्णुगढ़ और रामगढ़ के बॉर्डर में डंप किया जाता था। कोयला साइकिल, बाइक और ट्रैक्टर के माध्यम से डंप तक लाया जाता था। इसके बाद रात के अंधेरे में इसको ट्रकों पर लोड कर भेज दिया जाता था। यहां से हर दिन करीब बीस ट्रक कोयले का अवैध कारोबार होता था। हालांकि पिछले कुछ दिनों से यह कारोबार थम सा गया है। लेकिन इसे फिर से शुरू करने को लेकर स्थानीय स्तर पर समीकरण बैठाया जा रहा है।

बाबूलाल को कोई गंभीरता से नहीं लेता राजनीतिक मयार्दा ना लांघें : झामुमो

PHOTON NEWS RANCHI : सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा के महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के आरोपों पर पलटवार किया है। उन्होंने भाजपा को खुली चेतावनी दी है। कहा कि बाबूलाल राजनीतिक मायार्दा नहीं लांघें। झामुमो कार्यकर्ता मयार्दा में रहते हैं। इन्हें मयार्दा लांघने पर मजबूर ना करें। उन्होंने कहा कि बाबूलाल मरांडी को झामुमो के समर्पित कार्यकताओं के लिए अर्मादित टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। जनसभाओं में भीड़ जुटाने के लिए

भाजपा क्या-क्या करती है यह जगजाहिर है। उन्होंने कहा कि बाबूलाल मरांडी ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन के लिए भी अर्मादित भाषा का इस्तेमाल किया। बाबूलाल की बातों से यह स्पष्ट हो गया है कि वह राजनीतिक शुचिता भूल गए हैं। यही वजह है कि बाबूलाल की बातों को अब कोई गंभीरता से नहीं लेता है।

विनोद पांडेय ने कहा कि विचाराधीन मामलों पर न्यायालय से पहले बाबूलाल मरांडी ने फैसला कर रहे हैं। आरोपों के आधार पर दोषी साबित करने का ठेका बाबूलाल करने लगे हैं। उन्हें सत्ता हासिल करने की बहुत जल्द है। हेमंत सरकार को अपदस्थ करने के लिए दिन रात षड़यंत्र में जुटे मरांडी का यह दुस्वप्न ख्वाब में भी पूरा नहीं होगा।

झारखंड पुलिस मुख्यालय का सभी एसपी को निर्देश

चुनाव प्रशिक्षण के लिए जवानों को रखें तैयार

PHOTON NEWS RANCHI : आगामी लोकसभा चुनाव को झारखंड पुलिस अपनी तैयारी में जुट गई हैं। इसे लेकर पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों के एसपी को निर्देश जारी किया है। जारी निर्देश में कहा गया है कि चुनाव संबंधित प्रशिक्षण के लिए अपने जवानों को तैयार रखें। प्रशिक्षण संबंधित आदेश-निर्देश और एसओपी की कॉपी भी सभी जिलों को भेजी गई है।

मैनुअल प्रशिक्षण पर जोर : झारखंड पुलिस मुख्यालय ने

निर्देश में कहा है कि लोकसभा चुनाव स्वच्छ, निष्पक्ष, भयमुक्त व शांतिपूर्ण वातावरण में कराया जाना है। इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली से बल प्रतिनियुक्ति को ले जारी मैनुअल के तहत ही प्रशिक्षण पर जोर दिया जा रहा है। चुनाव में प्रतिनियुक्त जवानों को मतदानकर्मियों की सुरक्षा से लेकर बूथ की निगरानी तक की रणनीति से अवगत कराया जाएगा। उन्हें मतदान सामग्री की सुरक्षा, असामाजिक तत्वों, उपद्रवियों से निपटने के तरीके से भी बताए जाएंगे। मतदाताओं को असुविधा न हो, उन्हें कोई मतदान से वंचित न कर पाए, उन्हें अपने पक्ष में मतदान के लिए कोई दबाव बनाए तो वैसे लोगों से कैसे निपटना है, वह भी बताया जायेगा।

पेटेंट अटर्नी बनने के लिए लॉ डिग्री की जरूरत नहीं

अगर आप इंटेलेक्चुएल प्रॉपर्टी राइट्स के क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं तो पेटेंट अटर्नी बनने के लिए लॉ डिग्री की भी जरूरत नहीं है। आप मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स द्व ारा आयोजित किए जाने वाले एग्जाम को पास कर इस फील्ड में उतर सकते हैं। हां, एलएलबी की डिग्री हो, तो आप औरों से बीस साबित हो सकते हैं।

दुनिया आविष्कारों की बदौलत बहुत तेजी से बदल रही है। कुछ आविष्कार अप्रत्यक्ष भी हो रहे हैं। ऐसे आविष्कारों के लिए पेटेंट करवा पाना तक मुश्किल है। आईपी यानी इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी के कॉन्सेप्ट के विकास के पीछे यह एक बड़ी वजह है। नई रचना, आविष्कार, साहित्यिक और कलात्मक काम और प्रतीक, नाम, तस्वीर और कमर्शल रूप से इस्तेमाल होने वाले डिजाइन आदि को विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ) ने आईपी या बौद्धिक संपदा के रूप में परिभाषित किया है। असल में आईपी का क्षेत्र बहुत व्यापक है।

सॉफ्टवेयर, आर्किटेक्चर और इंडस्ट्रीयल डिजाइन, फार्मास्युटिकल रिसर्च, संगीत, साहित्यिक काम आदि ही नहीं बल्कि वैसी सारी चीजें जिन्हें मात्रा में नहीं निर्धारित किया जा सकता, आईपी के दायरे में आती हैं। और, एक इंटेलेक्चुएल प्रॉपर्टी राइट्स (आईपीआर) अटर्नी अपने क्लाइंट्स के लिए इन्हीं चीजों पर काम करता है और उनके हितों को सुरक्षित करने के कानूनी उपाय करता है।

क्या होता है काम

एक आईपीआर अटर्नी को मुख्य रूप से अपने क्लाइंट के कमर्शल हितों की रक्षा करनी होती है। अपने काम के रूप में उसे यह देखना होता है कि किसी व्यक्ति या किसी संस्था के इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स की रक्षा कैसे की जा सकती है। जो नए आविष्कार हो रहे हैं, जो नई तकनीक आ रही है, क्या पेटेंट के लायक हैं या नहीं, इस तरह के कामों को देखना भी आईपीआर अटर्नी के जिम्मे होता है। इस पेशे में लॉ की जानकारी के साथ अटर्नी को अपने तरीके से भी सोचते रहना होता है कि वह कैसे अपने क्लाइंट के इंटेलेक्चुअल अटर्नी की चोरी आदि को रोक सकता है या किन प्रॉपटीर्ज को लेकर भविष्य में खतरे पैदा हो सकते हैं।

प्रफेशनल कोर्स

अगर आप साइंस, इजिनियरिंग या टेक्नॉलजी में ग्रैजुएट हैं तो इस दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं। पेटेंट अटर्नी बिना लॉ डिग्री के ही बन सकते हैं। आपको बस मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स द्व ारा आयोजित किए जाने वाले एग्जाम को पास करना होता है। ध्यान रहे, ग्रैजुएट होने के साथ आपकी उम्र कम से कम 21 साल होनी चाहिए। आगर आपके पास लॉ की डिग्री है, तो इसे सोने पर सुहागा समझिए। बायोलॉजी, केमिस्ट्री, फिजिक्स, कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रॉनिक्स, मेडिसिन आदि के बैकग्राउंड वाले स्टूडेंट्स को काम में न सिर्फ सहूलियत होती है बल्कि इस फील्ड में अनुभव के बाद चमकदार करियर बना सकते हैं।

करियर और सैलरी

एक आईपीआर अटर्नी के लिए करियर के अवसर सरकारी और निजी, दोनों प्रकार के क्षेत्रों में हैं। इसका स्कोप पिछले एक-डेढ़ दशक में कुछ ज्यादा ही बढ़ा है। बहुत सारी कंपनियां जो पेटेंट और कॉपीराइट्स की सुरक्षा चाहती हैं, स्पेशलिस्ट अटर्नी की इन-हाउस टीम रखती हैं, ताकि उन्हें इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी को लेकर किसी तरह का नुकसान न उठाना पड़े। इसके अलावा सरकारी संस्थान और स्पेशलिस्ट लॉ फर्मों में भी आईपीआर अटर्नी को काम मिलता है। आप चाहें तो इस सब्जेक्ट के स्पेशलिस्ट के रूप में शिक्षण संस्थानों में भी काम पा सकते हैं। एक आईपीआर अटर्नी के रूप में खुद भी काम किया जा सकता है। आप चाहें तो कंपनियों या फर्मों के आपीआर कंसलटेंट भी बन सकते हैं। इस पेशे में पैसे की कमी नहीं है। डिपेंड आप पर करता है कि आप किस तरह से अपने करियर को आगे बढ़ाते हैं। अगर आप अपना काम शुरू करना चाहते हैं तो शुरुआत में मेहनत करने की जरूरत होगी और साल-दो साल ज्यादा पैसे की न सोचें। लेकिन वहीं अगर आप किसी लॉ फर्म को जॉइन करते हैं तो एक बंधी-बंधाई सैलरी की उम्मीद कर सकते हैं। लेकिन यदि आप किसी यूनिवर्सिटी या लॉ स्कूल में फैकल्टी बन जाते हैं, तो शुरुआत में भी काफी

इंस्टिट्यूट्स

विदेश

- जॉर्ज वॉशिंगटन विश्वविद्यालय
- फ्रेंकलिन पियर्स लॉ सेंटर
- कोलंबिया विश्वविद्यालय
- स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय
- न्यू यॉर्क विश्वविद्यालय

भारत

- नेशनल लॉ स्कूल, बंगलुरू
- इंडियन लॉ सोसाइटी कॉलेज, पुणे
- गर्वनमेंट लॉ कॉलेज, मुंबई
- नालसर यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ, हैदराबाद
- नेशनल लॉ इंस्टीट्यूट यूनिवर्सिटी, भोपाल
- नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ ज्यूरीडिशियल साइंसेज, कोलकाता

फाइन आर्ट्स क्षेत्र में भविष्य

कला आज महज प्रदर्शन या हुनर तक सीमित नहीं रह गई है। विश्व स्तर पर अब न केवल अच्छे कलाकारों की मांग है बल्कि उनकी कलाकृतियों को अच्छे दामों में खरीदा जा रहा है। कला से तात्पर्य कला की एक शाखा से है जिसमें चित्रांकन, डिजाइनिंग और रंगों से जुड़ी बातें शामिल हैं। तो जानते हैं इसके विषय में।

आज यह एक रोमांचक तथा लाभप्रदा क्षेत्र बन चुका है उन युवाओं के लिए जिनमें प्रतिभा और लग्न दोनों हैं। आज आर्ट की फील्ड सिर्फ 'क्राफ्ट' की परिभाषा से कहीं आगे बढ़ चुकी है लेकिन एक अच्छा आर्टिस्ट होने के साथ-साथ आज एक और चींज आवश्यक है और वह है बिजनेस सेंस का होना। कमर्शियल सक्सेस पाने के लिए इसका होना महत्वपूर्ण है।

आपको विभिन्न आर्ट गैलरीज, तथा आर्ट कलेक्टर्स (जो कि एक आर्टिस्ट के भविष्य को संवारने में प्रमुख भूमिका निभाते हैं) के बारे में सारी जानकारी रखना होगी और स्वयं को उनके खाने में पूरी तरह फिट करना होगा। सिर्फ आर्ट स्कूल में पढ़ लेने से स्टूडेंट में जाना-माना कलाकर बनने की कूवत नहीं होती। इसके लिए बिजनेस सेंस का होना भी ज़रूरी है।

क्षेत्र

फाइन आर्ट्स से ग्रेज्युएशन करने वालों के लिए कॅरियर बनाने के ढेर सारे क्षेत्र होते हैं। इनमें इलस्ट्रेशन, ग्राफिक डिजाइन, एक्जीबिशन डिजाइन, बिल्डिंग आर्किटेक्चर, मॉडल मेंकिग, म्यूजियम एडमिनिस्ट्रेशन, गैलरी मेकिंग, म्यूजियम एडमिनिस्ट्रेशन, गैलरी ऑपरेशन्स, इंटीरियर- एक्सटीरियल डिजाइन, विजु आलाइजर, आर्ट थेरेपी, आर्ट टीचिंग, रेस्टोरेशन तथा फोटोग्राफी जैसे क्षेत्र शामिल होते हैं।

वहीं कुछ ग्रेज्युएट्स डिजाइन, सेरेमिक्स, ज्वेलरी, फाइबर्स और टेक्सटाइल आदि में प्रोफेशनल प्रेक्टिस का रास्ता भी अपनाते हैं। इसके अलावा कुछ अन्य स्वयं के स्टूडियो स्थापित कर एक आर्टिस्ट या क्राफ्ट्समैन के बतौर भी सेवाएं देते हैं। कुछ विद्यार्थी 'इन्डसीप्लीनरी स्टडीज' जैसे मल्टीमीडिया या बिजनेस एडमिनिस्ट्रशन वाले रास्ते भी चुनते हैं। जिसके अंतर्गत वे एनीमेशन, आर्ट डायरेक्शन तथा आर्ट एडमिनिस्ट्रेशन में कॅरियर बना सकते हैं।

आर्ट और बिजनेस एक अच्छा कॉम्बीनेशन है जिसका प्रयोग एक आर्ट गैलरी या डिजाइन स्टूडियो के प्रबंधन हेतु किया जा सकता है। वहीं आर्ट और एजुकेशन, आर्ट और कम्प्यूटर साइंस, आर्ट और इंग्लिश आदि रूपों में चुना जा सकता है।

ट्रेनिंग

अधिकांश अच्छे आर्ट स्कूलों में विद्यार्थियों को कल्पनाशीलता के प्रयोग के साथ-साथ अपने काम के प्रति जिम्मेदारी, प्रोफेशनलिज्म, डिसीप्लीन्ड वर्क हेबिट आदि के बारे में भी ट्रेनिंग दी जाती है। ताकि उसे सही दिशा मिल सके और वह अपने-आप को एक अच्छे और सच्चे कलाकार के रूप में स्थापित कर सके।

हालांकि आमतौर पर बैचलर इन फाइन आर्ट्स या मास्टर इन फाइन आर्ट्स की अवधि में प्रेक्टिकल नॉलेज के लिए समय कम ही दिया जाता है जिसे कि बढ़ाने की आवश्यकता है, ताकि विद्यार्थी अच्छा सीख सकें। फिर भी आज आर्ट्स के विद्यार्थियों हेतु जितने दरवाज़े खुले हैं, वे पहले से कहीं ज्यादा हैं। चित्रांकन और मूर्तिकला से लेकर टी.वी. मैग्जीन्स, कम्प्यूटर और अन्य कई क्षेत्रों में अब फाइन आर्ट्स के विद्यार्थियों की मांग बढ़ती जा रही है।

क्लाउड कम्प्यूटिंग व इम्प्लिसिट वेब में सुनहरा भविष्य

आईटी का क्षेत्र अपने आप में काफी बड़ा है और इसमें भविष्य बनाने की चाहत हर युवा के मन में रहती है। इस क्षेत्र भविष्य बनाने के लिए युवा तमाम तरह के प्रयत्न करता है। कई बार जानकारी के अभाव में युवा आईटी में एक जैसा करियर चुनते हैं। अगर वर्तमान टेक्नोलॉजी का ध्यान रखेंगे तब निश्चित रूप से इसमें अच्छा करियर बना सकेंगे। आईटी के क्षेत्र में नित नई खोजें होती ही रहती हैं। इन खोजों के कारण ही लगातार इस क्षेत्र में इस क्षेत्र में युवा आकर्षित होते रहते हैं। आईटी के क्षेत्र में भारत की विश्व में अलग ही साख है। भारतीय युवाओं को इस क्षेत्र में काफी पसंद भी किया जाता है। इस क्षेत्र में सबसे बड़ी हलचल क्लाउड कम्प्यूटिंग के माध्यम से हुई है और युवा इस ओर आकर्षित भी हो रहे हैं। निश्चित रूप से भविष्य क्लाउड कम्प्यूटिंग व इम्प्लिसिट वेब के क्षेत्र में है। क्लाउड कम्प्यूटिंग वास्तव में इंटरनेट आधारित प्रक्रिया और कम्प्यूटर एप्लीकेशन का इस्तेमाल है। गूगल एप्स क्लाउड कम्प्यूटिंग का एक उदाहरण है, जो बिजनेस एप्लीकेशन ऑनलाइन मुहैया कराता है और वेब ब्राउजर का इस्तेमाल कर इस तक पहुंचा जा सकता है। इंटरनेट पर सर्वरों में जानकारियां सेव रहती हैं और ये उपयोगकर्ता के डेस्कटप, नोटबुक, गेमिंग कंसोल इत्यादि पर आवश्यकतानुसार अस्थायी रूप से संग्रहित रहती हैं। साधारण भाषा में कहा जाए तो कि अब तक जो सफ्टवेयर प्रोग्राम आप स्थानीय रूप से अपने कम्प्यूटर और लैपटप-नोटबुक पर संस्थापित करते रहे थे, अब इनकी कतई आवश्यकता नहीं होगी, क्योंकि ये सब सॉफ्टवेयर अब आपको वेब सेवाओं के जरिए मिला करेंगी। यही नहीं, गूगल गियर जैसे अनुक्रमों के जरिए आपको इस तरह की बहुत सारी सुविधाएं ऑफ लाइन भी मिला करेंगी। इसके कारण कंपनियों को शून्य लागत आती है। चलाने का खर्च भी कम होता है। इसे जितनी जरूरत है,उसके अनुरूप किराए पर लिया जा सकता है। कुल मिलाकर क्लाउड कम्प्यूटिंग कंपनियों के प्रौद्योगिकी खर्च में कमी लाता है। अगर आप आईटी के क्षेत्र में अपना भाग्य आजमाना चाहते हैं तब क्लाउड कम्प्यूटिंग की ओर तेजी से अपने कदम बढ़ा सकते है, क्योंकि इसमें काफी अच्छा भविष्य है। इंटरनेट का अगला चरण इम्प्लिसिट वेब यानि अप्रत्यक्ष इंटरनेट का होगा जिसमें इंटरनेट का उपयोग करते वक्त जो गुप्त संकेत हम छोड़ते हैं, उन सभी को एक जगह एकत्रित कर हमारे इंटरनेट का उपयोग करने के अनुभव को और बेहतर बनाने के लिये उपयोग किया जायेगा। इम्प्लिसिट वेब मतलब कस्टमाईज्ड इंटरनेट सर्विस कह सकते है। आप इंटरनेट पर क्या देखते है क्या सर्च करते है और आपकी पसंद के क्या विषय है इसे एकत्रित कर अपने आप विश्लेषण हो जाता है और जब आप कम्प्युटर पर इंटरनेट ब्राउज करते है तब आप जो चाहते है वही मिलता है जिससे समय की बचत होती है। इस क्षेत्र में युवा साथी अपना भविष्य बना सकते है क्योंकि इंटरनेट के प्रयोगकर्ताओं की संख्या काफी तेजी से बढ़ती जा रही है।

संस्थान

- नेशनल इंस्टिटयूट ऑफ इंफर्मेशन टेक्नोलॉजी (एनआईआईटी), बेंगलूर
- आईआईएचटी, चेन्नई
- विजुअलपाथ, हैदराबाद
- वीजीआईटी, चेन्नई
- बिजनेस एक्सीलेंस इंस्टिटयूट प्राईवेट लिमिटेड, नई दिल्ली

एमबीए : कहां से करें

पहले एमबीए करने के बाद युवाओं को जॉब नहीं तलाशना पड़ता था लेकिन अब कई ऐसे युवा मिल जाएंगे जो एमबीए करने के बाद भी जॉब की तलाश में रहते हैं। एमबीए करने के लिए वे ऐसे संस्थानों में प्रवेश ले लेते हैं, जिनके माध्यम से नौकरी पाने की संभावना कम रहती है। कई छात्र काफी होशियार होते हैं, पर जानकारी के अभाव में वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पढ़ने की काबिलियत होने के बावजूद इंटरनेशनल एमबीए नहीं कर पाते। कुछ समय पहले विश्व के सर्वश्रेष्ठ एमबीए कॉलेज की सूची जारी की थी तब इस सूची में भारतीय का एक कॉलेज भी टप टेन में नहीं था। भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद और हांगकांग यूनिवर्सिटी अभी भी टॉप टेन की सूची से बाहर है।

दरअसल इस सर्वे में सैलरी से लेकर फैकल्टी का एज्युकेशन क्वॉलिफिकेशन आदि का समावेश किया गया था। सर्वे में केवल यह नहीं देखा गया है कि कोर्स करने के बाद विद्यार्थियों को कितनी सेलरी मिली, बल्कि संपूर्ण विकास की बात भी देखी गई है। सबसे पहला नंबर अमेरिका के डार्टमाउथ बिजनेस स्कूल को मिला है। जानकारों का मानना है कि बेदम एमबीए के लिए समय व्यर्थ करना और बाद में अच्छी नौकरी न मिल पाने पर हताश होने की अपेक्षा दम वाले एमबीए की ओर पहले से नजर रखें।

एमबीए संस्थान

- डार्टमाउथ बिजनेस स्कूल, अमेरिका
- शिकागो बूथ, अमेरिका
- आईएमडी, स्विट्जरलैंड
- वर्जिनिया यूनिवर्सिटी, अमेरिका
- हार्वर्ड बिजनेस स्कूल, अमेरिका
- आईआईएम (इंडियन इंस्टिटयूट ऑफ मैनेजमेंट), दिल्ली
- आईएसबी (इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस), हैदराबाद
- एक्सएलआरआई (जेवियर लेवर रिसर्च इंस्टिटयूट), जमशेदपुर
- एफएमएस (फेकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडी), दिल्ली
- जमनालाल बजाज इंस्टिटयूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडी, मुंबई

BRIEF NEWS

मुख्यमंत्री ने नेताजी की जयंती पर किया नमन

RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंगलवार को नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती पर उन्हें शत-शत नमन किया है। उन्होंने एक्स फ्र ट्वीट कर कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस आजादी के महानायक, महान स्वतंत्रता सेनानी और आजाद हिंद फौज के संस्थापक थे। उन्हें नमन।

कांके विधायक समरी लाल ने सामुदायिक भवन का किया शिलान्यास

RANCHI : रांची के बरियातू स्थित इंद्रप्रस्थ कॉलोनी जोड़ा तालाब के श्री महावीर मंदिर सामुदायिक भवन के दूसरे तल्ले का शिलान्यास कांके विधायक समरी लाल ने मंगलवार को नारियल फोड़कर किया। विधायक ने कहा कि सामुदायिक भवन के दूसरा तल बन जाने पर यहां के लोगों को शादी और अन्य कार्यक्रम करने के लिए कही और नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि बहुत दिनों से मोहल्ले वासियों की यह मांग अब पूरी हुई। इस अवसर मोहल्ले वासियों ने समरी लाल को फूल माला पहनाकर स्वागत किया। उन्होंने मोहल्ले वासियों से आग्रह किया कि दूसरे तल्ले का निर्माण कार्य अपने देखरेख में करायें। इस अवसर पर प्रकाश चंद्र सिन्हा, हरिनंदन शर्मा, रामाशीष सिंह, सुरेंद्र मंडल, मुकेश कुमार, रवि पाठक, ओम प्रकाश पांडे, अमित कुमार मंडल, मनोज गोस्वामी, ऋषि कुमार, बबलू सिंह सहित अन्य मौजूद थे।

प्रेमी ने पुलिस से प्रेमिका वापस दिलाने की लगाई गुहार

RANCHI : झारखंड की राजधानी रांची से सटे सिल्ली क्षेत्र में एक प्रेमी जोड़े की शादी चर्चा का विषय बना हुआ है। बालिग प्रेमी-प्रेमिका ने जिस रात शादी की, उसके दूसरे दिन ही प्रेमिका के परिजन लड़की को जबरन प्रेमी के घर से ले गए। अब प्रेमी ने थाने में आवेदन देकर प्रेमिका को वापस दिलाने की गुहार लगाई है। इस संबंध में थाना प्रभारी लालजी ने बताया कि प्रेमी-प्रेमिका दोनों बालिग हैं।

इलेक्ट्रानिक न्यु डेली मार्केट झंडोतोलन के बाद बंद रहेगी: एसोसिएशन

RANCHI : न्यु डेली मार्केट ट्रेड्स वेलफेयर एसोसिएशन मेन रोड रांची की एक अहम बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता एसोसिएशन के अध्यक्ष हाजी हाशिम ने की और संचालन सचिव मो इरफान ने की। बैठक में 26 जनवरी को राष्ट्रीय छुट्टी पर चर्चा की गई। सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया कि इस वर्ष से 15 अगस्त और 26 जनवरी को राष्ट्रीय छुट्टी में इलेक्ट्रानिक न्यु डेली मार्केट बंद रहेगी। झंडोतोलन 10 बजे दिन में किया जाएगा। झंडोतोलन के बाद इलेक्ट्रानिक न्यु डेली मार्केट पूरी तरह से बंद रहेगी। इस मौके पर एसोसिएशन के अध्यक्ष हाजी मो हाशिम, महासचिव मो इरफान, उपाध्यक्ष मो इरशाद, संयुक्त सचिव मो फिरोज, कोषाध्यक्ष हाजी मो मुस्लिम, एवं कार्यक्रणी के सदस्य मौजूद थे।

प्रदेश कांग्रेस ने नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की मनाई जयंती

RANCHI : प्रदेश कांग्रेस के तत्वावधान में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती रांची के कांग्रेस भवन में मनायी गयी। मौके पर प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर और अन्य नेताओं ने नेताजी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि नेताजी त्याग एवं अनुशासन के प्रतिमूर्ति थे। उन्होंने देश की आजादी के लिये अपने सारे सुख-वैभव का त्याग कर कठिन से कठिन मार्ग को अपनाया और अंग्रेजों को अपने नाम का लोहा मनवाया। उन्होंने इसी उद्देश्य से आजाद हिन्द फौज का गठन किया और नारा दिया कि तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा।

atom美
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

दुष्कर्म के दोषियों को 20-20 साल की सजा

तीनों पर लगाया 10-10 हजार का जुर्माना

PHOTON NEWS RANCHI : पॉक्सो के विशेष न्यायाधीश आसिफ इकबाल ने शादी समारोह से घर लौट रही नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म मामले के तीनों दोषी करार अभियुक्तों को मंगलवार को 20-20 साल की सजा सुनायी है। साथ ही अदालत ने तीनों पर 10-10 हजार का जुर्माना लगाया है। इनमें प्रदीप उरांव, बुलेट उरांव और चैने उरांव शामिल हैं।

इससे पूर्व अदालत ने 17 जनवरी को तीनों को दोषी करार किया था। घटना के संबंध में बताया जाता है कि आठवीं कक्षा की नाबालिग छात्रा एक शादी समारोह से घर लौट रही थी। इसी दौरान एक नाबालिग सहित चार आरोपितों ने उसे पकड़ लिया और खेत में ले जाकर सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया था।

मामले को लेकर नाबालिग के परिजनों ने मांडर थाना में कांड संख्या 212/2021 दर्ज कराया था। इसके बाद मांडर पुलिस ने सभी चारों आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। चार आरोपितों में से एक आरोपित नाबालिग है, जिसका मामला जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड में चल रहा है। यह जानकारी एपीपी पुष्पा ने दी।

भाकपा ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मनाई जयंती

PHOTON NEWS RANCHI : भाकपा ने मंगलवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 127वीं जयंती रांची स्थित कार्यालय में मनाई। भाकपा सहित अन्य दलों के नेताओं ने नेताजी के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की।

मौके पर पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस का सपना आज भी अधूरा है। रामगढ़ के अधिवेशन में उन्होंने गरम दल का निर्माण किया था। आज देश के अंदर जात धर्म के नाम पर राजनीति की जा रही है। देश में बेरोजगारी और महंगाई चरम पर है लेकिन धर्म की घुट्टी पिलाकर केंद्र सरकार लोगों को बरगला रही है। नेताजी की जयंती के अवसर पर सभी लोग संकल्पित हैं कि देश की तमाम धर्मनिरपेक्ष पार्टियों एकजुट होकर देश में लोकतंत्र, संविधान और देश की आजादी को बचाने के लिए संघर्ष को तेज करेंगी।

कार्यक्रम में राज्य सचिव महेंद्र पाठक, जिला सचिव अजय कुमार सिंह, झारखंड मुक्ति मोर्चा के जितेंद्र प्रसाद गुप्ता, इम्तियाज खान, कमरुद्दीन निशा, मनोज ठाकुर, श्यामल चक्रवर्ती, मेहुल मृगेंद्र, किरण कुमारी, गोपाल पांडेय, सुनील सिंह, नागो चौधरी सहित कई लोग शामिल थे।

रोशपा टावर में जे प्लस डेंटल केयर का उद्घाटन

प्लस डेंटल केयर का उद्घाटन करते अतिथि व अन्य। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : जे प्लस डेंटल केयर फॉर योर स्माइल, फोर्थ फ्लोर रोशपा टावर, मेन रोड रांची में शहर के परसिद्ध डॉक्टर मजीद आलम, झारखंड अस्पताल के निदेशक डॉक्टर जियाउल होदा और डेंटल सर्जन डॉ सैयद आदिल ने संयुक्त रूप से फीता काट कर किया। मौके पर बोलते हुए डॉक्टर मजीद आलम ने कहा कि यह बेहतर तकनीक के साथ दांत का इलाज होता है। यह जानकर खुशी हो रही है कि मैं डॉक्टर सैयद आदिल और डॉक्टर अदला खातून को बधाई देता हूं। झारखंड हॉस्पिटल के डॉक्टर जियाउल होदा ने कहा कि की डेंटल केयर हॉस्पिटल के खुल जाने के बाद रांची और झारखंड के मरीजों को फायदा मिलेगा। जहां सारी आधुनिक सुविधाओं के साथ दांतों का इलाज की सुविधा उपलब्ध है। मौके पर बोलते हुए संचालक डॉक्टर सैयद आदिल सीनियर डायरेक्टर सर्जन ने कहा कि मरीज को जनरल ओपीडी सर्जरी और अब मरीजों को डिजिटल स्कैन के द्वारा फोटो लेकर दांत बनाकर उन्हें लगाने की भी सुविधा उपलब्ध होगी । यहां कम से कम खर्च के साथ इलाज की सुविधा है। उन्होंने कहा कि मेरी एक क्लिनिक रांची के इटकी, दूसरा दिल्ली और तीसरा रांची के रोशपा टावर में क्लीनिक है। यह क्लीनिक सुबह 11:00 बजे से शाम 7:00 बजे तक खुला रहेगा। इस मौके पर आम आदमी पार्टी के सचिव आबिद अली, अदला खातून समेत कई लोग मौजूद थे।

बाबूलाल ने सोरेन परिवार की संपत्ति के मामले में दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले का किया स्वागत

मीडिया को जानकारी देते बाबूलाल मरांडी। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनके पिता शिबू सोरेन को निशाने पर लिया। उन्होंने पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि राज्य में हेमंत सोरेन के नेतृत्व में सत्तारूढ़ झामुमो-कांग्रेस-राजद की सरकार करप्शन में लिप्त है।

मरांडी ने लोकपाल द्वारा शिबू सोरेन परिवार की चल-अचल संपत्ति की जांच के संबंध में दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि लोकपाल का गठन भ्रष्टाचार, लूट को जड़ से समाप्त करने के लिए हुआ है। भ्रष्टाचार लोकतंत्र के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2020 में सांसद निशिकांत दुबे ने शिबू सोरेन की अर्जित सम्पत्ति की जांच करने के लिए लोकपाल में आवेदन दिया था।

मरांडी ने कहा कि शिबू सोरेन परिवार बोलता है कि लोकपाल का मामला पुराना है। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि क्या कोई चोर पांच दस साल बाद पकड़ा जाएगा तो क्या उसपर मुकदमा दर्ज नहीं होगा? साथ ही कहा कि यह मामला लोकपाल का है। सीबीआई जांच होगी।

दादा साहब फाल्के गोल्ड अवार्ड के लिए चुने गए सांसद सेठ

PHOTON NEWS RANCHI : रांची के सांसद संजय सेठ का चयन दादा साहेब फाल्के आइकन गोल्ड अवार्ड के लिए किया गया है। सांसद को यह अवार्ड कल 24 जनवरी को नई दिल्ली में दिया जाएगा। दादा साहब फाल्के संस्थान ने सांसद को बेस्ट आइकॉन एमपी झारखंड के रूप में चुना है। सांसद का चयन चुनाव क्षेत्र में आम जनता के बीच सक्रियता, लोकसभा में उपस्थित, सत्र में सवाल-जवाब, क्षेत्र में विकास कार्यों को लेकर सक्रियता, सोशल मीडिया पर सक्रियता सहित सामाजिक क्षेत्र में किए जाने वाले किए गए कार्यों को लेकर हुआ है। संस्था ने एक सर्वे के बाद सांसद को इस अवार्ड के लिए नामित किया है। विगत वर्षों में सांसद ने लोकसभा में शत-प्रतिशत उपस्थिति दर्ज कराई है। सवाल के मामले में भी सांसद सक्रिय रहे हैं। क्षेत्र के मुद्दे को उन्होंने मुखरता से लोकसभा में रखा है। तीन वर्षों से बुक बैंक के माध्यम से लाखों पुस्तकों का वितरण किया। टॉय बैंक के माध्यम से हजारों खिलौने का वितरण किया गया। अवार्ड को लेकर सांसद ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सहित तमाम वरिष्ठ नेताओं के मार्गदर्शन में कार्य कर रहा हूं।

श्री राम जन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव पर रांची में दो दिवसीय दुर्गा उत्सव का समापन

PHOTON NEWS RANCHI : चंद्रशेखर आजाद दुर्गा पूजा समिति के तत्वावधान में राजधानी रांची के अल्बर्ट एक्का चौक पर श्री राम जन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अवसर पर दो दिवसीय भव्य और मनोरम दुर्गा उत्सव का सोमवार देर रात समापन हो गया।

रामोत्सव के पहले दिन कार्यक्रम की शुरूआत मनोरम झांकी के साथ सुप्रसिद्ध गायक-गायिकाओं ने भजन संध्या का आयोजन किया गया। दूसरे दिन हनुमान चालीसा, सुंदरकांड का पाठ और श्री राम जन्मभूमि मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का लाइव प्रसारण, महाभोग भंडारा एवं शिव तांडव स्तोत्र पर बेहद ही आकर्षक आरती का आयोजन भी हुआ। आतिशबाजी का दौर भी चला।

सांस्कृतिक संध्या में बिहार के सुप्रसिद्ध गायक अरविंद अकेला उर्फ कल्लू, निशा उपाध्याय सहित कई अन्य कलाकारों ने लोगों को राममय वातावरण में झूमने को विवश कर दिया। सोमवार का यह दिन ऐतिहासिक बनाने के लिए पूरी राजधानी रांची शहर सुबह से लेकर देर रात तक प्रभु राम के उत्सव में पूरी तरह से तल्लीन और सराबोर रहे।

उपप्रमुख ने अपने 40वें जन्मदिन पर 200 कंबलों का किया वितरण

PHOTON NEWS RANCHI : कांके प्रखंड के उप प्रमुख अंजय बैठा ने अपना 40वां जन्मदिन अपने आवास में जरूरतमंद लोगो के बीच लगभग 200 कंबल वितरण करके बनाई। इससे पूर्व उप प्रमुख ने अपने परिजनों और शुभचिंतकों के साथ केक भी काटी। मौके पर जन्मदिन की बधाई देने पहुँचे भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनिल टाईगर ने उप प्रमुख अंजय बैठा को बधाई देते हुवे कहा कि अंजय बैठा का परवरिश एक गरीब घराने में हुवी है। वे गरीबी और गरीबो का दर्द अच्छे से समझते है। इसलिए ये उन्ही लोगो के बीच सादगी तरीके से हर वर्ष अपना जन्मदिन मनाते है। मैं ईस्वर से कामना करता हूँ कि अंजय जी और तरक्की करे और जरूरतमंद लोगों की मदत करते रहे। वहीं पत्नी रीना बैठा ने भी पति अंजय बैठा को केक खिला कर बधाई दी और ईस्वर से उनकी लम्बी आयु की कामना की। मौके पर जन्मदिन की बधाई देने वालो में प्रखंड प्रमुख सोमनाथ मुंडा, कांग्रेस नेता सुरेश बैठा, अंचलाधिकारी जय कुमार राम, भाजपा एससी मोर्चा के प्रदेश नेता कमलेश राम, विधायक प्रतिनिधि प्रभात भूषण, राजकुमार महतो, प्रशांत बैठा सहित कई अन्य शामिल थे

पीएम विश्वकर्मा योजना पर आधारित एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

कारीगरों के जीवन स्तर में सुधार मुख्य उद्देश्य : सांसद

दीप जलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन करते सांसद संजय सेठ। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : केंद्र सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) विकास कार्यालय रांची की ओर से पीएम विश्वकर्मा योजना पर आधारित एक दिवसीय कार्यशाला मंगलवार को आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि रांची के सांसद संजय सेठ ने होटल मैपलवुड में दीप प्रज्वलित कर किया।

मौके पर मुख्य अतिथि संजय सेठ ने कहा कि भारत सरकार की ओर से प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना विश्वकर्मा जयंती 17 सितम्बर को प्रधानमंत्री ने लॉन्च किया। इसका मुख्य उद्देश्य पारंपरिक शिल्पकारों और कारीगरों को आर्थिक सहायता एवं उन्नत उपकरण प्रदान करते हुए उनके व्यवसाय में बढ़ोतरी कराना है, जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार हो सके। उन्होंने सभा में उपस्थित सभी हितधारकों से अपने स्तर के कार्य से संबंधित कार्यकलापों को अच्छी तरह से समझने के लिए इस कार्यशाला का लाभ लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की इस महत्वाकांक्षी योजना को सफल बनाने के लिए सभी को मिलकर एकसाथ प्रयास करने की आवश्यकता है।

इस कार्यक्रम के संयोजक सह सहायक निदेशक सुरेन्द्र शर्मा ने उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि एवं सभी अतिथियों का स्वागत किया। एमएसएमई-विकास कार्यालय के संयुक्त निदेशक और कार्यालय प्रमुख इंद्रजीत यादव ने कार्यक्रम के उद्देश्य एवं रूपरेखा से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला का उद्देश्य पीएम विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत हो रहे आवेदन पंजीकरण प्रक्रिया, विभिन्न स्तर पर सत्यापित करने की प्रक्रिया एवं इसमें आ रही समस्याओं के बारे में विस्तृत रूप से चर्चा करना है ताकि इस योजना का क्रियान्वयन झारखंड राज्य में सुचारू रूप से किया जा सके।

विशिष्ट अतिथि मुख्यमंत्री लघु कुटीर उद्योग बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शशि रंजन ने कहा कि इस योजना के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए ग्राम प्रधानों को प्रशिक्षित किए जाने की आवश्यकता है, जिससे ज्यादा से ज्यादा विश्वकमाओं को इस योजना का लाभ दिलवाया जा सके। उन्होंने सभी जिले के उपायुक्तों को पत्र लिखकर द्वितीय स्तर के सत्यापन की संख्या बढ़ाने का आश्वासन दिया।

केंद्र सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमिता विभाग के क्षेत्रीय निदेशक बीके सिंघा ने बताया कि दुमका जिले में प्रथम बैच का प्रशिक्षण पूरा किया जा चुका है। प्रशिक्षण केंद्रों के ऑनबोर्डिंग में आ रही समस्याओं के लिए एक हेल्प डेस्क बनाया गया है, जहां प्रतिदिन 11 से 12 बजे तक का समय समस्याओं के समाधान के लिए निर्धारित किया गया है। इसके अलावा राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी) के उप महाप्रबंधक अनिल जगदीश जाधव ने पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत ऋण की सुविधा के बारे में बताया ।

तकनीकी सत्र में सीएससी (कॉमन सर्विस सेंटर) के वरिष्ठ प्रबंधक शशि शुक्ला ने पीएम विश्वकर्मा पोर्टल पर लाभार्थियों का जनसेवा केंद्र के माध्यम से पंजीकरण कैसे करें और कौन-कौन से दस्तावेज पंजीकरण के लिए आवश्यक है, इसकी जानकारी दी। इसके अलावा तकनीकी सत्र में पीएम विश्वकर्मा योजना की नोडल अधिकारी ज्योत्सना गुड़िया ने इस योजना में लाभार्थियों के पंजीकरण, उनके आवेदन की तीनों स्तर पर सत्यापन की प्रक्रिया के बारे में बताया।

खबरें राउरकेला की

जंगल से तस्करी करते 82 तोता जब्त, दो गिरफ्तार

ROURKELA : पहले फेरीवाला घर-घर जाकर तोता, बारामासी चिड़िया आदि बेचते हुए देखने को मिलता था, लेकिन समय बीतने के साथ अब ऐसा लगभग देखने को नहीं मिलता है। नए वन्यजीव अधिनियम के लागू होने के बाद किसी भी जंगली जानवर या पक्षी की खरीद-फरोख्त को कानूनन अपराध बना दिया गया है। हालाँकि, पक्षियों का यह व्यापार अभी भी जारी है। राउरकेला में जंगली तोते के बच्चा का तस्करी के दौरान आज वन विभाग के अधिकारी घात लगाकर पकड़ने में सफल हुए। वन विभाग अधिकारी को पहले से तस्करी की खबर थी। योजना के मुताबिक वन विभाग की टीम इंदिरा गांधी पार्क के सामने से एक बाइक पर सवार दो लोगों को तोता ले जाते हुए पकड़ा गया। निरीक्षण के दौरान 10 तोता को जब्त किया गया। दोनों से पूछताछ के बाद पता चला कि नाला रोड इलाके में एक किराये के मकान में 72 और तोता रखा हुआ है। वन विभाग ने तोता को छुड़वा लिया है। तोते को 800 रुपये में खरीदा जाता है, वहीं और 3,000 से 3,500 रुपये में बेची जाता है। डीएफओ जसवंत सेठी ने कहा कि इस रैकेट की जांच चल रही है। जांच के बाद पता चलेगा कि इसमे कौन कौन शामिल है। इन सभी पर कार्रवाई होगी।

भगवान श्रीराम के प्राण प्रतिष्ठा सफल होने पर मना जश्न

ROURKELA : अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न होने के अवसर पर मंगलवार को गृहस्थी में इसका जश्न मनाया गया। पहले सीएमडी गणेश बगड़िया , एमडी गोकुल आनंद बगड़िया, निदेशक मंजू देवी बगड़िया, ,सीईओ अमित अग्रवाल के द्वारा दरबार में सजे गोमाता, गुरुमाता और पितरों को द्वीप प्रज्वलित कर आशीर्वाद लिया गया। इस अबसर पर 1001 दीया श्री राम के नाम पर प्रज्वलित किया गया। इस दौरान श्री राम मंदिर, भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, योगी आदित्यनाथ, भगवान हनुमान, भगवान श्रीराम, बागेश्वर धाम, नवीन पटनायक, भारत माता की झांकी बनाई गई थी। इसके बाद बांसुरी बदन, भजन कीर्तन और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये। मिठाई पैकेट वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस कार्यक्रम में बिनय महंती, अविनाश मिश्रा, सितााराम बागरिया, अंजलि साहू, प्रफुल्ल पात्र, प्रमिला सांडिल, नारायण साहू, पीतांबर तांती, सोनू शर्मा, किरण स्वैन, मुकेश ठाकुर, टी पुरूषोत्तम, सुभाश्री डोरा, बिदिशा बारिक का मुख्य सहयोग रहा।

हनुमान वाटिका में प्रज्जवलित किया गया विशाल दीपक

ROURKELA : अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर ओडिशा राउरकेला के हनुमान वाटिका में विशाल दीया प्रज्वलित किया गया। इस अवसर पर हनुमान वाटिका में पूर्व केंद्रीय मंत्री दिलीप राय ने हजारों के सख्या के भक्तों के बीच दिया को प्रज्वलित किए। जय श्रीराम की नारे से पूरा माहौल राममय हो उठा। 6500 लीटर घी से जलने वाले दिया जो अगले 45 दिन तक जलेगा। सभी भक्तों ने अपनी तरफ से थोड़ी थोड़ी घी दिया में डाले। इस कार्य में गृहस्थी परिवार की और से 51 किलो घी का योगदान दिया गया।

हाथियों के उपद्रव रोकने के लिए सड़क किया जाम धरना पर बैठे ग्रामीण, मुआवजे की कर रहे मांग

ROURKELA : सुंदरगढ़ जिले के बणई में हाथियों के उत्पात से त्रस्त होकर ग्रामीणों ने आखिरकार सड़क जाम कर दिया। सुंदरगढ़ जिले के बणई क्षेत्र के 5 गांवों के लोगों ने मंगलवार को बणई वन मार्ग को जाम कर दिया है। दो हाथी 6 महीने से सुंदरगढ़ जिले के बणई वन रेंज के गोगुआ, जाकेइकला, तलीता, बड़पोश, बाघापाली और अन्य गांवों को परेशान कर रहे हैं। 6 महीना से हाथी फसलों को नष्ट करने के साथ घरों को नष्ट कर रहे हैं। वन विभाग के बार-बार वायदे के बावजूद समस्या का कोई स्थायी समाधान नहीं हो सका है। जिसके चलते आज करीब पांच गांवों के लोगों ने सड़क जाम कर दिया है। बणई जंगल को जोड़ने वाली सड़क के पुल के पास ग्रामीनो ने टायर जला कर विरोध जताया। इससे पहले, हाथी ने विभिन्न गांवों में सब्जियों की फसलों को नष्ट करने के साथ-साथ व्यापक घरों को भी तोड़ कर नष्ट कर दिया था। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि वन विभाग द्वारा जल्द से जल्द मुआवजा देने का आश्वासन देने के बाद सड़क जाम समाप्त होगा।

कुलकर्णी आशुतोष सी. राउरकेला महानगर निगम के नए आयुक्त बनाए गए

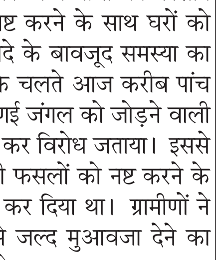

ROURKELA : आईएएस कुलकर्णी आशुतोष सी. राउरकेला महानगर निगम के नए आयुक्त बनाए गए है। वे 2020 बैच के आईएएस है। कुलकर्णी आशुतोष सी को राउरकेला मेट्रोपॉलिटन कॉरपोरेशन के आयुक्त के रूप में तैनात किया गया है। वह राउरकेला के अतिरिक्त जिलापाल और स्मार्ट सिटी सीईओ और आरडीए सचिव का प्रभार भी संभालेंगे। वह पहले बेरहामपुर उपजिलापाल के रूप में तैनात थे। राउरकेला में कार्यरत डॉ सुभांकर महापात्र का जाजपुर जिलापल के रूप में तबादला किया गया है।

श्रम मंत्री ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा में हुए शामिल

ROURKELA : राउरकेला विधायक एवं श्रम मंत्री शारदा प्रसाद नायक ने विभिन्न संगठन द्वारा शहर में मनाए जा रहे श्री राम मंदिर प्रतिष्ठा उत्सव के दौरान शामिल हुए। डेली मार्केट व्यापारी संघ के सदस्य द्वारा खिचड़ी और 250 किलो लड्डू प्रसाद वितरण के अवसर पर श्रम मंत्री पहुंचे। लड्डू भक्तों के बीच बांटे गए। मंदिर प्रतिष्ठा के अवसर पर बांडामुंडा अंचल के विभिन्न मंदिरों में उपस्थित होकर मंदिरों का लोकार्पण किया, और नए मंदिरों के लिए शिलान्यास किया। राम मंदिर प्रतिष्ठा के शुभ उपलक्ष पर माता सीता और भगवान राम का आशीर्वाद प्राप्त किया।

प्राण प्रतिष्ठा पर अस्पतालों में गूंजी किलकारियां

कई मुस्लिम महिलाओं ने भी कराई डिलीवरी किसी के घर आई लक्ष्मी तो कहीं आए राम

एजेंसी

पटना । अयोध्या में आज प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर पटना के अस्पतालों में किलकारियां गुंजती नजर आई। आज पूरे पटना में 250 से अधिक बच्चों की डिलीवरी हुई है। इसमें सरकारी और निजी अस्पतालों में बच्चों की डिलीवरी करवाई गई है। बच्चे के जन्म के बाद महिलाएं भगवान और डॉक्टर्स का शुक्रिया कर रही हैं कि उनकी सालों के मन्नत पूरी हुई और उनके घर राम आए हैं।न सिर्फ हिंदू बल्कि कई ऐसे मुस्लिम महिलाएं भी थीं, जिन्होंने अपने बच्चे के जन्म के लिए आज की तारीख चुनी थी। जिनका ड्यू डेट 22 जनवरी के आसपास है। वह भी आज ही अपने बच्चे की डिलीवरी के लिए पहले से डॉक्टर्स के पास टाइम ले चुकी थी। बच्चे के जन्म के बाद

महिलाएं भगवान और डॉक्टर्स का शुक्रिया कर रही हैं कि उनकी सालों के मन्नत पूरी हुई और उनके घर राम आए हैं। 5 साल बाद आए राम जी, मन्नत हुई पूरी ज्यादातर मामलों में गर्भवती महिलाएं अपने बच्चे के जन्म के लिए कृष्ण जन्माष्टमी, न्यू ईयर, क्रिसमस और शिवरात्रि का दिन चुनती हैं। वैसे ही आज का दिन महिलाएं अपने डिलीवरी के लिए चुन रही हैं। खास बात ये है कि इसमें कई मुस्लिम महिलाएं भी शामिल हैं। डॉक्टर सारिका राय के पास अपने बच्चों की डिलीवरी करवा चुकी रोशन जहां ने बताया कि इस दिन का इंतजार उन्हें कई सालों से था। 5 साल बाद आज मेरी गोद भरी है। प्राण प्रतिष्ठा के दिन मेरे घर राम आए हैं। मेरे घर में सभी आज बेहद खुश हैं और सभी खुशियां मना रहे हैं।पटना के खुसरूपुर से आई चंचल सिंह ने बताया कि उनके घर राम और लखन दोनों एक साथ आए हैं। चंचल ने दो जुड़वा बच्चे को जन्म दिया है। इनकी डिलीवरी 22 तारीख की आधी रात को हुई। चंचल ने कहा आज मैं काफी खुश हूं। मुझे पहले से एक बेटी थी और एक बेटे की इच्छा थी।भगवान ने मुझे बेटे के रूप में राम और लखन दोनों दिए हैं। मेरे पति ने बेटे के जन्म की खबर सुनते ही, इन दोनों का नाम राम और लखन रख दिया है। हम लोगों ने पहले से ही प्लानिंग कर रखी थी कि प्राण-प्रतिष्ठा के दिन ही बच्चे की डिलीवरी करवाएंगे।प्राण प्रतिष्ठा के मुहूर्त पर हुई डिलीवरी पटना की रहने वाली मोनी कुमारी आज बुआ बनी हैं। उन्होंने ने बताया कि इस दिन का इंतजार काफी समय से था। मेरे घर राम जी पधारे हैं। जिस मुहूर्त पर अयोध्या में राम जी की प्राण-प्रतिष्ठा थी, इस मुहूर्त पर हमारे घर राम जी का आगमन हुआ है। यह समय हमारे लिए बेहद खास है और पूरा परिवार बहुत खुश है।पटना की रहने वाली आकृति ने आज एक बेटे को जन्म दिया है। आकृति ने बताया कि उन्होंने पहले से ही यह डिसाइड कर रखा था कि प्राण-प्रतिष्ठा के दिन ही अपने बच्चे की डिलीवरी करवाएंगी। बच्चे की नानी रूबी देवी ने कहा, 'आज से बढ़िया दिन क्या ही होता मेरे नाती के जन्म के लिए।हमने बहुत पहले ही यह सोच लिया था कि 22 जनवरी को जिस दिन रामलाल की प्राण-प्रतिष्ठा होगी, उसी दिन हमारे घर बच्चे की डिलीवरी करवाई जाएगी ।

संक्षिप्त डायरी

विवाहिता ने मारपीट और छेड़खानी का लगाया आरोप

बांका ।बांका में विवाहिता ने मारपीट और छेड़खानी का आरोप लगाया है। विवाहिता ने रजौन थाना में शिकायत दर्ज कराई है। वो काफी डरी है। विवाहिता ने आवेदन में कहा है कि मुझे में अकेला जाता देखकर गांव के ही युवकों ने गाली-गलौज करनी शुरू कर दी। मुझे धक्का देकर गिरा दिया। मेरे साथ मारपीट भी की, फिर छेड़खानी की। मेरे साथ अभद्र व्यवहार किया। शोर मचाने पर सभी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। आवेदन के अनुसार जांच कर कार्रवाई की जाएगी विवाहिता ने कहा कि मेरे पति बाहर रहकर नौकरी करते हैं। मैं घर में अकेली रहती हूं। सभी बदमाशों ने कहा कि केस करोगी तो जान से मार देंगे। थाने में आवेदन देकर न्याय और सुरक्षा की गुहार लगाई है। थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बताया की आवेदन के अनुसार पुलिस जांच कर कार्रवाई करेगी। पुलिस जांच-पड़ताल में जुट गई है। इसके बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दो दिवसीय किऊल महोत्सव का आयोजन निकाली गई कलश यात्रा

लखीसराय । लखीसराय में दो दिवसीय किऊल महोत्सव का आगाज मंगलवार से हुआ। जिसे लेकर आज सुबह केआरके मैदान से भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई। कार्यक्रम के उद्घाटन में सूरजगढ़ राजद विधायक पहलाद यादव और पूर्व विधायक फुलेना सिंह नगर सभानगर सभापति अरविंद कुमार पासवान सहित उप जिला आयुक्त कुंदन कुमार शामिल हुए है। इस दौरान माथे पर कलश लेकर सैकड़ों कुंवारी कन्याओं ने शहर भ्रमण किया। वही इस कार्यक्रम को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखा गया। उप विकास आयुक्त कुंदन कुमार ने कहा कि यह कोई सामान्य कार्यक्रम नहीं है। भारत बहु धार्मिक, बहु सांस्कृतिक, बहु भाषाई देश है। हजारों वर्षों से हम अपनी सांस्कृतिक अक्षुण्णता को बनाए रखे हैं।यह कार्यक्रम भी उसी सांस्कृतिक अक्षुण्णता को बनाए रखने का एक प्रयास है। इस प्रयास में जिन जिन लोगों ने अपना योगदान दिया है, वे धन्यवाद के पात्र हैं। कार्यक्रम के दौरान रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति भी की जाएगी। वही इस कार्यक्रम में बाहर से कलाकार भी कार्यक्रम में शामिल होंगे और भक्तिमय संगीतों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करेंगे।

बदमाशों ने विशनपुर पंचायत के मुखिया को मारी गोली

अररिया नरपतगंज प्रखंड क्षेत्र के गोरार्हा विशनपुर पंचायत के मुखिया अमरेंद्र यादव(45) पिता सिंहेश्वर यादव को सोमवार की देर शाम अपराधियों ने गोली मार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। वही सभी बदमाश मौके से फरार हो गए। घटना के बाद गंभीर रूप से घायल मुखिया को उनके परिजनों व स्थानीय लोगों ने इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल फारबिसगंज लाया।जहां अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों डॉ. मनोज कुमार और डॉ. केएन सिंह सहित अन्य चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया है। वही चिकित्सकों ने बताया कि मुखिया अमरेंद्र यादव को छाती के बाएं तरफ गोली लगी है। जो गोली अंदर ही फंसे होने के कारण उसे बेहतर इलाज के लिए हायर रेफर कर दिया गया हैअस्पताल में इलाजरत गंभीर रूप से घायल मुखिया अमरेंद्र यादव के परिजनों ने बताया कि अमरेंद्र यादव नरपतगंज प्रखंड के गोरार्हा विशनपुर पंचायत के मुखिया के अलावा नरपतगंज मुखिया संघ के प्रखंड अध्यक्ष भी है।अस्पताल में मौजूद लोगों ने बताया कि मुखिया अमरेंद्र यादव को पंचायत के ही बहरदार टोला के पास अपराधियों ने गोली मार दिया। जिससे वो गंभीर रूप से घायल हो गये।

बुजुर्ग की हत्या कर शव गिराया खुद बिस्तर पर सोई

एजेंसी

कैमूर। कैमूर के सुवरा नदी के पास अपने खेत में सो रहे बुजुर्ग की महिला ने कुदाल और खुरपी से काटकर हत्या कर दी। फिर शव को चौकी से नीचे गिरा दिया और खुद वहां सो गई सुबह बुजुर्ग का बेटा गया तो उसने देखा कि पिता का शव जमीन पर पड़ा है। उसकी जगह महिला सोई है। हल्ला मचाने पर गांव वाले पहुंचे। पुलिस को बुलाया गया। पुलिस ने महिला को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि महिला मानसिक रूप से कमजोर है। पुलिस ने बुजुर्ग के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भभुआ भेज दिया। पुलिस ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है।भभुआ थाना क्षेत्र के गोबरछ गांव निवासी केसनाथ सिंह (90) अपने खेतों की रखवाली करते थे। वह सोमवार रात को सो रहे थे। तभी यह घटना घटी। पोस्टमॉर्टम कराने आए केसनाथ के पोते पवन सिंह ने बताया कि, एक महिला देर रात उनके पास पहुंची और खेती के रखे सामान खुरपी और कुदाल से काटकर हत्या कर दी। शव को चौकी से नीचे गिरा कर वहीं सो गई। सुबह देखा कि महिला चौकी पर सोई है। उनका शव नीचे पड़ा है। फिर हम लोगों ने पुलिस को सूचना दी तो पुलिस उसे पकड़ कर ले गई और शव का पोस्टमॉर्टम करने के लिए सदर अस्पताल भभुआ भेज दिया।भभुआ थाना अध्यक्ष राम कल्याण यादव ने बताया कि सुवरा नदी के पास स्थित चैंबर से एक बुजुर्ग व्यक्ति का शव बरामद बरामद हुआ है। वहां से एक महिला को भी लाया गया है। शव का पोस्टमॉर्टम सदर अस्पताल भभुआ में कराया जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अलाव सेंकने के दौरान महिला 50 फीसदी झुलसी

एजेंसी

गोपालगंज । गोपालगंज के नगर थाना क्षेत्र के भितभेरवा गांव में अलाव सेंकने के दौरान एक महिला झुलस गईं। जिन्हें सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। झुलसी महिला की पहचान नगर थाना क्षेत्र के भितभेरवा गांव निवासी रानी देवी के रूप में की गई।वो अपने घर में आग सेंक रहीं थीं। इसी दौरान कपड़ों में आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि महिला को कुछ समझ नहीं आया। वह आग से बचने के लिए

इधर-उधर भागने लगी। परिवार के अन्य लोगों ने किसी तरह महिला को आग से बचाया। करीब 50 प्रतिशत वो झुलस गई।इमरजेंसी वार्ड में भर्ती करायामहिला को गोपालगंज सदर अस्पताल परिजन लेकर पहुंचे। इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया। सदर अस्पताल के डॉक्टरों ने कहा कि महिला के शरीर के 50% हिस्से पर झुलसने के घाव हैं। इलाज चल रहा है। ठंड के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए लोग आग का सहारा ले रहे हैं। लेकिन थोड़ी सी लापरवाही के कारण बड़ा हादसा हो जाता है। जिसको लेकर लोगों को इन बिंदुओं पर ध्यान रखना चाहिए।-अलाव के पास पानी रखें, ताकि आग बुझाने में देरी नहीं हो।-आग सेंकने के दौरान पास में ज्वलनशील पदार्थ न रखें।-अलाव जलाने से पहले उसके धुएं के निकलने की जगह बना दें।

नेपाल बॉर्डर पर दवाओं के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी

सुपौल। जिले के इंडो-नेपाल बॉर्डर पर तैनात एसएबी के जवानों ने दो अलग-अलग चेक पोस्ट से दो लोगों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से नशीली औषधियां जब्त की गई है। एसएसबी 45वीं बटालियन के कमांडेंट गौरव सिंह ने कार्रवाई की जानकारी दी है। बताया कि सूचना मिली थी कि सीमा स्तंभ संख्या 212 /38 क्षेत्र भारत से नेपाल की तरफ प्रतिबंधित सामान की तस्करी होने वाली है। प्रतिबंधित सामान घर में छुपा कर रखा गया है। सूचना की पुष्टि के बाद स्थानीय पुलिस के साथ संयुक्त तलाशी और छाप दल का गठन किया गया। घर की तलाशी के दौरान प्रतिबंधित नशीली दवाएं

जब्त की गई। हिरासत में लिए गए एक व्यक्ति की पहचान जिले के साहेबान निवासी 39 वर्षीय मुकेश कुमार के रूप में हुई है। इसके घर से डाइसाइक्लोमाइन हाइड्रो क्लोराइड 576 पीस, नाइट्राजेपम टैब 300 पीस, विस्कोफ सिरप 50 बोतल, डायलेक्स डी सिरप 10 बोतल, एस्कुफ सिरप 10 बोतल बरामद किया गया है।वहीं, दूसरे तस्कर को एसएसबी की सीमा चौकी शैलेशपुर से पकड़ा पकड़ा गया। कमांडेंट गौरव सिंह ने कहा कि सीमा स्तंभ संख्या 206/01 क्षेत्र से भारत से नेपाल की तरफ प्रतिबंधित सामान की तस्करी होने वाली है। इसी क्रम में गश्ती के दौरान दल ने देखा कि एक व्यक्ति भारत से नेपाल जा रहा है। जिसे रुकने को कहा गया लेकिन वह भागने की कोशिश करने लगा। जिसके पाद उसे पकड़ कर उसकी तलाशी ली तो प्रतिबंधित दवाएं मिली। जिसे जब्त कर लिया गया। हिरासत में लिए गए व्यक्ति की पहचान जिले के रतनपुर थाना अंतर्गत समदा गांव निवासी 30 वर्षीय पिंटू कुमार यादव के रूप में हुई है। जिसके पास से नाइट्राजेपम टैब 150 पीस और विस्कोफ सिरप 22 बोतल प्रतिबंधित दवा मिले। दोनों को गिरफ्तार कर स्थानीय थाने को कार्रवाई के लिए सौंपा गया है।

शादी में मेहमानों से शगुन नहीं मांगा ब्लड

एजेंसी

औरंगाबाद । औरंगाबाद में शादी में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शगुन की जगह ब्लड डोनेशन के लिए कहा गया। इसमें दूल्हा-दुल्हन के साथ 70 रिश्तेदारों ने रक्तदान किया। दूल्हा ने 14वीं बार और दुल्हन ने 9वीं बार रक्तदान किया।यह शादी 22 जनवरी को औरगंबाद के के नरसन रोड हसपुरा में हुई। दूल्हे के नाम अनीश और दुल्हन का नाम सिमरन है। दोनों ने अपनी शादी के कार्ड पर रक्तदान के लिए जागरूक करने का मैसेज भी प्रिंट कराया। शादी में शामिल होने वाले मेहमानों से शगुन के रूप में रक्तदान के लिए कहेंगे।अनीश-

सिमरन की शादी पर लगे रक्तदान शिविर में दुल्हन के भाई हिमेश केशरी, बहन सुनीता केशरी, भाभी रेखा केशरी, भईया अभिषेक केशरी सहित अन्य रिश्तेदारों ने ब्लड डोनेट किया। बहन सुनीता केशरी ने रक्तदान कर कहा कि जितनी खुशी मुझे आज हो रही है, पहले कभी नहीं हुई।शादी के मौके पर रक्तदान करने का एहसास मैं कभी भूल नहीं पाऊंगी। भाभी रेखा ने बताया कि मैं गृहणी हूं। जीवन मे पहली बार रक्तदान कर रही हूं। अपनी ननद की शादी में इससे बड़ा गिफ्ट मैं नहीं दे सकती थी, यह एहसास मुझे खुशी दे रहा है कि मेरा खून दूसरे के रगों में मेरे बाद भी रहेगा।'शादी के अवसर पर रक्तदान मैं पहली बार देख रहा हूं'रक्तदान शिविर को संचालित करने आये निरामया ब्लड बैंक पटना के डायरेक्टर डॉ.राकेश रंजन ने बताया कि मैं अब तक सैकडों ब्लड डोनेशन कैंप आयोजित करवा चुका हूं, लेकिन शादी के अवसर पर रक्तदान मैं पहली बार देख रहा हूं।मेरी जानकारी में बिहार ही नहीं भारत में पहला ब्लड डोनेशन कैंप है, जो शादी समारोह के दौरान हो रहा है। ब्लड बैंक के गणेश कुमार भगत और इनकी टीम ने कहा कि 70 लोगों ने रक्तदान किया है।

रास्ते को लेकर दो पक्षों के बीच झड़प

हाजीपुर । वैशाली में सदर थाना क्षेत्र के पानापुर गौराही गांव में दो पाटीदारों के बीच रास्ते को लेकर हिंसक झड़प हो गया। जिसमें दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। दोनों घायल को स्थानीय लोगों ने परिजनों की मदद से इलाज के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर में भर्ती कराया है। घटना को लेकर सदर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच-पड़ताल में जुट गई। दोनों पक्षों की मारपीट का वीडियो भी सामने आया है। जिसके आधार पर आरोपियों की पहचान कर पुलिस कार्रवाई में जुटी है।घायल युवक सदर थाना क्षेत्र के पानापुर गौराही गांव निवासी संजीव प्रसाद राय और विजय राय हैं।

घायल के परिजन रौशन कुमार ने कहा रास्ते के विवाद को लेकर उसके चचेरे भाई ने परिवार पर हमला कर दिया। जिसमें वे सभी लोग घायल हो गए। लाठी-डंडे से लैस होकर सभी घर आए और घर में घुसकर सारे सामान को तहस-नहस कर दिया है।मारपीट में घायल हुए पीड़ित पक्ष ने हाजीपुर नगर थाने में बयान दर्ज कराया गया ।

लासेंसी हथियार के साथ व्यक्ति गिरफ्तार

मोतिहारी । मोतिहारी में एक शादी समारोह में आयोजित ऑर्केस्ट्रा में हथियार लहराने का मामला सामने आया है। मामला हरसिद्धि थाना क्षेत्र के जागापाकड़ गांव का है। इस मामले को लेकर अरेराज एसडीपीओ रंजन कुमार ने आरोपी को गिरफ्तार करते हुए प्रेस कॉन्फ्रेंस किया है। इस दौरान उन्होंने कहा कि हरसिद्धि थाना क्षेत्र के जागापाकड़ गांव में एक शादी समारोह के दौरान आयोजित ऑर्केस्ट्रा में लाइसेंसी हथियार लहराने के आरोप में तीन व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जिसमें वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। हथियार लहराते विडियो आया था सामने वायरल वीडियो का सत्यापन करते हुए हरसिद्धि थानाध्यक्ष रंजय कुमार, अरेराज ओपी थानाध्यक्ष विभा कुमारी गिरफ्तारी में जुट गए।

इस दौरान एक राइफल, 315 बोर का जिंदा 9 गोली एवं एक लाइसेंस बरामद किया गया है। साथ ही हरसिद्धि थाना क्षेत्र के ओलाहां ग्राम निवासी राजन दुबे, संग्रामपुर थाना क्षेत्र के वीरता मठिया के सत्येंद्र गिरी एवं गोविंदगंज थाना क्षेत्र के कौवाहां निवासी संजय कुमार मिश्रा को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार तीनों का मेडिकल जांच किया गया तो सभी में शराब पीने की पुष्टि हुइ । लाइसेंसी राइफल संजय कुमार मिश्रा के नाम पर रजिस्टर्ड था।

बैंक खाते से लाखों उड़ाने वाला गिरफ्तार

एजेंसी

पटना । एटीएम कार्ड जारी कराकर लाखों रुपए उड़ाने वाला आईटी मैनेजर को गिरफ्तार किया गया है। बैंक में आईटी मैनेजर के पद पर कार्यरत आरोपी की पोल खुल गई है। छापेमारी में घर से दो एटीएम कार्ड बरामद हुआ है। पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया है।क्या बोले एसएचओ गांधी मैदान एसएचओ अरुण कुमार ने बताया कि पाटलीपुत्रा को ऑपरेटिव लिमिटेड बैंक में जूनियर आई टी मैनेजर के पद पर कार्यरत उत्तम कुमार के द्वारा बैंक के दर्जनों ग्राहकों के खाते से 65 लाख रुपए उड़ा लिया है। इसके आधार पर पुलिस की जांच में ग्राहकों के पैसे गबन करने का खुलासा हुआ इसके आधार पर बैंक के जूनियर आई टी मैनेजर उत्तम कुमार को पुलिस

गिरफ्तार कर लिया।आरोपी आईटी मैनेजर ने क्या कहा गिरफ्त में आया जूनियर आईटी मैनेजर उत्तम कुमार के अगमकुआं स्थित किराए के मकान से पुलिस दो एटीएम कार्ड को बरामद किया। पूछताछ में आईटी मैनेजर उत्तम कुमार ने खुलासा किया किया कि ग्राहकों का डूप्लीकेट एटीएम कार्ड जारी कराकर ग्राहकों के पैसे निकाल लिए करते थे। और ये सिलसिला एक वर्ष से अधिक से चल रहा था। हालांकि गिरफ्तार आईटी मैनेजर उत्तम कुमार अपनी संलिप्ता स्वीकार कर लिया है।इसके आधार पर पुलिस शातिर उत्तम कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेज कर आगे की करवाई की जा रही है।कई ग्राहकों को लगाया गया चूना दरअसल, इस मामले का उजागर तब हुआ जब एक ग्राहक के खाते से मोटी रकम की निकासी हो गई। ग्राहक इस बात से हैरानी में पड़ गया कि जब एटीएम कार्ड ही नही है तो गया पैसे की निकासी कैसे हो गई। घटना की जानकारी बैंक मैनेजर को मिलते ही जांच शुरू कर दिया। जांच में इस बात का खुलासा हो गया कि ग्राहकों का ए टी एम कार्ड डूप्लीकेट बनवा कर पैसे की निकासी कर लिया करता था।पिछले एक वर्ष से कर रहा था। करीब दर्जनों ग्राहकों के खाते से लाखों रुपए की निकासी की गई है जो 65 लाख से अधिक रुपए की निकासी कर चुका है। हालांकि, पुलिस की जांच अभी भी जारी है और यह पता लगाने में जुटी है कि शातिर आरोपी अकेला है या और कोई शामिल है।ये तो जांच के बाद ही पता चल पाएगा।

अयोध्या धाम से आए प्रसाद का वितरण

संवाददाता

अमरोहा। जनपद अमरोहा के राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय/ संस्थान में रामलाल प्राण प्रतिष्ठा समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में इस समारोह का साक्षी बनाकर वापस लौटे समूह अध्यक्ष डॉ सुधीर गिरी द्वारा वहां से ले गए प्रभु प्रसादका वितरण एवं रामलला की पवित्र रज₹को माथे से तिलक कर पवित्र मस्तक तिलक समारोह₹ का शानदार आयोजन किया गया। वेंकटेश्वरा समूह के अध्यक्ष डॉ गिरी के आधिकारिक प्रतिनिधि एवं विश्वविद्यालय के प्रति कुलाधिपति डॉ राजीव त्यागी के हवाले से इस यादगार ऐतिहासिक समारोह के अपने सुखद अनुभवों को साझा करते हुए डॉ गिरी ने बताया कि इस ऐतिहासिक अवसर पर उन्हें महाभारत में कृष्ण बने श्री नितीश भारद्वाज, रामायण के राम अरुण गोविल का शानदार सानिध्य समेत जगतगुरु रामभद्राचार्य, आचार्य बालकृष्ण, स्वामी रामदेव, रामलला ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष श्री गोविंद गिरी महाराज समेत देश एवं दुनिया के महान साधु संतों एवं धर्म गुरुओं का आशीर्वाद प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि यह मेरे जीवन का सबसे अविस्मरणीय ऐतिहासिक पल है, जिसका मुझे साक्षी बनाने के लिए मैं पूरे वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय परिवार की ओर से राम मंदिर ट्रस्ट/ न्यास, आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी एवं प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री आदरणीय योगी आदित्यनाथ जी एवं मेरे परमगुरु जगतगुरु रामभद्राचार्य जी का दिल की गहराइयों से आभार व्यक्त करता हूं।श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय/ संस्थान के डॉ सी वी रमन सभागार में अयोध्या धाम से आए ₹रामलला प्रसाद वितरण एवं रामलला परिसर की पवित्र राज के मस्तक तिलक समारोह₹ में समारोह का शुभारंभ समूह अध्यक्ष डॉ सुधीर गिरी, प्रतिकूलाधिपति डॉ राजीव त्यागी, प्रधान सलाहकार डॉ वी पी एस अरोड़ा, सीईओ अजय श्रीवास्तव, कुलपति डॉ राकेश यादव आदि ने प्रभु राम के चित्र पर पुष्प अर्पित करके एवं उन्हें भोग लगाकर किया।

इसके बाद विश्वविद्यालय प्रबंधन/ प्रशासन के सभी सदस्यों, शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं ने अयोध्या धाम से आए प्रसाद प्रसाद ग्रहण कर जय श्री राम के नारों के साथ पूरे संस्थान परिसर को गुंजायमान कर दिया। इसके साथ ही वहां से कलश में आई पवित्र प्रभु चरणों की रज को अपने मस्तक पर लगाकर पवित्र मस्तक तिलक समारोह को बहुत ही यादगार बना दिया।₹अयोध्या धाम से आए प्रसाद वितरण एवं प्रभु चरण मस्तक तिलक अभिनंदन समारोह में कुलसचिव डॉ पीयूष पांडे, सलाहकार श्री आर एस शर्मा, डॉ राजेश सिंह, डॉ दिव्या गिरधर, डॉ एस एन साहू, अरुण गोस्वामी, डॉ लक्ष्मण सिंह रावत, डॉ योगेश्वर शर्मा, डॉ विवेक सचान, डॉ अश्वनी कुमार सक्सेना, मेरठ परिसर से डॉ प्रताप सिंह, मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे।

पर्यावरण संरक्षण का संकल्प ले वृद्धाश्रम में किया पौधरोपण

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नयी दिशा पर्यावरण सेवा संस्थान द्वारा पर्यावरण संरक्षण हेतु चलाये जा रहे पौधरोपण संग जन्मोत्सव अभियान के क्रम में लाडली अरुणिमा ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेकर पौधरोपण किया व वृद्धजनों का आशीर्वाद लिया।मंगलवार को कसया नगर स्थित वृद्धाश्रम में लाडली ने अपनी माता सोनिया त्रिपाठी, पिता मिथिलेश्वर नाथ त्रिपाठी, सुधीर तिवारी, प्रमिला तिवारी के साथ पौधरोपण किया और कहा कि सुंदर वातावरण के लिए पौधे लगाओ, पुण्य कमाओ। इस दौरान आश्रम की प्रबंधक रागिनी सिंह रज्जू, विकास श्रीवास्तव, रमा प्रजापति, मनोज पांडेय, मधुलिका पूजा, कृष्ण कुमार मिश्र, नयी दिशा सचिव डॉ0 हरिओम मिश्र आदि उपस्थित रहे।

द आर्यन स्कूल में बजाज अमरोहा इंडियन्स गर्ल्स की जीत के साथ क्रिकेट टूनार्मेंट की शुरूआत

संवाददाता

अमरोहा। जनपद अमरोहा के कस्बा जोया में स्थित द आर्यन क्रिकेट अकादमी जोया मे आज से शुरू हुआ लेट सत्यवती जी मेमोरियल गर्ल्स क्रिकेट टूनार्मेंट का आज उद्घाटन मैच खेला गया जो की बजाज अमरोहा इंडियन्स गर्ल्स और गॉड ब्लेश जोया गर्ल्स के बीच खेला गया। जिसमे बजाज अमरोहा गर्ल्स की रोमांचक जीत हुई। बजाज अमरोहा इंडियन्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 29.5 ओवरों मे सभी विकेट खोकर 147 रन का विशाल लक्ष्य दिया। इनकी तरफ से रेखा ने सर्वाधिक 48 और शुभ चौधरी ने 31 रन बनाए और गॉड ब्लेश की तरफ से नेहा कश्यप ने शानदार बॉलिंग करते हुए 6 ओवरों में 33 रन देकर 5 विकेट और रिशिका यादव ने 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी गॉड ब्लेश जोया 130 रन ही बना पायी और 17 रनों से हार का सामना करना पड़ा इनकी तरफ से रुपाक्षि ने 42 और इशिका ने 32 रनों का योगदान दिया। बजाज अमरोहा की तरफ से कैप्टन ईशा ने 2 विकेट तथा शुभ और गोल्डी ने 1-1 विकेट लिया। इस मैच के प्लेयर ऑफ द मैच नेहा कश्यप की चुना गया।

द आर्यन स्कूल के चेयरमैन अनिल लिट् जी ने बताया की वो लड़को के क्रिकेट के साथ- साथ लड़कियो के खेल की प्रतिभा को निखारा जाएगा जिससे उनके आत्मविश्ववास को बड़ावा मिलेगा और अमरोहा डिस्ट्रिक्ट के कंवेंनर अमन लिट् जी और कोच चमन सिंह जी ने बताया की अमरोहा डिस्ट्रिक्ट के सभी खिलाड़ियों को पूर्ण रूप से सपोर्ट किया जाएगा और बेहतरीन मार्गदर्शन दिया जाएगा।

सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई

संवाददाता

अमरोहा। जनपद अमरोहा के ब्लॉक गंगेश्वरी छेत्र के प्राथमिक विद्यालय गुलामपुर में₹तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा₹ का नारा देने वाले नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती बड़े ही धूमधाम के साथ मनाई गई।

उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ गंगेश्वरी के ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी सन 1897 को उड़ीसा के कटक में हुआ था। उनकी माता का नाम प्रभावती एवं पिताजी का नाम जानकीनाथ था। बंगाली परिवार में जन्मे वह अपने माता-पिता की नौवीं संतान थे। उनके पिता जानकीनाथ कटक के जाने-माने वकील थे। नेताजी सुभाष चंद्र बोस देश के महान स्वतंत्रता संग्रामी थे।उन्होंने देश को अंग्रेजों से आजाद करने के लिए बहुत कठिन प्रयास किया और उड़ीसा के बंगाली परिवार में जन्मे नेताजी सुभाष चंद्र बोस एक संपन्न परिवार से थे लेकिन उन्हें अपने देश से बहुत प्यार था। उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी देश के नाम कर दी। उन्होंने नौजवानों से आह्वान करते हुए कहा कि तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा। नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्वामी विवेकानंद जी को अपना गुरु मानते थे। उन्हें शुरू से ही अपने देश से प्रेम था।

इस अवसर पर संकुल शिक्षक संजय सिंह, सहायक अध्यापक अमित कुमार, अजय सागर, मनीष कुमार, योगेश कुमार, करनपाल, राशिद अली, संतराम सिंह,सत्येंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

अचानक बढ़ गया बंदरों का आतंक

अमरोहा । शहर से लेकर गांव तक बंदरों का आतंक बढ़ता जा रहा है। यही हालत तासिया गांव के हैं। यहां दो महीने में 18 लोगों को खूंखार बंदरों ने काट कर घायल कर दिया है। घायलों में अधिकांश महिलाएं शामिल हैं। ग्रामीणों ने बंदरों को पकड़वाने की मांग की है। तासिया गांव रजबपुर थानाक्षेत्र के गांव हैं।ग्रामीणों के मुताबिक गांव में खूंखार बंदरों का आतंक बढ़ गया है। रविवार शाम गांव निवासी 55 वर्षीय भगवानदास किसी काम से छत पर गए थे। तभी उन पर बंदरों के झुंड ने हमला कर दिया। उन्हें कई जगह काटा। इस दौरान वह गिरकर घायल भी हो गए। ाद में परिजनों ने बंदरों को भगाया। इससे पहले बंदर इंद्र सिंह, जसवीर सिंह, अनामिका, दुर्गेश, जयवती, प्रकाश,हैं ।देवी, संतपाल सिंह, गुरमीत सिंह, मुन्नू, यशपाल सिंह, सुनीता, मोहित, सरिता को हमला कर घायल कर चुके हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बंदर खूंखार हो रहे हैं। लेकिन, इन्हें पकड़ने के लिए कोई पहल नहीं हो रही है।

बी.एस.डी एकेडमी में धूमधाम के साथ मनाई गई सुभाष चंद्र बोस की जयंती

संवाददाता

अमरोहा। जनपद अमरोहा के धनोरा में स्थित बी.एस. डी एकेडमी सैनिक स्कूल में सुभाष चंद्र बोस की 127वीं जयंती बहुत ही धूमधाम के साथ मनाई गई। इस अवसर पर अकादमी के प्रबंधक नितिन धारीवाल ने सुभाष चंद्र बोस जी की चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद सभी ने उन्हें श्रद्धा भाव से श्रद्धांजलि देकर नमन किया।

इस दौरान अकादमी के प्रबंधक नितिन धारीवाल ने नेता सुभाष चंद्र बोस के जीवन परिचय पर प्रकाश डालते हुए कहा है कि सुभाष चंद्र बोस जयंती प्रत्येक वर्ष 23 जनवरी को प्रसिद्ध भारतीय राष्ट्रवादी नेता की जयंती के रूप में मनाई जाती है। इस दिन द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान भारतीय राष्ट्रीय सेना के गठन सहित देश के स्वतंत्रता संग्राम में उनके महत्वपूर्ण योगदान को श्रद्धांजलि दी जाती है। प्रमुख भारतीय राष्ट्रवादी नेता और स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस के जन्म दिवस के दिन उनकी जयंती उनके सम्मान में मनाई जाती है। इस दिन ब्रिटिश

औपनिवेशिक शासन के खिलाफ भारत की आजादी के संघर्ष में उनके अथक प्रयासों और योगदान को याद किया जाता है। बोस ने भारतीय राष्ट्रवादी आंदोलन को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान भारतीय राष्ट्रीय सेना (आईएनए) की थी। यह भारत को विदेशी शासन से मुक्त कराने की उनकी इच्छा और शक्ति को दशार्ता है। इस दिन भारत की आजादी की लड़ाई में एक देशभक्त और प्रेरणादायक नेता के रूप में बोस के योगदान को याद करने और जश्न मनाने का दिन है।

सुभाष चन्द्र बोस जयंती पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित

संवाददाता

धामपुर । आरएसएम कॉलेज धामपुर बिजनौर में राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्र एवं छात्रा इकाई द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई गई। जिसका संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना छात्र इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ रवि धनकड़ और अध्यक्षता प्राचार्य प्रो राजेश सिंह चौहान ने की। आरएसएम कॉलेज धामपुर में आयोजित सुभाष चंद्र बोस जयंती के अवसर पर अपने संबोधन में प्राचार्य प्रोफेसर राजेश सिंह चौहान ने कहा कि ।सुभाष चंद्र बोस ने किन परिस्थितियों में जय हिंद और तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा जैसे नारों से आजादी के आंदोलन की एक नई अलख जगाई जो आज भी महत्वपूर्ण, अविस्मरणीय, अभूतपूर्व और मौलिक है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता अमित कुमार सिंह राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष ने अपने संबोधन में सुभाष चंद्र बोस से नेतृत्व, ज्ञान, प्रबंधन जैसे गुण सीखने की बात कही। कार्यक्रम के दौरान एक भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें प्रथम स्थान विनीत कुमार बीएड प्रथम वर्ष , द्वितीय स्थान मधु रानी एमए प्रथम सेमेस्टर और तृतीय स्थान युसरा काफील प्रथम वर्ष ने प्राप्त किया। निर्णायक मंडल में कृषि प्रसार के डॉ कौशिक प्रसाद, राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ सुमेधा चौहान, बीएड विभाग से डॉ धनीराम ने अपना योगदान दिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रो अलका राय, प्रो रमाकांत, डॉ ओ पी मौर्य, डॉ राजेश कुमार, डॉ अनिल यादव, डॉ विनय दुवा, अनु, सुमेश नाज, कामिनी चौहान, इन्दु सोलंकी आदि शिक्षकगण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त डायरी

चित्रकला प्रतियोगिता में 70 छात्रों ने लिया भाग

संवाददाता

कसया, कुशीनगर।भारत पेट्रोलियम एविएशन सेंटर कुशीनगर एयरपोर्ट की तरफ से प्राथमिक विद्यालय नरकटिया खुर्द परिसर में मंगलवार को चित्रकला प्रतियोगिता कराई गई। प्रतियोगिता में विद्यालय के 70 छात्रों ने प्रतिभाग किया। इसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।बीपीसीएल कुशीनगर एएफएस संस्था के प्रबंधक साहिल शमीम ने कंहा कि पर्यावरण को प्रदूषण से बचाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को कार्य करना होगा। इसके लिए लोगों में जागरूकता लानी होगी। उन्होंने कहा कि संस्था की तरफ से प्रतियोगिता के अलावा अन्य कई कार्यक्रम कर लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया जा रहा है। साथ ही स्वच्छता के बारे में छात्रों और लोगों को जागरूक किया जाता है।

इसके बाद उन्होंने चित्रकला प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सफीक, नंदनी, समीर, अर्चना, जिनफ, सबीना, अमृता , सिधांश आदि को पुरस्कृत किया गया। इस दौरान विद्यालय के प्रधानाध्यापक कृष्णमोहन, बृजेश कुमार, माया चौरसिया, कुशुम देवी, मरियम खातून, दुर्गेश, आशीष, अयान आदि मौजूद रहे।

नेता जी सुबाष चन्द बोष जयंती पर राष्ट्र एकता की ली गयी शपथ

संवाददाता

कसया, कुशीनगर।नगरपालिका परिषद कुशीनगर क्षेत्र के केश्वर इंटर कालेज बनवारी टोला परिसर में नेता जी सुबाष चन्द्र बोष की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर बच्चों ने राष्ट्र की एकता व अखंडता की शपथ ली। मंगलवार को विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानचार्य पुरन्दर प्रताप यादव सहित शिक्षकों व बच्चों ने नेता जी के चित्र पर पुष्पार्चन कर उन्हें नमन किया। प्रधानाचार्य श्री यादव ने कहा कि नेता जी ने देश को आजाद कराने के लिए सभी सुखों का त्याग कर दिया और भारत माता को आजाद कराने के लिए आजाद हिंद फौज की स्थापना की और नारा दिया। तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हे आजादी दूंगा। वह भारत माता के सच्चे सपूत थे। उनके बताए मार्ग पर चलकर सुखी, सम्पन्न भारत का निर्माण होगा। इस मौके पर खेल, कूद का आयोजन हुआ। विद्यालय के प्रभारी देवेंद्र प्रताप यादव ने छात्र - छत्राओं को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर कन्हैया वर्मा, जगतराज कुमार चौहान, अमरजीत यादव, शेषनाथ यादव, कमलेश भारती, गिरिधर गोपाल, अम्बालिका यादव, मोनिका प्रसाद, शशिमा पटेल, मुन्नी देवी सहित छात्र - छत्राएँ मौजूद रहीं।

विद्यालय खुलते ही बच्चो के खिले चेहरे

संवाददाता

कुशीनगर। ठंड की वजह से बन्द रहे स्कूल आज मंगलवार को सरकारी आदेश के मुताबिक खुल गए और विद्यालयों में बच्चों के चेहरे खिल उठे।कसया तहसील के अंतर्गत एक्सिलेंस चिल्ड्रेन एकेडेमी धुरिया के बच्चों ने 26 जनवरी गणतंत्र दिवस पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम व झांकी की तैयारी शुरू कर दी है ' सभी बच्चों के चेहरे खिले हुए व प्रसन्नचित्त नजर आए, यह कार्यक्रम करने का निर्देश विद्यालय संरक्षक एडवोकेट गौरव कुमार राय के दी हैं, इसमें अध्यापक राजन सिंह ने बताया कि स्वामी दयानन्द सरस्वती डिग्री कॉलेज के अध्यक्ष डॉ.ध्रुव राय के द्वारा हरी झंडी दिखाकर गणतंत्र दिवस की जुलूस यात्रा रवाना की जाएगी। यह यात्रा विद्यालय से निकलकर गुरुमिया गोपाल टोला, बनवारी टोला,माफी टोला, अक्षयबर टोला, सीताराम टोला, सिसई, कुड़वा उर्फ दिलीपनगर होते हुए धुरिया नौका टोला,बेलवा से पुनः विद्यालय में समापन किया जाएगा ' इस शुभ अवसर पर शशिबाला गौतम, मनीषा सिंह, पूजा गुप्ता, सीमा कुशवाहा, रिद्धि राय, रामअवध प्रसाद,अमरजीत, के साथ मिश्रा जी मौजूद रहे '

वर्ड एजुकेशन डेः एक आदर्श शिक्षा व्यवस्था कैसी होनी चाहिएः श्री श्री रविशंकर

संवाददाता

कुशीनगर। वर्ड एजुकेशन डे के अवसर पर जनपद में आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रवि शंकर की संस्था आर्ट ऑफ लिविंग द्वारा संचालित श्री श्री विद्या मन्दिरों में शिक्षकों व बच्चों ने श्री श्री के बचनों को सुना और उसे जीवन मे उतारने का संकल्प लिया।आर्ट ऑफ लिविंग कुशीनगर केजिला कोआर्डिनेटर राजेश अग्रवाल ने गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर के उद्बोधन पर प्रकाश डाला। कि क्या बच्चों के बड़े होने के बाद भी उनकी सरलता और भोलापन बनाए रखने का कोई तरीका है? यदि हम ऐसा कर सकें, तो हमने वास्तव में कुछ अद्भुत प्राप्त कर लिया होगा, क्योंकि भोलापन सुंदर है। हम अपनी शिक्षा प्रणाली में करुणा, देखभाल और बांटने के मानवीय मूल्यों को कैसे बनाए रख सकते हैं? हम यह कैसे सुनिश्चित कर सकते हैं कि शिक्षा बच्चे के अंतर्निहित गुणों का पोषण करे और प्रत्येक बच्चा प्रतिस्पर्धी वातावरण में भी मित्रतापूर्ण रहे और साझा करना सीखे? क्या शिक्षा केवल अच्छे अंक प्राप्त करना है ताकि बाद में अच्छी नौकरी पाई जा सके? या फिर यह समग्र रूप से समाज की दीर्घकालिक समृद्धि की नींव रखने के विषय में है? ₹देने₹ की बुनियादी मानवीय प्रवृत्ति उस शिक्षा की खोज में कहीं खो गई है जिसका दृष्टिकोण संकीर्ण है और स्वार्थ और लालच को बढ़ावा देता है। शिक्षण के पुराने और अप्रचलित तरीकों में सुधार की आवश्यकता है। शिक्षा को न केवल छात्रों में विज्ञान के प्रति रुचि पैदा करनी चाहिए बल्कि आज के विविध सांस्कृतिक प्रभावों को भी

प्रतिबिंबित करना चाहिए। शिक्षा की एक अच्छी प्रणाली से बच्चों में आत्म-सम्मान और रचनात्मकता पैदा होनी चाहिए। इसे एक स्वतंत्र, जुनून-मुक्त, क्रोध-मुक्त और शांत दिमाग का पोषण करने में सहायता करनी चाहिए। ऐसी सर्वांगीण शिक्षा प्रणाली, युवा मन में कट्टरता की भावना को भी नियंत्रित कर सकती है। शिक्षा के हितधारकों को एक ऐसी शिक्षा प्रणाली पर विचार करना चाहिए जो मानवीय मूल्यों को बनाए रखे और जीवन के विभिन्न पहलुओं को संबोधित करे। शिक्षक एक बच्चे की शिक्षा के लिए सबसे महत्वपूर्ण संसाधन हैं। शिक्षकों और स्थानीय अधिकारियों को एक कक्षा कक्ष प्रणाली बनाने के लिए हाथ मिलाना चाहिए जिसमें एक बच्चा न केवल जानकारी को आत्मसात करे बल्कि सजगता को भी बढ़ावा दे। सजगता बढ़ाना सीखता हैः शिक्षा सुधार में नवीन रणनीतियाँ शामिल होनी चाहिए जो शिक्षकों को छात्रों के परिणामों में सुधार करने और उनके विकास को बढ़ावा देने के लिए सशक्त बनायें। आज, मीडिया, इंटरनेट, फिल्में और वीडियो गेम बच्चों पर सूचनाओं की बौछार कर रहे हैं। सूचनाओं का भार, मस्तिष्क की जानकारी को पचाने और विश्लेषण करने की क्षमता को प्रभावित करता है और प्रायः इसके परिणामस्वरूप ध्यान की कमी जैसे विकार पैदा हो जाते हैं। शिक्षण के रचनात्मक तरीके इन मुद्दों से निपटने में सहायता कर सकते हैं और बच्चों को एक स्वस्थ व्यक्तित्व प्रदान करने में सहायता कर सकते हैं। बच्चों को बौद्धिक रूप से तीक्ष्ण करने के अलावा, शिक्षा प्रणालियों में बच्चों की सीखने की प्रक्रिया के अंश के रूप में खेल जैसी शारीरिक गतिविधियों के साथ-साथ ध्यान, योग और प्राणायाम जैसी प्राचीन तकनीकें भी शामिल होनी चाहिए जो उन्हें अपनी भावनाओं को प्रबंधित करना सिखाएंगी। सच्ची शिक्षा का अर्थ अध्ययन के एक निश्चित पाठ्यक्रम को आगे बढ़ाने से कहीं अधिक है। शिक्षा का कार्य व्यक्ति को आलोचनात्मक ढंग से सोचना सिखाना है जहाँ बुद्धिमत्ता चरित्र के साथ आती है। इसलिए यदि कोई अच्छी शिक्षा प्राप्त करता है और फिर दूसरों को नीची दृष्टि से देखना शुरू कर देता है या सिर्फ अपने लिए धन बनाने में लग जाता है, तो ऐसी शिक्षा का कोई लाभ नहीं है। एक सुशिक्षित व्यक्ति वह है जो मिलनसार और दयालु है, और निस्वार्थ कार्य करने में सक्षम है। संपूर्ण शिक्षा वह है जो व्यक्ति को पूरी दुनिया को सुरक्षित तथा खुशहाल स्थान बनाने में एक वैश्विक नागरिक की भूमिका निभाने के लिए सशक्त बनाती है।इस दौरान श्री श्री ज्ञान मंदिर स्कूल, अनिरुध्दवा, शामपूर, हतवा, सिसवा - महन्थ, हतवा, परसौनी, कुशीनगर से प्रबन्धक गण प्रभु नाथ सिंह, आमोद सिंह, हरेन्द्र यादव, सुरेंद्र मिश्रा, प्रदीप मिश्रा, मंगेश चंद्र, अनीता, सुनीता, सरिता यादव मौजूद रहे।

रामलला विराजमान

आज सनातनी आस्था के संसार में बहुप्रतीक्षित प्रकाश है। 22 जनवरी, 2024 या पौष मास, शुक्ल पक्ष, द्वादशी तिथि, अभिजीत मुहूर्त के विशेष 84 सेकंड सदा के लिए भारतीय इतिहास में दर्ज हो गए हैं। सोमवार को अयोध्या के नवनिर्मित राम मंदिर में नई राम प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरे उत्साह से कहा है कि रामलला अब तंबू में नहीं रहेंगे। उन्होंने भाव विभोर होकर कहा है कि हमारे राम आ गए हैं। दुनिया देख रही है, सनातन बहुल देश के प्रधानमंत्री ने राष्ट्र के एक प्रिय आराध्य से क्षमता मांगते हुए कह रहे हैं कि हमारे प्रयास, त्याग और तपस्या में कुछ कमी रही होगी, तभी तो हम इतनी सदियों तक यह काम नहीं कर पाए। प्रधानमंत्री के उद्गार को सहज ही समझा जा सकता है, जिन लोगों को राम मंदिर आंदोलन पूरा याद है, उनके लिए यह निर्णायक और बहुत प्रभावी मोड़ है। कोई आश्चर्य नहीं, देश की अनेक विभूतियां साक्षी बनने के लिए आमंत्रण मिलते ही दौड़ी चली आईं। पूरे देश में अनगिनत घरों और वाहनों पर लहराते राम ध्वज ने परिवेश को अयोध्यामय बना दिया है। निस्संदेह, इस प्राण-प्रतिष्ठा ने करीब पांच सदी से उदास-उनींदी सी अयोध्या के चप्पे-चप्पे को जगा दिया है। देश भर में तरह-तरह के आयोजनों और दीप सज्जा ने दूसरी दीपावली का एहसास पैदा कर दिया है। लोग अपने-अपने ढंग से दुनिया भर में आनंद मना रहे हैं। प्रधानमंत्री ने उचित ही संकेत किया है कि 22 जनवरी, 2024 कैलेंडर पर लिखी तारीख भर नहीं है, यह एक नए समय-चक्र की उत्पत्ति है। मतलब, राम मंदिर के बाद यह स्वतंत्र भारत की एक नई यात्रा है। मई 1951 में जब सोमनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार हुआ था, तब उसे लेकर उच्च स्तर पर आम-सहमति नहीं थी, पर अब इक्का-दुक्का विरोध के अलावा सभी पक्ष सहमत हैं कि राम मंदिर बनना चाहिए। प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम में मुस्लिमों व अन्य धर्मों के लोगों की भी हिस्सेदारी रही है। धीरे-धीरे न्यायालय में बनी सहमति की विशेष भूमिका है, जिसे हमेशा याद किया जाएगा, वरना इसी दुनिया में मजहब या विचारधारा के नाम पर अनेक मौकों पर हमने एकतरफा मनमानियों को कहर ढाते देखा है। सदियों की प्रतीक्षा के बाद रामलला जब अपने भव्य भवन में विराजमान हो गए हैं, तब अनायास गोस्वामी तुलसीदास के राजा राम की याद आ रही है, जिन्होंने राजा रूप में अपने पहले ही संबोधन में कहा था, परहित सरिस धर्म नहिं भाई। पर पीड़ा सम नहिं अधमाई। अर्थात, दूसरों की भलाई के समान कोई धर्म नहीं है और दूसरों को दुख पहुंचाने के समान कोई नीचता या पाप नहीं है। इस देश में महात्मा गांधी ने भी राम राज्य का सपना देखा था, क्या उसे साकार करने की दिशा में हम बढ़ चलेंगे? लोकतंत्र, न्याय, तार्किकता, शास्त्रार्थ को अपने स्वभाव में सहेजने वाले इस देश में इस प्रश्न को पीछे नहीं धकेलना चाहिए। इस मंदिर-निर्माण का प्रभाव जनमानस पर अवश्य पड़ना चाहिए। सनातन समाज का उत्साह बढ़ा है, तो सकारात्मकता का भी विस्तार होना चाहिए। सनद रहे, पौराणिक नगरी अयोध्या की रौनक वस्तुतः राम की नीतियों के कारण है, जिन्होंने कहा था, जौं अनीति कछु भाषौं भाई। तौ मोहि बरजहु भय बिसराई। अर्थात, यदि मैं कुछ अनिति की बात कहूं, तो भय भुलाकर मुझे रोक देना। भारत में इतनी विविधता और चुनौतियों के बावजूद लोकतंत्र है, तो इसकी नींव में राम भाव भी है और यह राम भाव को संजोने का समय है।

मयार्दा का मंदिर

अयोध्या के नवनिर्मित मंदिर में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा को एक ऐसी घटना के तौर पर देखा जा रहा है, जो आने वाले लंबे समय तक इस दौर के भारत को परिभाषित करेगी। बहुत से लोगों के लिए यह उनके पुराने और शायद जीवन के सबसे बड़े सपने का पूरा हो जाना है। पिछले कई दशक से सड़कों और गलियों में इस क्षण के लिए राम की कसम खाने वालों को आज खुशी भी मिलेगी और संतोष भी होगा। लेकिन एक राष्ट्र के तौर पर हमने इस उपलब्धि को जिस तरह से हासिल किया है, वह शायद आने वाली कई सदियों तक एक मिसाल बनकर दुनिया को रास्ता दिखाता रहेगा। तीन, साढे. तीन दशक पहले तक अयोध्या को लेकर जो तूफान चल रहा था, वह बहुत सारे लोगों को चिंता में डालता था। कई आंधियां थीं, जिनको लेकर डर लगता था कि ये आपस में टकराएंगी, तो क्या होगा? कुछ छोटे-मोटे टकराव दिखे भी। लेकिन अंत में सभी ने समझदारी का दामन थाम लिया। यह तय हुआ कि अदालत में जो फैसला होगा, उसे सभी मान लेंगे। और ऐसा स्वीकार करने वालों में वे लोग भी शामिल थे, जो कुछ ही समय पहले तक यह कह रहे थे कि आस्था का सवाल कानून और अदालतों से तय नहीं होता। भारतीय अदालतों के बारे में यह माना जाता है कि वे किसी के भी धैर्य की कड़ी परीक्षा लेती हैं। इस बार धैर्य की यह परीक्षा देने वालों में वे लोग भी थे, जो कुछ समय पहले तक ही कुछ भी कर गुजरने की ठाने हुए थे। जाहिर है, अदालत के लिए भी यह मामला आसान नहीं था, आस्था के सवालों, तथ्यों, साक्ष्यों और दलीलों के बीच उसे एक ऐसे फैसले पर पहुंचना, जो सभी पक्षों को स्वीकार्य हो जाए। पहले इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने और फिर देश के सवोच्च न्यायालय ने इस काम को जिस तरह से किया, वह अपने आप में एक शानदार उदाहरण है। इसलिए आज जब अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा हो रही है, तब एक यह बहुत बड़ा संतोष भी हमारे साथ है कि मयार्दा पुरुषोत्तम राम के मंदिर-निर्माण में एक राष्ट्र के तौर पर और एक समाज के रूप में हमने किसी मयार्दा को ताक पर नहीं रखा। आज जो मंदिर देशवासियों को मिल रहा है, उसकी नींव में जो सबसे मजबूत चीज है, वह है इस देश के लोगों की एक आम सहमति। निस्संदेह, विभिन्न राजनीतिक कारणों से कुछ सियासी दलों ने खुद को प्राण-प्रतिष्ठा के कार्यक्रम से अलग रखा है, लेकिन पूरी प्रक्रिया से और मंदिर-निर्माण से उनका कभी कोई विरोध नहीं रहा।

Social Media Corner

सच के हक में...

सूर्यवंशी भगवान श्री राम के आलोक से विश्व के सभी भक्तगण सदैव ऊर्जा प्राप्त करते हैं। आज अयोध्या में प्राण-प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर मेरा ये संकल्प और प्रशस्त हुआ कि भारतवासियों के घर की छत पर उनका अपना सोलर रूफ टॉप सिस्टम हो। अयोध्या से लौटने के बाद मैंने पहला निर्णय लिया है कि हमारी सरकार 1 करोड़ घरों पर रूफटॉप सोलर लगाने के लक्ष्य के साथ 'प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना' प्रारंभ करेगी। इससे गरीब और मध्यम वर्ग का बिजली बिल तो कम होगा ही, साथ ही भारत ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भी बनेगा।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

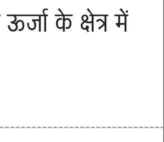

आज धरती आबा भगवान बिरसा मुण्डा की पावन भूमि खूँटी (तोरपा) में अबुआ आवास योजना अंतर्गत कार्यक्रम में लाभुकों को स्वीकृति पत्र वितरण करने का सौभाग्य मिला।
हमारी सरकार राज्य के लाखों जरुरतमंद लोगों को अबुआ आवास देने हेतु कटिबद्ध है।
आज इस ऐतिहासिक अवसर पर सभी को अनेक-अनेक बधाई, शुभकामनाएँ और जोहार।

(मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

बालिकाओं की सुरक्षा के हों गम्भीर प्रयास

ANALYSIS

रमेश सर्राफ धमोरा

24 जनवरी 1966 को पहली बार बतौर प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपना कार्यभार संभाला था। उस दिन की याद में राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाने लगा। राष्ट्रीय बालिका दिवस 2024 का विषय है आइए हम अपनी लड़कियों को मजबूत, स्वतंत्र और निडर बनाएं। भारत में आज हर क्षेत्र में बालिकाओं के आगे बढ़ने के बावजूद भी वह अनेक कुरीतियों की शिकार हैं। ये कुरीतियों उसके आगे बढ़ने में बाधाएं उत्पन्न करती हैं। पढ़े-लिखे लोग और जागरूक समाज भी इस समस्या से अछूता नहीं है। आज हजारों लड़कियों को जन्म लेने से पहले ही मार दिया जाता है। आज भी समाज के अनेक घरों में बेटा, बेटी में भेद किया जाता है। बेटियों को बेटों की तरह अच्छा खाना और अच्छी शिक्षा नहीं दी जाती है। समाज में आज भी बेटियों को बोझ समझा जाता है। हमारे यहां आज भी बेटी पैदा होते ही उसकी परवरिश से ज्यादा उसकी शादी की चिन्ता होने लगती है। आज महंगी होती शादियों के कारण बेटी का बाप हर समय इस बात को लेकर चिंतित नजर आता है कि उसकी बेटी की शादी की व्यवस्था कैसे होगी। समाज में व्याप्त इसी सोच के चलते कन्या भ्रूण हत्या पर रोक नहीं लग पायी है।

लड़कियों को सशक्त बनाने और समाज में उनके सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के महत्व को उजागर करने के लिए भारत में हर साल 24 जनवरी को राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। यह लड़कियों के अधिकारों और अवसरों को बढ़ावा देते हुए उनकी ताकत और क्षमता का जश्न मनाने का दिन है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा 2008 में पहली बार राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाना शुरू किया गया था। देश में लड़कियों द्वारा सामना की जाने वाली सभी असमानताओं के बारे में लोगों के बीच जागरुकता फैलाना व बालिकाओं के अधिकारों के बारे में जागरुकता को बढ़ावा देना इसको मनाने का मुख्य उदेश्य है। 24 जनवरी 1966 को पहली बार बतौर प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपना कार्यभार संभाला था। उस दिन की याद में राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाने लगा। राष्ट्रीय बालिका दिवस 2024 का विषय है आइए हम अपनी लड़कियों को मजबूत, स्वतंत्र और निडर बनाएं। भारत में आज हर क्षेत्र में बालिकाओं के आगे बढ़ने के बावजूद भी वह अनेक कुरीतियों की शिकार हैं। ये कुरीतियों उसके आगे बढ़ने में बाधाएं उत्पन्न करती हैं। पढ़े-लिखे लोग और जागरूक समाज भी इस समस्या से अछूता नहीं है। आज हजारों लड़कियों को जन्म लेने से पहले ही मार दिया जाता है। आज भी समाज के अनेक घरों में बेटा, बेटी में भेद किया जाता है। बेटियों को बेटों की तरह अच्छा खाना और अच्छी शिक्षा नहीं दी जाती है। समाज में आज भी बेटियों को बोझ समझा जाता है। हमारे यहां आज भी बेटी पैदा होते ही उसकी परवरिश से ज्यादा उसकी शादी की चिन्ता होने लगती है। आज महंगी होती शादियों के कारण बेटी का बाप हर समय इस बात को लेकर

चिंतित नजर आता है कि उसकी बेटी की शादी की व्यवस्था कैसे होगी। समाज में व्याप्त इसी सोच के चलते कन्या भ्रूण हत्या पर रोक नहीं लग पायी है। कोख में कन्याओं को मार देने के कारण समाज में आज लड़कियों की काफी कमी हो गयी है। देश में यह बड़ी विडंबना है कि हम बालिका का पूजन तो करते हैं, लेकिन जब हमारे खुद के घर बालिका जन्म लेती है तो हम दुखी हो जाते हैं। देश में सभी जगह ऐसा देखा जा सकता है। देश के कई प्रदेशों में तो बालिकाओं के जन्म को अभिशाप तक माना जाता है। लेकिन बालिकाओं को अभिशाप मानने वाले लोग यह क्यों भूल जाते हैं कि वह उस देश के नागरिक हैं, जहां रानी लक्ष्मीबाई जैसी वीरांगनाओं ने देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे।पिछले कुछ वर्षों में देश में जन्म के समय लिंगानुपात में बढ़ोतरी होना शुभ संकेत हैं। संसद में एक सवाल का जवाब में महिला एवं बाल विकास मंत्री ने कहा था कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना ने बालिकाओं के अधिकारों को स्वीकार करने के लिए जनता की मानसिकता को बदलने की दिशा में सामूहिक चेतना जगाई है। इस योजना ने भारत में सीएसआर (बाल लिंग अनुपात) में गिरावट के मुद्दे पर चिंता जताई है। यह राष्ट्रीय स्तर पर जन्म के समय लिंग अनुपात (एसआरबी) में 15 अंकों के सुधार के रूप में परिलक्षित होता है, जो कि 2014 में 918 था। जबकि 2022-23 में 15 अंक बढ़कर 933 हो गया। देखा जाए तो अगर समाज में बेटियों को भी उचित शिक्षा और सम्मान मिले तो वह किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं रहेंगी। इसलिए यदि यह कहा जाय की बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना नही हम सबकी एक जिम्मेदारी है। तो इसमें कोई गलत नही है। यदि हम सभी एक अच्छे समाज का निर्माण करना चाहते है तो हम सबका यही फर्ज बनता है हम इन बेटियों को भी भयमुक्त वातावरण में पढ़ाएं। उन्हें इतना सशक्त बनाएं कि खुद गर्व से कह सकें की देखो वह हमारी बेटी है जो इतना बड़ा काम कर रही है। भारत में हर साल तीन से सात लाख कन्या भ्रूण नष्ट कर दिए जाते हैं। इसलिए यहां महिलाओं से पुरुषों की संख्या 5 करोड़ ज्यादा है। समाज में निरंतर परिवर्तन और कार्य बल में महिलाओं की बढ़ती भूमिका के बावजूद रूढ़िवादी विचारधारा के लोग मानते हैं कि बेटा बुढ़ापे का सहारा होगा और बेटी हुई तो वह अपने घर चली जाएगी। बेटा अगर मुखाग्नि नहीं देगा तो कर्मकांड पूरा नहीं होगा। आज लड़किया लड़कों से किसी भी क्षेत्र में कमतर नहीं हैं। दुश्कर से दुश्कर कार्य लड़कियां सफलतापूर्वक कर रही हैं। देश में हर क्षेत्र में महिला शक्ति को पूरी हिम्मत से काम करते देखा जा सकता है। समाज के पढ़े लिखे लोगों को आगे आकर कन्या भ्रूण हत्या जैसे घिनौने कार्य को रोकने का माहौल बनाना होगा। ऐसा करने वाले लोगों को समझा कर उनकी सोच में बदलाव लाना होगा। लोगों को इस बात का संकल्प लेना होगा कि ना तो गर्भ में कन्या की हत्या करेंगे ना ही किसी को करने देगें तभी देश में कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लग पाना संभव हो पायेगा। एक तरफ जहां बेटी को जन्मते ही मरने के लिये लावारिश छोड़ दिया जाता है। वहीं झुंझुनू जिले की मोहना सिंह जैसी बालिकायें भी है जो आज देश में फाइटर प्लेन उड़ा कर जिले का पूरे देश में मान बढ़ा रही हैं। समाज में सभी को मिलकर राष्ट्रीय बालिका दिवस के दिन हमें लड़का-लड़की में भेद नहीं करने व समाज के लोगों को लिंग समानता के बारे में जागरूक करने की प्रतिज्ञा लेनी चाहिए। बालिकाओं का कोख में तो कत्ल कर उन्हें धरती पर आने से पहले ही मारा जा रहा है। उससे भी घिनौना काम जिन्दा बालिकाओं के साथ किया जा रहा है। देश में बालिकाओं के साथ हर दिन बलात्कार, प्रताड़ना की घटनायें अखबारों की सुर्खियां बनती हैं। बालिकायें कही भी अपने को सुरक्षित नहीं समझती हैं। चाहे घर हो या स्कूल अथवा कार्य स्थल। हर जगह भेड़िये उन पर नजर गड़ाए रहते हैं। उन्हें जब भी मौका मिलता है नोच डालते हैं। ऐसे माहौल में देश की बालिकायें कैसे आगे बढ़ पाएंगी? हर साल बालिका दिवस मनाने की बजाए सरकार व समाज को मिलकर ऐसे वातावरण का निर्माण करने का प्रयास करना चाहिए जिसमें बालिकायें खुद को महफूज समझ सकें। जब तक बालिकाओं की सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था नहीं हो पाएगी तब तक बालिका दिवस मनाने की कोई सार्थकता नहीं है। बालिकाओं पर अत्याचार करने वालों के मन में भय व्याप्त करने के लिए कठोरतम कानून बनाना समय की मांग है। बालिकाओं को कई प्रकार के भेदभाव का शिकार होना पड़ता है। समाज और राष्ट्र के विकास के लिए बालिकाओं के महत्व को स्वीकार करना और बढ़ावा देना आवश्यक है। शिक्षा प्रत्येक बच्चे का मौलिक अधिकार है। एक शिक्षित लड़की ही अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के आर्थिक विकास में योगदान दे सकती है। कानूनी सुरक्षा बालिकाओं के अधिकारों की सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण पहलू है। जागरुकता कार्यक्रमों और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से लड़कियों के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण को बदलने के लिए भी उतना ही आवश्यक है। हमारे समाज का भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि हम आज अपनी बच्चियों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं और उन्हें कितना महत्व देते हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, कानूनी सुरक्षा और सामाजिक सशक्तिकरण के माध्यम से बालिकाओं को सशक्त बनाना न केवल एक नैतिक दायित्व है बल्कि सामाजिक विकास के लिए एक जरूरी आवश्यकता भी है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि लड़कियों को आगे बढ़ने, सीखने के समान अवसर मिले। तभी हम एक संतुलित, न्यायसंगत और समृद्ध समाज बना सकेंगे।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

मेरे राम का मुकुट भीग रहा है

महीनों से मन बेहद-बेहद उदास है। उदासी की कोई खास वजह नहीं, फिर भी रात-रात नींद नहीं आती। दिन ऐसे बीतते हैं, जैसे भूतों के सपनों की एक रील पर दूसरी रील चढ़ा दी गई हो और भूतों की आकृतियां और डरावनी हो गई हों। इसलिए कभी-कभी तो बड़ी से बड़ी परेशानी करने वाली बात हो जाती है और कुछ भी परेशानी नहीं होती... और कभी-कभी बहुत मामूली-सी बात भी भयंकर चिंता का कारण बन जाती है। अभी दो-तीन रात पहले मेरे एक साथी संगीत का कार्यक्रम सुनने के लिए नौ बजे रात गए, साथ में जाने के लिए मेरे एक चिरंजीव ने और मेरी एक मेहमान, महानगरीय वातावरण में पली कन्या ने अनुमति मांगी। शहरों की आजकल की असुरक्षित स्थिति का ध्यान करके इन दोनों को जाने तो नहीं देना चाहता था, पर लड़कों का मन भी तो रखना होता है, कह दिया, एक-डेढ़ घंटे सुनकर चले आना। रात के बारह बजे। लोग नहीं लौटे। गृहिणी बहुत उद्विग्न हुईं। इतने में जोर की बारिश आ गई। गृहिणी को समझाया, बारिश थमेगी, आ जाएंगे। पत्नी किसी तरह शांत होकर सो गईं, पर मैं अकुला उठा। बारिश निकल गई, ये लोग नहीं आए। बरामदे में कुरसी लगाकर राह जोहने लगा।... एकाएक कई दिनों से मन में उमड़ती-घुमड़ती पंक्तियां गूंज गईं- मोरे राम के भीजे मुकुटवा/ लछिमन के पटुकवा/ मोरी सीता के भीजै सेनुरवा/ त राम घर लौटहिं। (मेरे राम का मुकुट भीग रहा होगा, मेरे लखन का पटुका (दुपट्टा) भीग रहा होगा, मेरी सीता की मांग का सिंदूर भीग रहा होगा, मेरे राम घर लौट आते।) बचपन में दादी-नानी मेरे घर से बाहर जाने पर, विदेश में रहने पर यही गीत विह्वल होकर गातीं और लौटने पर कहतीं- मेरे लाल को कैसा वनवास मिला था? मुझे दादी-नानी की इस आकुलता पर हंसी भी आती, गीत का स्वर बड़ा मीठा लगता। हां, तब उसका दर्द नहीं छूता। पर इस प्रतीक्षा में एकाएक उसका दर्द उस ढलती रात में उभर आया और सोचने लगा, आने वाली पीढ़ी पिछली पीढ़ी की ममता की पीड़ा नहीं समझ पाती और पिछली पीढ़ी अपनी संतान के संकट की कल्पना मात्र से उद्विग्न हो जाती है।... मन फिर घूम गया कौसल्या की ओर, लाखों-करोड़ों कौसल्याओं की ओर, और लाखों-करोड़ों कौसल्याओं द्वारा मुखरित एक अनाम-अरूप कौसल्या की ओर, इन सबके राम वन में निर्वासित हैं, पर क्या बात है कि मुकुट अभी भी उनके माथे पर बंधा है और उसी के भीगने की इतनी चिंता है? क्या बात है कि आज भी काशी की रामलीला आरंभ होने के पूर्व एक निश्चित मुहुर्त में मुकुट की ही पूजा सबसे पहले की जाती है? क्या बात है कि तुलसीदास ने ह्यकाननह्ण को ह्यसत अवध समानाह्ण कहा और चित्रकूट में ही पहुंचने पर उन्हें ह्यकलि की कुटिल कुचालह्ण दीख पड़ी? क्या बात है कि आज भी वनवासी धनुर्धर राम ही लोकमानस के राजा राम बने हुए हैं? कहीं न कहीं इन सबके बीच एक संगति होनी चाहिए। अभिषेक की बात चली, मन में अभिषेक हो गया और मन में राम के साथ राम का मुकुट प्रतिष्ठित हो गया। मन में प्रतिष्ठित हुआ, इसलिए राम ने राजकीय वेश उतारा, राजकीय रथ से उतरे, राजकीय भोग का परिहार किया, पर मुकुट तो लोगों के मन में था, कौसल्या के मातृ-स्नेह में था, वह कैसे उतरता? वह मस्तक पर विराजमान रहा और राम भीगें तो भीगें, मुकुट न भीगने पाए, इसकी चिंता बनी रही। राजा राम के साथ उनके अंगरक्षक लक्ष्मण का कमरबंद दुपट्टा भी (प्रहरी की जागरूकता का उपलक्षण) न भीगने पाए और अखंड सौभाग्यवती सीता की मांग का सिंदूर न भीगने पाए, सीता भले ही भीग जाएं। राम तो वन से लौट आए, सीता को लक्ष्मण फिर निर्वासित कर आए, पर लोकमानस में राम की वनयात्रा अभी नहीं रुकी। मुकुट, दुपट्टे और सिंदूर केभीगने की आशंका अभी भी साल रही है।... सोचते-सोचते लगा कि इस देश की ही नहीं, पूरे विश्व की एक कौसल्या है; जो हर बारिश में विसूर रही है- मोरे राम के भीजे मुकुटवा। मेरी संतान, ऐश्वर्य की अधिकारिणी संतान वन में घूम रही है, उसका मुकुट, उसका ऐश्वर्य भीग रहा है, मेरे राम कब घर लौटेंगे; मेरे राम के सेवक का दुपट्टा भीग रहा है, पहरुए का कमरबंद भीग रहा है, मेरे राम की सहचारिणी सीता का सिंदूर भीग रहा है, उसका अखंड सौभाग्य भीग रहा है, मैं कैसे धीरज धरूं? मनुष्य की इस सनातन नियति से एकदम आतंकित हो उठा ऐश्वर्य और निर्वासन दोनों साथ-साथ चलते हैं। जिसे ऐश्वर्य सौंपा जाने को है, उसको निर्वासन पहले से बदा है।... लागति अवध भयावह भारी, मानहुं कालराति अंधियारी। कैसे मंगलमय प्रभात की कल्पना थी और कैसी अंधेरी कालरात्रि आ गई है? ...केवल इसलिए कि जिसका ऐश्वर्य से अभिषेक हो रहा था, वह निर्वासित हो गया। उत्कर्ष की ओर उन्मुख समष्टि का चैतन्य अपने ही घर से बाहर कर दिया गया, उत्कर्ष की, मनुष्य की ऊर्ध्वोन्मुख चेतना की यही कीमत सनातन काल से अदा की जाती रही है। इसीलिए जब कीमत अदा कर ही दी गई, तो उत्कर्ष कम से कम सुरक्षित रहे, यह चिंता स्वाभाविक हो जाती है। राम भीगें तो भीगें, राम के उत्कर्ष की कल्पना न भीगे, वह हर बारिश में, हर दुर्दिन में सुरक्षित रहे। नर के रूप में लीला करने वाले नारायण निर्वासन की व्यवस्था झेलें, पर नर रूप में उनकी ईश्वरता का बोध दमकता रहे, पानी की बूंदों की झालर में उसकी दीप्ति छिपने न पाए। उस नारायण की सुख-सेज बने अनंत के अवतार लक्ष्मण भले भीगते रहें, उनका दुपट्टा, उनका अहर्निशि जागर न भीजे, शेष नारायण के ऐश्वर्य का गौरव अनंत शेष के जागर-संकल्प से ही सुरक्षित हो सकेगा और इन दोनों का गौरव जगज्जननी आद्या शक्ति के अखंड सौभाग्य, सीमंत, सिंदूर से रक्षित हो सकेगा, उस शक्ति का एकनिष्ठ प्रेम पाकर राम का मुकुट है, क्योंकि राम का निर्वासन वस्तुतः सीता का दोहरा निर्वासन है। राम तो लौटकर राजा होते हैं, पर रानी होते ही सीता राजा राम द्वारा वन में निर्वासित कर दी जाती हैं। ...कुरसी पर पड़े-पड़े यह सब सोचते-सोचते चार बजने को आए, इतने में दरवाजे पर हल्की-सी दस्तक पड़ी, चिरंजीवी निचली मंजिल से ऊपर नहीं चढ़े, सहमी हुई कृष्णा (मेरी मेहमान लड़की) बोली- दरवाजा खोलिए। आंखों में इतनी कातरता कि कुछ कहते नहीं बना।... अपने लड़के घर लौट आए, बारिश से नहीं संगीत से भीगकर, मेरी दादी-नानी के गीतों के राम, लखन और सीता अभी भी वन-वन भीग रहे हैं।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से समस्त भारत हुआ राममय

अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा भव्य रूप से सम्पन्न हो गई। संत समाज के अलावा पूरे विश्व से मात्र लगभग ढाई-तीन हजार चुनिंदा लोगों को आमंत्रित किया गया, जिसमें सौभाग्य से मैं सपत्नीक आमंत्रित था। यह सबों के लिये जीवन के एक दुर्लभ क्षण के रूप में याद रखा जाएगा। यह कल्पना से परे अविस्मरणीय दृश्य रहा। अयोध्या के श्रीराम मंदिर में अभिजीत मुहूर्त में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूरे विधि-विधान के साथ रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई। इसके साथ ही सारा देश सारा देश राममय हो गया। पूरे देश क्या विश्व भर के राम भक्तों के मन में भावनाओं की अनंत आनंद के हिलोरें हैं। भावनाओं की अभिव्यक्ति में शब्द सक्षम या पर्याप्त नहीं हैं। कश्मीर में बर्फ से ढकी ऊंची चोटियों से लेकर कन्याकुमारी में धूप से सराबोर समुद्र तटों तक, राम नाम की गूंज ने पूरे भारत में भक्ति का माहौल बना दिया है। अब अयोध्याधाम में ऐतिहासिक श्रीराम मंदिर भारत की एकता और भक्ति के प्रतीक के रूप में खड़ा है, न केवल भव्यता में, बल्कि देश-विदेश से मिले योगदान के रूप में भी यह मंदिर अद्वितीय है। कई बुद्धिमान कह रहे थे कि दक्षिण के प्रदेशों में, खासकर तमिलनाडु और केरल में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का विरोध हो रहा है। लेकिन, आज अयोध्या की सड़कों पर जो दृश्य मैंने देखा वह तो बिलकुल अलग रहा। छोटी सी अयोध्या नगरी में लाखों स्त्री - पुरुष मौजूद हैं। कोई सड़क खाली नहीं दिख रही। सरयू का तट भी भरा है। इसमें पूरे देश के सभी राज्यों से आये हुए लोग थे। तमिलनाडु के लोग तो भरपूर संख्या में रहे। शंकर महादेवन का राम का भजन तो अद्भुत था । प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत समेत हजारों राम भक्तों की उपस्थिति में प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम संपन्न हो गया।सभी के सभी अथिति सुबह दस बजे से लेकर साढ़े तीन बजे तक मंत्र मुग्ध होकर बैठे रहे, चाहे अमिताभ बच्चन हो या मुकेश अंबानी, सचिन तेंदुलकर हों या अक्षय कुमार , माधुरी दीक्षित हों, कंगना रानौत, श्री श्री रविशंकर हों या बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री, हेमा मालिनी जी हों या दीदी मां साध्वी ऋतंभरा, सब के सब साढ़े पांच घंटे बैठे रहे। मुझे भी सपत्नीक इस अनुपम और यादगार अवसर पर रामलला के दर्शन का सौभाग्य मिला। बेशक, यह मंदिर उस अटूट विश्वास और उदारता का प्रमाण है जो किसी सीमा से परे किसी मंदिर के तीर्थाटन के लिए पूरे देश को जोड़ती है। मंदिर का मुख्य भाग तो राजसी ठाठ-बाट लिए हुए है। यह राजस्थान के मकराना संगमरमर की प्राचीन श्वेत शोभा से सुसज्जित है। इस मंदिर में देवताओं की उत्कृष्ट नक्काशी कर्नाटक के चमोर्थी बलुआ पत्थर पर की गई है। जबकि, प्रवेश द्वार की भव्य आकृतियों में राजस्थान के बंसी पहाड़पुर के गुलाबी बलुआ पत्थर का उपयोग किया गया है। मैं मानता हूं कि इस मंदिर के लिए भक्तों का किया गया योगदान निर्माण सामग्री से लेकर कहीं आगे तक जाता है। मंदिर में गुजरात की उदारता उपहार स्वरूप 2100 किलोग्राम की शानदार अष्टधातु घंटी के रूप में दिखती है जो इसके हॉलों में दिव्य धुन के रूप में गूंजा करेगी। इस दिव्य घंटी के साथ, गुजरात ने एक विशेष 'नगाड़ा' ले जाने वाला अखिल भारतीय दरबार समाज द्वारा तैयार 700 किलोग्राम का रथ भी उपहार स्वरूप दिया गया है। भगवान राम की मूर्ति बनाने में इस्तेमाल किया गया काला पत्थर कर्नाटक से आया है।

बाड़बंदी कितनी व्यावहारिक

म्यांमार में सैन्य शासकों और सशस्त्र विद्रोही समूहों के बीच संघर्ष तेज होने का परिणाम वहां से भारत की सीमा में आ रहे शरणार्थियों की बढ़ती संख्या के रूप में सामने आ रहा है। मिजोरम सरकार के अनुरोध पर पिछले हफ्ते आए 276 सैनिकों को वापस म्यांमार भेजने की प्रक्रिया चल रही है। इस बीच केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा है कि म्यांमार से लगती सीमा पर बाड़ लगाई जाएगी और दोनों देशों के बीच जारी फ्री मूवमेंट रिजीम (ऋद्वफ) को समाप्त किया जाएगा। म्यांमार में सिविल वॉर के हालात बनने की शुरूआत फरवरी 2021 में मानी जा सकती है, जब वहां की सेना ने लोकतांत्रिक सरकार का तख्तापलट करते हुए जबरन सत्ता पर कब्जा कर लिया था। हालात बिगड़ने शुरू हुए पिछले साल अक्टूबर से, जब वहां के तीन अल्पसंख्यक जनजातीय समूहों के विद्रोहियों ने मिलकर सेना पर हमले शुरू कर दिए। इसके बाद संघर्ष तेज होता गया और बड़ी संख्या में आम लोग जान बचाने के लिए सीमा पार कर मणिपुर और मिजोरम जैसे सीमा से लगते राज्यों में आने लगे। विद्रोही सैनिकों के कैंप पर कब्जा जमा लेने के बाद सेना के जवान और अफसर भी सीमा पार कर भारत आ जाते हैं। नवंबर से अब तक म्यांमार के 635 सैनिक भारत आ चुके हैं, जिनमें से अधिकतर को वापस भेजा जा चुका है। मगर आम शरणार्थियों की संख्या बहुत ज्यादा है। सिर्फ मिजोरम में करीब 30,000 रिफ्यूजी कैंपों में रह रहे हैं। जाहिर है, भारत सरकार इस हालात में मूकदर्शक बनी बैठी नहीं रह सकती। जैसी स्थितियां म्यांमार में बन गई हैं, उनके मद्देनजर माना जा रहा है कि वहां की सैन्य सरकार अब तक की सबसे गंभीर चुनौती से जूझ रही है। लेकिन यह म्यांमार की आतंरिक समस्या है। केंद्रीय गृहमंत्री के बयान का एक सीधा मतलब यह भी है कि भारत सरकार पड़ोसी देश के आंतरिक मामले में किसी तरह का दखल नहीं देना चाहती। सिर्फ बढ़ते शरणार्थियों की समस्या से निजात पाना चाहती है। मगर यह सवाल बना हुआ है कि क्या सीमा पर बाड़ लगाने का फैसला व्यावहारिक साबित होगा।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899 Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

जी का सोनी के साथ विलय प्रस्ताव रद्द होने से शेयर मूल्यांकन घटेगा

नई दिल्ली ।

जी एंटरटेनमेंट का सोनी के साथ प्रस्तावित विलय रद्द होने से शेयर मूल्यांकन घट जाएगा। बता दें कि आवश्यक नियामक और शेयरधारक अनुमोदन के बाद जी एंटरटेनमेंट (जी) का सोनी के साथ प्रस्तावित विलय रद्द कर दिया गया है। विदेशी ब्रोकरेज सीएलएसए ने एक रिपोर्ट में कहा कि विलय रद्द होने के साथ जी का मूल्यांकन विलय की घोषणा से पहले देखे गए 12गुणा पीई स्तर अगस्त-21 तक घट जाएगा। पिछले दिनों प्रमोटर शेयर गिरवी संकट (2019 में) और व्यापार नकदी रूपांतरण में गिरावट के दौरान स्टॉक की रेटिंग कम हो गई थी। सीएलएसए ने कहा, हम 12 गुणा 1 वर्ष एफडब्ल्यूडी पीई के आधार पर 198 रुपये (300 रुपये थे) के संशोधित टीपी पर खरीद से बेचने तक का काम करते हैं।

इसके अलावा, रिलायंस और डिज्नी स्टार के कथित विलय के साथ प्रतिस्पर्धा तेज होनी चाहिए। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) सहित आवश्यक विनियामक अनुमोदन और जी के 99 प्रतिशत शेयरधारकों की मंजूरी के बाद सोनी के साथ जी के प्रस्तावित विलय को रद्द कर दिया गया है।

जी के विलय खत्म करने के लिए सोनी ने कथित उल्लंघनों पर 90 मिलियन डॉलर की समाप्ति शुल्क की मांग की है और यहां तक कि जी के खिलाफ मध्यस्थता का आह्वान भी कर रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जी सोनी के उल्लंघन के दावों से इनकार कर रहा है और जी के सीईओ, पुनीत गोयनका विलय के हित में पद छोड़ने के लिए सहमत थे। इसके चलते अब जी के स्टॉक मूल्यांकन में गिरावट की संभावना लग रही है।

उनका कहना है कि जी-सोनी विलय खत्म होने के साथ हमारा मानना है कि जी का पीई 12 गुना के स्तर पर वापस आ जाएगा, जैसा कि सोनी विलय की घोषणा (21 अगस्त) से पहले देखा गया था।

पेट्रोल नोएडा में 27 पैसे, तो पटना में 88 पैसे हुआ सस्ता

नई दिल्ली ।

पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में आज गिरावट देखी गई है, वही वजह है कि नोएडा में पेट्रोल 27 पैसे, तो पटना में 88 पैसे सस्ता हुआ है। हालांकि कच्चे तेल की कीमतों में बीते 24 घंटे के दौरान करीब 2 डॉलर का उछाल आया है। बावजूद इसके मंगलवार सुबह सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में आज कमी आई है। यूपी, बिहार सहित देश के कई राज्यों में तेल की खुदरा कीमतें कम हुई हैं। हालांकि दिल्ली-मुंबई जैसे देश के महानगरों में आज भी तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार, नोएडा में पेट्रोल 27 पैसे गिरकर 96.65 रुपये लीटर बिक रहा है तो डीजल 26 पैसे सस्ता होकर 89.82 रुपये लीटर हो गया है। यूपी की राजधानी लखनऊ में आज थोड़ा महंगा हुआ और पेट्रोल 4 पैसे बढ़कर 96.47 रुपये लीटर तो डीजल 3 पैसे चढ़कर 89।66 रुपये लीटर बिक रहा है। बिहार की राजधानी पटना में आज सुबह पेट्रोल 88 पैसे सस्ता होकर 107.24 रुपये लीटर पहुंच गया है, जबकि डीजल 82 पैसे की गिरावट के साथ 94.04 रुपये प्रे ति लीटर बिक रहा है। इधर ग्लोबल मार्केट में सोमवार सुबह कच्चे तेल की कीमतों में भी भारी उछाल दिखा। ब्रेंट क्रूड का भाव चढ़कर 80.06 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई के रेट भी आज सुबह बढ़त दिखी और यह 75.19 डॉलर प्रति बैरल के भाव पहुंच गया। इस समय पेट्रोल-डीजल के दाम की बता करें तो दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

सीसीआई मल्टीनैशनल कंपनियों को राहत देने जुर्माना राशि में करेगा संतुलन

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) बहुराष्ट्रीय कंपनियों को जुर्माने से राहत देने वाला है। अब सीसीआई उनकी गैर-प्रतिस्पर्धी प्रथाओं के लिए उनके वैश्विक कुल कारोबार के आधार पर सीधे तौर पर जुर्माना संभवतः नहीं लगाएगा। मगर वह प्रस्तावित दिशानिर्देशों के तहत कुछ खास परिस्थितियां आने पर जुर्माना लगा सकता है। इसके तहत जुर्माने की रकम उनके वैश्विक कुल कारोबार के स्तर तक बढ़ सकती है। इस मामले से अवगत एक व्यक्ति ने कहा कि 'सीसीआई संतुलन स्थापित करने की कोशिश कर रहा है। भारतीय उद्योग जगत को नुकसान नहीं होना चाहिए, मगर प्रतिरोध भी दिखना चाहिए। इस संशोधन को बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों पर लक्ष्य करते हुए लाया गया था।' मामले के जानकारों के अनुसार, जुर्माने की बुनियादी रकम की गणना कंपनी के संबंधित कुल कारोबार के आधार पर की जाएगी जो घरेलू बाजार में उसका कुल कारोबार है।

दरअसल पिछले साल मार्च में लोकसभा में पारित भारतीय प्रतिस्पर्धा संशोधन अधिनियम की धारा 20 के तहत प्रतिस्पर्धा आयोग को शक्ति दी गई है कि अगर उसे उचित लगे तो वह इस प्रकार का जुर्माना लगा सकता है। मगर जुर्माने की रकम कंपनी के औसत कुल कारोबार अथवा आय का 10 फीसदी से अधिक नहीं होना चाहिए। नए कानून के तहत कुल कारोबार को किसी व्यक्ति या उद्यम को उसके सभी उत्पाद एवं सेवाओं से प्राप्त वैश्विक कुल कारोबार के रूप में परिभाषित किया गया है। उम्मीद की जा रही है कि इससे बाजार में प्रतिस्पर्धा को कम करने वाली परिस्थितियों की एक सूची बनेगी। उसी आधार पर कंपनी के वैश्विक कारोबार पर जुर्माने की रकम निर्धारित होगी।

भारतीय स्टॉक मार्केट ने हांगकांग को पीछे छोड़ा, बना दुनिया का चौथा सबसे बड़ा शेयर बाजार

नई दिल्ली।

हांगकांग के शेयर बाजार को पीछे छोड़ भारत का स्टॉक मार्केट दुनिया का चौथा सबसे बड़ा शेयर बाजार बन गया है। यहां पर विकास की संभावनाओं और नीतिगत सुधारों ने भारतीय शेयर बाजार को निवेशकों के लिए बेहतर बना दिया है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार भारतीय एक्सचेंजों पर लिस्टेड शेयरों का कुल वेल्यू मूल्य सोमवार को बंद होने तक 4.33 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जबकि हांगकांग का कुल वेल्यू 4.29 ट्रिलियन डॉलर था। इसी के साथ भारतीय शेयर बाजार वैश्विक स्तर पर चौथा सबसे बड़ा इक्विटी बाजार बन गया है। बता दें कि घरेलू स्टॉक मार्केट का शेयर मार्केट कैप 5 दिसंबर, 2023 को पहली बार 4 ट्रिलियन डॉलर को पार पहुंच गया था। इसमें से से लगभग आधी या 2 ट्रिलियन डॉलर का मार्केट कैप पिछले चार वर्षों में बढ़ा है। तेजी से बढ़ते रिटेल निवेशकों के आधार और मजबूत कॉर्पोरेट इनकम के कारण भारतीय इक्विटी बाजार भी तेजी से बढ़ रहा है। भारत ने दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश चीन के विकल्प के रूप में खुद को मजबूत किया है। वही वैश्विक निवेशकों और कंपनियों से नई कैपिटल को आकर्षित कर रहा है। इसका श्रेय भारत की स्थिर राजनीतिक व्यवस्था और उपभोग संचालित अर्थव्यवस्था को जाता है। एक तरफ जहां भारतीय शेयरों में लगातार तेजी आ रही है, वहीं दूसरी तरफ हांगकांग की स्टॉक मार्केट में ऐतिहासिक गिरावट देखी जा रही है। गौरतलब है कि चीन के कोविड-19 को लेकर कड़े प्रतिबंध, कंपनियों पर रेगुलेटरी बॉडीज की कार्रवाई, संपत्ति क्षेत्र में संकट और पश्चिम के साथ भू-राजनीतिक तनाव ने मिलकर चीन की रुतबे को खत्म कर दिया है। यदि देखा जाए तो चीन और हांगकांग के शेयरों का टोटल मार्केट वेल्यू 2021 में अपने पिक लेवल के बाद से 6 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा लुढ़क चुका है। हांगकांग के शेयर बाजार में नई कंपनियों लिस्टिंग खत्म हो गई है। एशिया का फाइनेंशियल हब कहे जाने वाले बाजार आईपीओ के लिए दुनिया के सबसे व्यस्त बाजारों में से एक ने अपनी स्थिति को भी खत्म कर दिया है। जबे कि विदेशी फंडों ने 2023 में भारतीय शेयरों में 21 अरब डॉलर से ज्यादा का निवेश किया, जिससे देश के बेंचमार्क एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स इंडेक्स को लगातार आठवें साल बढ़त हासिल करने में मदद मिली।

खराबी के चलते टेस्ला ने 4,000 से अधिक वाहन वापस मंगवाए

नई दिल्ली ।

एलन मस्क की वाहन कंपनी टेस्ला ने खराबी के चजते 4 हजार से अे धिक वाहनों को वापस मंगाया है। जानकारी के अनुसार एक सॉफ्टवेयर समस्या के कारण ऑस्ट्रेलिया में 2022 और 2023 के बीच बनाए गए 4,000 से ज्यादा मॉडल 3 और मॉडल वाई वाहनों को वापस मांगा है। बताया जा रहा है कि बुनियादी ढांचे, परिवहन, क्षेत्रीय विकास, संचार और कला विभाग (डीआईटीआरसीए) के अनुसार, 4,382 वाहनों में सॉफ्टवेयर समस्या के कारण ठंडे तापमान में गाड़ी चलाते समय स्टीयरिंग व्हील का उपयोग करना मुश्किल हो सकता है। कंपनी के नो टिस में कहा कि सॉफ़्टवेयर समस्या के कारण, ठंडे तापमान में स्टीयरिंग व्हील में समस्या आ सकती है। हालों कि इस खराबी के बावजूद, वाहन चलाते समय ड्राइवरों को गंभीर चोट का खतरा नहीं है। हालांकि यह खराबी वाहन के प्रदर्शन को प्रभावित नहीं करेगी। मिली जानकारी के अनुसार प्रभावित वाहनों के मालिकों से कहा कि वे वाहन सॉफ्टवेयर वर्जन का निरीक्षण करने और वर्जन 2023.38 या उसके बाद के वर्जन में फ्री अपडेट करने के लिए टेस्ला से संपर्क जरूर करें, या अपने वाहन के सॉफ्टवेयर को अपडेट करें। जैसा कि वे आमतौर पर मेन स्क्रीन का उपयोग कर करते हैं। बता दें कि इस महीने की शुरुआत में, टेस्ला ने अपने ऑटोपायलट सिस्टम को ठीक करने के लिए चीन में 1.6 मिलियन वाहनों को वापस बुलाया, जो देश में अब तक का सबसे बड़ा रिकॉल बताया जा रहा है।

स्क्रू, हुक, सिक्कों पर इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ी, मोदी सरकार का आदेश

नई दिल्ली । सोना और चांदी खरीदने वालों के लिए एक बड़ी खबर आई है। मोदी सरकार की ओर से जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक, स्क्रू, हुक, सिक्कों पर इंपोर्ट ड्यूटी 12.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया है। भारत में गोल्ड और सिल्वर पर फिलहाल कुल इंपोर्ट ड्यूटी 15 फीसदी (10 फीसदी बेसिक कस्टम ड्यूटी +5 फीसदी एग्रीकल्चर इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपमेंट सेस है। नई दरें 22 जनवरी, 2024 से प्रभावी हो गई हैं। इस परिवर्तन का उद्देश्य आयात को विनियमित करना और घरेलू अर्थव्यवस्था का समर्थन करना है। वहीं, जीजेईपीसी सोना-चांदी पर आयात शुल्क को मौजूदा 15 फीसदी से घटाकर 4 फीसदी करने की मांग कर रही है। वहीं, अंतरिम बजट 2024 में कटे और पॉलिश किए गए हीरों पर सीमा शुल्क को मौजूदा 5 फीसदी से घटाकर 2.5 फीसदी करने की मांग की गई है। दरअसल काउंसिल ऐसा चाहती है ताकि सेक्टर को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बने रहने में मदद मिल सके। भारत की डायमंड और गोल्ड इंडस्ट्री सोना, हीरे, चांदी और रंगीन रत्नों समेत कच्चे माल के लिए आयात पर निर्भर है।

जौमेटो में सोमवार को नहीं हुई नॉन-वेज फूड आइटम्स की डिलिवरी

राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा के चलते सरकार का निर्देश

मुंबई । पॉपुलर फूड डिलीवरी एप जौमेटो की ओर से उत्तर भारत के कई राज्यों में नॉन-वेज फूड आइटम्स की डिलिवरी अस्थाई रूप से बंद कर दी गई। कई शहरों में एप यूजर्स ने माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म एक्स पर इस बारे में लिखकर अपनी परेशानी जाहिर की। इसके बाद जौमेटो ने ऐसा करने की वजह साफ की। हालांकि ये डिलिवरी सिर्फ सोमवार के लिए ही बंद की गई थी। जौमेटो ने बताया कि सरकार की ओर से मिले निर्देशों को ध्यान में रखते हुए यह बदलाव किया गया है। इसके बाद से कयास लग रहे हैं कि अयोध्या में राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा के चलते मोदी सरकार ने ये निर्देश दिए थे। फूड डिलिवरी प्लेटफॉर्म ने लिखा, उत्तर प्रदेश, असम, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में नॉन-वेज आइटम्स की डिलिवरी सरकार से मिले निर्देशों के चलते रोक दी थी। एक यूजर को जवाब देकर एप ने कहा कि उम्मीद है इस जवाब से मदद मिलेगी। दरअसल यूजर ने पूछा था कि वह नॉन-वेज क्यों नहीं ऑर्डर कर पा रहा। नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के हेड वरुण खेरा ने उत्तर प्रदेश के लिए बताया था कि 22 जनवरी को राज्य के सभी रेस्टोरेंज केवल वेज फूड आइटम्स ही सर्व करे।

मात्र 15 सेकेंड्स में हैक कर दिया सवा लाख का आईफोन

-एथिकल हैकर्स ने चकित कर दिया था एप्पल को

नई दिल्ली । सवा लाख रुपए के महंगे आईफोन को महज 15 सेकेंड्स में हैक करना किसी को भी हैरान कर सकता है। हर साल चीन के चेंगदू में तियानफू कप का आयोजन किया जाता है। इसमें वाइट हैट हैकर्स अपनी स्किल्स दिखाते हैं। साल 2021 में भी इस आयोजन में हैकर्स पहुंचे और अपनी स्किल्स का जादू दिखाकर बड़ी-बड़ी टेक्नोलॉजी दिग्गज कंपनियों को सरप्राइज कर दिया है। इसी साल इस कंपीटिशन में एक बड़ा नाम एप्पल का था, जिसे एथिकल हैकर्स ने चकित कर दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उस समय आईओएस 15.0.2 पर चल रहे लेटेस्ट आईफोन 13 प्रोको हैकर्स एक बार नहीं बल्कि दो बार लाइव हैक कर दिखाया। इसमें हैकर्स को सिर्फ 15 सेकेंड का समय लगा। कंपटीशन में शामिल हुई टीमों में से एक कुनलुन लैब थी जो 15 सेकंड से कम समय मेंआईफोन 13 प्रो में सेंध लगाने में सफल रही थी। टीम ने स्मार्टफोन को हैक करने के लिए सफारी ब्राउजर में एक वल्नेरेबिलिटी का फायदा उठाया था। आईफोन 13 प्रो की मौजूदा शुरुआती कीमत 1,19,900 रुपये है। कुनलुन लैब के सीईओ क्यूहो 360 के पूर्व सीटीओ रहे थे। सीईओ ने महज 15 सेकेंड में सबके सामने स्मार्टफोन को लाइव हैक करके दिखाया था। हालांकि, इस हैकिंग के प्रयास से पहले उन्होंने कई हफ्ते की तैयारी भी की थी। इस कंपटीशन में न सर्फि कूनलून लैब ने आईफोन 13 प्रो को हैक किया था। बल्कि एक और पांगू ने आईफोन 13 को भी बेहद कम समय में हैक कर दिखाया था। इसके लिए टीम को 300,000 डॉलर का इनाम भी दिया गया था। आपको बता दें कि बाद में ये हैकर्स संबंधित कंपनियों को अपनी खामियों को दूर करने के लिए तरीके भी बता देते हैं। बता दें कि आईफोन की पहचान दुनियाभर में सबसे सिक्योर फोन्स में होती है। इसकी प्राइवेसी और सिक्योरिटी की वजह से इसे दुनियाभर के सारे बड़े सेलिब्रिटी भी इस्तेमाल करते हैं।

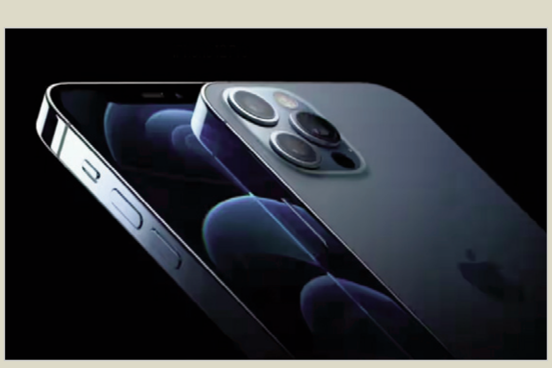

ग्रो एप का सर्वर डाउन...कई यूजर्स ने कहा नुकसान की भरपाई कौन करेगा

मुंबई ।

ऑनलाइन वित्तीय सर्विस प्लेटफॉर्म ग्रो मंगलवार को ठीक से काम नहीं कर रही है। यूजर्स को मंगलवार सुबह से एप में लॉगिन करने में समस्या आ रही है। कई यूजर्स ने एक्स पर अपनी नाराजगी जाहिर कर तमाम ट्वीट किए। यूजर ने कहा, सुबह से ही मेरा ग्रो एप नहीं खुल रहा। मेरा ओपन पोजिशन खत्म होने वाला है। मेरे नुकसान की भरपाई कौन करेगा? दूसरे यूजर ने ग्रो, एनएसई और बीएसई को एक्े स पर टैग करते हुए लिखा कि 30 मिनट से कुछ गलत चल रहा है, ये क्या है? मैं ट्रेड नहीं कर सकता। मेरे नुकसान की भरपाई कौन करेगा? एक अन्य के यूजर ने ट्वीट किया कि ग्रो एप और उसकी वेबसाइट सुबह से काम नहीं कर रही है। कई बार प्रयास कर चुका हूं, वेबसाइट भी ट्राई कर के देख लिया। ग्रो ऐप भी काम नहीं कर रहा। ऐसा लगता है कि उनका प्रोडक्शन सर्वर डाउन है। कृपया जल्द ठीक करवाएं। एक अन्य ग्रो यूजर ने शिकायत की कि पिछले 2 घंटे से ग्रो एप डाउन है। इस कारण हमारे जो पैसे डूबे हैं, उसके लिए कौन जिम्मेदार है? इस यूजर ने बाजार नियामक सेबी से भी गुहार लगाई है कि इन वजहों से निवेशकों को जो नुकसान होता है उसके लिए कदम उठाए जाएं।

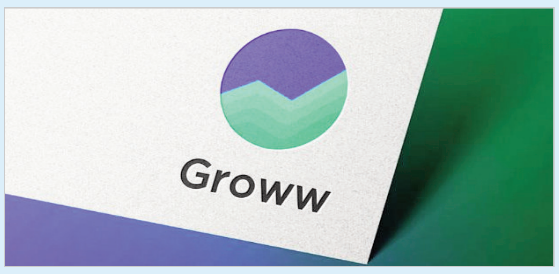

शेयर बाजार भारी गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 1053, निफ्टी 333 अंक टूटा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बिकवाली हावी होने से बाजार टूटा है। कारोबार के दौरान एचडीएफसी बैंक का शेयर लगातार नीचे आया। वहीं जी इंटरटेनमैंट का शेयर तकरीबन 30 फीसदी गिरा। इन दोनों शेयरों में बिकवाली से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला पर से सिलसिला अधिक देर तक नहीं चल पाया और बाजार नीचे आने लगा। अंत में तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1053.10 अंक तकरीबन 1.47 फीसदी नीचे आकर 70,370.55 अंक पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी ऊपर आया और यह 1.54 फीसदी तकरीबन 333 अंक टूटकर 21,238.80 पर बंद हुआ।सेंसेक्स की कंपनियों में सनफार्मा का शेयर सबसे अधिक 3.67 फीसदी ऊपर आया। इसके अलावा भारती एयरटेल, आईसीआईसी बैंक, पावरग्रिड टीसीएस और बजाज फिनसर्व के शेयरों में बढ़त रही

वहीं बैंकिंग शेयरों में आज जमकर गिरावट रही। इंडसइंड बैंक का शेयर 6.13 फीसदी नीचे आया। इसके साथ ही स्टेट बैंक एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, इन्फोसिस, रिलायंस समेत 24 कंपनियों के शेयरों में गिरावट रही। जानकारों के अनुसार ये गिरावट विदेशी निवेशकों की बिकवाली और वाले दिग्गज शेयरों के नीचे आने से आई है। एचडीएफसी बैंक के शेयर मंगलवार को इंट्रा-डे कारोबार में बीएसई पर करीब 4 फीसदी नीचे आकर सबसे निचले स्तर 1,425.05 रुपये पर पहुंच गए। एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले एक सप्ताह में एचडीएफसी बैंक के मार्केट कैप में 15 फीसदी की गिरावट आई है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की अगुवाई में तेज बिकवाली के कारण एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकर 1.9 ट्रिलियन रुपये कम हो गया है। इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुला। दुनिया भर के बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच ही लिवाली (खरीदारी) से ये उछाल आया है। इसके अलावा दिसंबर तिमाही के अच्छे परिणामों के साथ ही आईसीआईसीआई बैंक सहित कई अन्य शेयरों में खरीदारी से भी बाजार ऊपर आया। शुरुआती कारोबार में तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 593 अंक करीब 0.83 फीसदी ऊपर आकर 72,017 के स्तर पर पहुंच गया जबकि पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 170 अंक तकरीबन 0.79 फीसदी उछलकर 21,741 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। कारोबार के दौरान आईसीआईसीआई बैंक, एनटीपीसी, भारती एयरटेल, पावर ग्रिड, टीसीएस, एचसीएल टेक, आरआईएल, बजाज फिनसर्व और टेक एम के शेयर 3.5 फीसदी तक बढ़े। वहीं व्यापक बाजारों में, बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक 0.8 फीसदी तक उछले। इसके अलावा इंट्राडे कारोबार में मिडकैप इंडेक्स 38,647 के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा।

नेशनल पेंशन प्रणाली को बेहतर बनने की घोषणा कर सकती मोदी सरकार

नई दिल्ली ।

नेशनल पेंशन प्रणाली (एनपीएस) को मोदी सरकार और भी आकर्षक बनाने की कवायद इस बार के बजट में कर सकती है। माना जा रहा है कि मोदी सरकार इस लेकर कई घोषणाएं भी कर सकती है। इसमें मोदी सरकार 75 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए योगदान तथा निकासी पर कर रियायतें बढ़ाने की बात कर सकती है। पेंशन फंड नियामक पीएफआरडीए ने नियोक्ताओं द्वारा योगदान के लिए टैक्सेशन के मोर्चे पर कर्मचारी भविष्य निधि कार्यालय (ईपीएफओ) में समानता का अनुरोध किया है। इस संबंध में कुछ घोषणाएं अंतरिम बजट में किए जाने की उम्मीद है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को अंतरिम बजट पेश करेंगी। यह उनका छठा बजट होगा। वर्तमान में कर्मचारियों के लिए फंड निर्माण में नियोक्ताओं के योगदान में असमानता है, जिसमें कॉर्पोरेट द्वारा मूल वेतन और महंगाई भत्ते के 10 प्रतिशत तक के योगदान को एनपीएस योगदान के लिए कर से छूट दी गई है, जबकि ईपीएफओ के मामले में यह 12 प्रतिशत है। डेलॉयट की बजट उम्मीदों के मुताबिक, एनपीएस के माध्यम से लंबे समय की बचत को बढ़ावा देने और 75 वर्ष से ज्यादा उम्र के सीनियर सिटीजन के लिए टैक्स के बोझ को कम करने के लिए एनपीएस के सालाना हिस्से को 75 वर्ष की आयु से धारकों के लिए टैक्स फ्री किया जाना चाहिए।

रिपोर्ट के मुताबिक, एनपीएस को ब्याज और पेंशन के साथ शामिल किया जा सकता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि 75 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों को एनपीएस से हासिल आय पर रिटर्न दाखिल न करना पड़े। वर्तमान में 60 प्रतिशत की एकमुश्त निकासी टैक्स फ्री है। नई टैक्स व्यवस्था के तहत एनपीएस योगदान के लिए कर छूट प्रदान करने की भी मांग उठ रही है। अभी धारा 80सीसीडी (1बी) के तहत एनपीएस में किसी व्यक्ति के 50,000 रुपए तक के योगदान पर पुरानी कर व्यवस्था के तहत कटौती होती है, लेकिन नई कर व्यवस्था के तहत नहीं।

यह पुरानी टैक्स व्यवस्था में धारा 80सी के तहत मिलने वाली 1.5 लाख रुपये की कर राहत से अधिक है।

हैदराबाद की महिला को मिली 2.55 करोड़ की लोटस इलेट्रे की डिलेवरी

हैदराबाद। लग्जरी ब्रिटिश स्पोर्ट्स कार कंपनी लोटस ने इलेट्रे इलेक्ट्रिक कार के साथ पिछले साल भारत में प्रवेश किया था। इसकी शुरुआती कीमत 2.55 करोड़ रुपए एक्स शोरुम के मालिक को मुनाफा हुआ है। यह गाड़ी तीन वेरिएंट- लोटस इलेट्रे, लोटस इलेट्रे एस और लोटस इलेट्रे आर में उपलब्ध है। वहीं लोटस इलेट्रे एस की कीमत 2.75 करोड़ रुपए और लोटस इलेट्रे आर की कीमत 2.99 करोड़ रुपए एक्स शोरुम है। रिपोर्ट के अनुसार, हैदराबाद की एक महिला ने लोटस इलेट्रे की पहली डिलिवरी ली है। कार के साथ महिला की तस्वीरें भी सामने आईं हैं। इस इलेक्ट्रिक कार में वायरलेस स्मार्टफोन चार्जिंग, सीट एडजस्ट की सुविधा, 4-जोन ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, 15.1-इंच का फ्लोटिंग इंफोटेनमेंट टचस्क्रीन, डिजिटल ड्राइवर का डिस्प्ले और यात्रियों के लिए तीसरा डिस्प्ले मिलता है। यह डिस्पले एप्पल कार प्ले और एंड्रॉयड ऑटो को सपोर्ट करता है। इस कार में लेवल-2 एडीएएस तकनीक भी दी गई है। लोटस इलेट्रे में 2 पावरट्रेन दिए गए है और तीनों वेरिएंट में ड्यूल मोटर सेटअप के साथ समान 12किलोवाटप्रतिघंटा क्षमता का बैटरी पैक मिलता है। इलेक्ट्रिक कार की बैटरी एक बार चार्ज करने पर 600 किलोमीटर की रेंज देती है। यह 4.5 सेकेंड में 0-100 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ सकती है। इसकी टॉप स्पीड 258 किमी/घंटा है।

फिटनेस

क्या बैटल रोप वर्कआउट से बेली फैट कम होता है ?

बैटल रोप एक्सरसाइज एक अपर-बॉडी वर्कआउट है। जिम में आजकल बैटल रोप वर्कआउट का चलन बढ़ रहा है। बॉलीवुड में कई सेलिब्रिटीज बैटल रोप एक्सरसाइज की वकालत करते हैं। महिलाओं के लिए बेली फैट कम करने के लिए जिम एक्सपर्ट्स इसकी सलाह देते हैं। महिलाओं की स्लिम और टोंड बॉडी बनाने में भी बैटल रोप एक्सरसाइज मददगार होती है। कार्डियो की नजर से देखें तो बैटल रोप एक अच्छी एक्सरसाइज है। जिम की मशीनों में वर्कआउट करने की तुलना में बैटल रोप एक्सरसाइज करना ज्यादा फायदेमंद होता है। आइए जानते हैं बैटल रोप एक्सरसाइज करने के क्या-क्या फायदे होते हैं। शरीर के ऊपरी हिस्से को मजबूत बनाने के साथ सेक्सी और फिट बनाने के लिए बैटल रोप एक्सरसाइज काफी मददगार होती है। शरीर के ऊपरी हिस्से में जमा फैट को खत्म करने में भी बैटल रोप एक्सरसाइज फायदेमंद है। पेट की चर्बी कम करने के लिए बैटल रोप वर्कआउट काफी मददगार होता है। बेली फैट बर्न करने के लिए रोजाना बैटल रोप एक्सराइज की जा सकती है। बैटल रोप एक्सरसाइज करने के लिए विशेष प्रशिक्षण की भी जरूरत होती है। स्लिम और टोंड बॉडी के लिए बैटल रोप एक्सरसाइज ज्यादा कारगर होती है।

मिलती है मजबूती

अगर आप तेजी से फैट बर्न करना चाहते हैं तो बैटल रोप एक्सरसाइज लाभदायक है। कैलोरी बर्न करने के लिए जिम ट्रेनर भी बैटल रोप वर्कआउट की सलाह देते हैं। अगर समय के हिसाब से देखा जाये तो 5 मिनट तक बैटल रोप करने से लगभग 10 कैलोरी ऊर्जा आसानी से बर्न हो जाती है।

हार्ट के लिए बेस्ट

हृदय रोग के खतरे को कम करने के लिए बैटल रोप एक्ससाइज करनी चाहिए। हार्ट रेट को बेहतर करने में बैटल रोप एक्सरसाइज फायदेमंद होती है।

टाइटनेस

अगर आपको अपने हाथों में ज्यादा मजबूती और ताकत लानी है तो आपको बैटल रोप एक्ससाइज करनी चाहिए। बैटल रोप एक्सरसाइज से चेस्ट की टाइटनेस भी बढ़ती है। महिलाओं के लिए बैटल रोप एक्सरसाइज काफी फायदेमंद होता है।

ब्यूटी

आंखों के नीचे की त्वचा लटकने लगी है?

इन टिप्स से करें टाइट

सोचिए अगर ये आंखें न होती, तो यह दुनिया कितनी उदास नजर आती। इसलिए कहां जाता है कि आंखें हैं, तो सब कुछ है। आंखों की देखभाल में लापरवाही नहीं करनी चाहिए। अक्सर महिलाएं स्किन केयर में आंखों को भूल जाती हैं। आंखों के नीचे फाइन लाइन्स दिखने लगती है। इसके अलावा, अंडर आई स्किन ढीली पड़ जाती है, जिससे चेहरा बूढ़ा नजर आने लगता है। आंखों के नीचे लटकती स्किन को टाइट करने के लिए केमिकल और लेजर ट्रीटमेंट की जरूरत नहीं है। आप कुछ घरेलू नुस्खों को आजमाकर भी आंखों को सुंदर बनाए रख सकती हैं। चलिए जानते हैं लूज अंडर आई स्किन को टाइट कैसे करें- चेहरे पर रेटिनॉइड्स और रेटिनॉल का इस्तेमाल किया जाता है। यह स्किन प्रोडक्ट त्वचा को जवां बनाए रखने में मदद करता है। रेटिनॉइड विटामिन ए से बनाया जाता है। अगर आपकी आंखों के नीचे की त्वचा लटकने लगी है, तो चेहरे पर रेटिनॉइड बेस्ड प्रोडक्ट्स का उपयोग करें। आपको पता होना चाहिए कि कितनी मात्रा में रेटिनॉइड्स का इस्तेमाल करना चाहिए। इसके अत्यधिक उपयोग से ड्राईनेस, खुजली और रेडनेस की समस्या हो सकती है। स्किन को हाइड्रेट रखने से लेकर डार्क स्पॉट्स को हल्का करने के लिए चेहरे पर खीरे का इस्तेमाल किया जाता है। खीरा में भरपूर मात्रा में पानी पाया जाता है, स्किन और बॉडी के लिए पानी बेहद जरूरी है। अगर आपकी अंडर आई स्किन ढीली होने लगी है, तो आप इस समस्या से निजात पाने के लिए खीरा का इस्तेमाल कर सकती हैं। खीरा के उपयोग से आंखों के नीचे सूजन कम होती है। इसके अलावा, डार्क सर्कल्स की परेशानी को कम करने के लिए भी खीरे का इस्तेमाल करने से फायदा होगा।

आई मसाज कैसे करें?

चेहरे को मसाज करने से ब्लड सकुर्लेशन बढ़ता है, जिससे त्वचा ग्लोइंग नजर आती है। अक्सर बढ़ती उम्र के कारण आंखों के नीचे की त्वचा लटकने लगती है। अंडर आई स्किन को टाइट करने के लिए मसाज करें। रात को सोने से पहले आंखों के नीचे जोजोबा ऑयल लगाएं। अब फिंगरटिप की मदद से मसाज करें। मसाज करते वक्त ज्यादा दबाव न डालें।

आंखों के नीचे की लटकती त्वचा

स्किन में कोलेजन की कमी के चलते त्वचा लटकने लगती है। इसलिए स्किन पर ऐसे प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करना चाहिए, जिनमें कोलेजन पाया जाता है। आपको बाजार में कोलेजन बेस्ड अंडर आई क्रीम और मास्क मिल जाएंगे। इसके अलावा, एल-एस्कॉर्बिक एसिड आई लोशन स्किन टाइटनिंग के लिए असरदार प्रोडक्ट हैं। उम्मीद है कि आपको हमारा यह आर्टिकल पसंद आया होगा। इसी तरह के अन्य आर्टिकल पढ़ने के लिए हमें कमेंट कर जरूर बताएं और जुड़े रहें हमारी वेबसाइट हरजिंदगी के साथ।

जानिए दिल्ली मेरठ रैपिड रेल से जुड़ी 5 अहम बातें

सैर-सपाटा

भारत में पहली रैपिड ट्रेन की शुरूआत हो चुकी है। बीते दिन खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने उत्तर भारत के गाजियाबाद में स्थित वसुंधरा- सेक्टर 8 में बने नमो भारत को हरी झंडी दिखा दी है। 21 अक्टूबर से ही रैपिड रेल आम लोगों के लिए शुरू कर दी गई है। आज हम आपको दिल्ली मेरठ रैपिड रेल से जुड़ी कुछ अहम बातें बताने वाले है। हमारा देश सालों से रैपिड रेल का इंतजार कर रहा था। अब लोगों का यह इंतजार खत्म हो चुका है। इस ट्रेन की अधिकतम रफ़्तार 160 किमी प्रति घंटा है। पहले चरण में लोग साहिबाबाद से दुहाई तक 17 किमी का सफर तय करेगें। 'नमो भारत' को बनाते समय हर एक छोटी चीज का खास ख्याल रखा गया है। इस ट्रेन में आपको ओवरहेड लगेज रैक देखने को मिलेगा ,जो दिल्ली मेट्रो में नहीं है। इसके अलावा इस ट्रेन में आपको वाई-फाई भी मिलने वाला है। इसके साथ ही हर सीट के साथ इस ट्रेन में आपको मोबाइल और लैपटॉप चार्जिंग सॉकेट भी लगाया गया है। इस ट्रेन में दो क्लास है स्टैंडर्ड क्लास और प्रीमियम क्लास। स्टैंडर्ड क्लास का किराया 20 से 50 रुपये है और वहीं प्रीमियम क्लास की बात करें तो प्रीमियम क्लास में किराया 40 से 100 रुपये तक है। 6 कोच वाली इस ट्रेन का लुक बिल्कुल बुलेट ट्रेन की तरह है। पहले खंड में रैपिड रेल साहिबाबाद, गाजियाबाद, गुलधर, दुहाई और दुहाई डिपो के बीच चलाई जाएगी। इस ट्रेन को यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए निर्माण किया गया है। इस ट्रेन में आपको सब कुछ खास मिलने वाला है। इस ट्रेन को चलाने के लिए केवल पुरुष नहीं बल्कि महिला ड्राइवर को भी रखा गया है। इतना ही नहीं पुरुष संचालकों की तुलना में महिला संचालकों की संख्या काफी अधिक रखी गई है। अगर हमारी स्टोरी से जुड़े आपके कुछ सवाल हैं, तो वो आप हमें आर्टिकल के नीचे दिए कमेंट बॉक्स में बताएं। हम आप तक सही जानकारी पहुंचाने का प्रयास करते रहेंगे। अगर आपको ये स्टोरी अच्छी लगी है, तो इसे शेयर जरूर करें। ऐसी ही अन्य स्टोरी पढ़ने के लिए जुड़े रहें हरजिंदगी से।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-7-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-2-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। शुभांक-3-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। सिर्फ आश्वासनों से संतोष करना पड़ेगा। शुभांक-3-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-5-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। शुभांक-2-7-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-3-6-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। मीठे बोलने वालों से संभल कर रहें। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभ कार्यों में व्यय होगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिलेगा। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-1-3-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम होगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-5-9

काकुरो पहेली - 3074

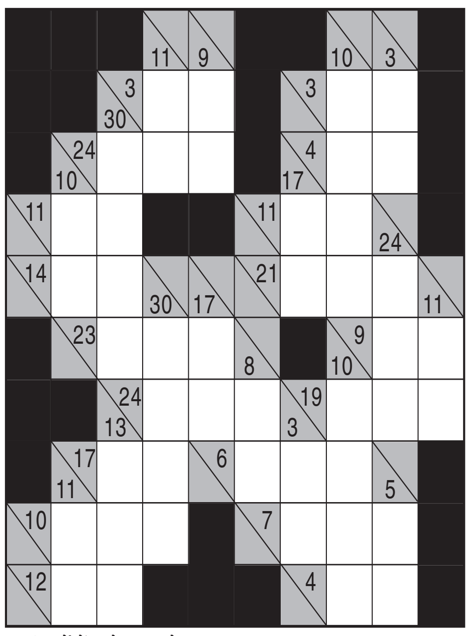

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

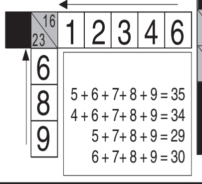

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो - 3073 का हल

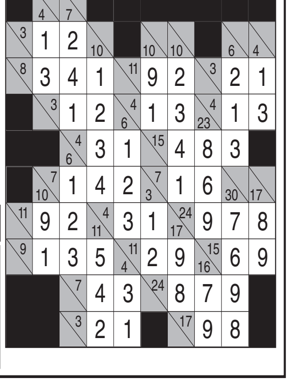

हंसी के फूव्वारें

एक व्यक्ति ने कहा, 'आज इंसानियत है कहाँ?'
दूसरा व्यक्ति झट से बोला, 'क्यों आपके घर में 'शब्दकोश' नहीं हैं.

आप चार बार तलाक देने के बाद पाँचवीं बार विवाह करने क्यों जा रहे हैं? पहले व्यक्ति ने पूछा.
'क्यों, क्या पाँचों अंगुलियाँ बराबर होती हैं?' दूसरे व्यक्ति ने कहा.

पत्नी-'आप नींद में बहुत बोलते हैं.'
पति-'तो क्या तुम चाहती हो कि मैं नींद में भी तुम्हारी ही सुनता रहूँ.'

रमेश बहुत शर्मीला था.
एक दिन पार्टी में उसने अपनी प्रेमिका को फूलों का एक गुलदस्ता भेंट किया. प्रेमिका एकदम से भाव-विभोर होते हुए उससे लिपट गई और उसने उसका चुम्बन ले लिया.
रमेश झेंपकर हॉल से बाहर जाने लगा. इस पर उसकी प्रेमिका ने डरते हुए पूछा- ''नाखुश हो गए ?''
''नहीं.''
रमेश जल्दी से बोला- ''नाखुश होने की कोई बात नहीं है. मैं और फूल लेने जा रहा हूं.''

फिल्म वर्ग पहेली- 3074

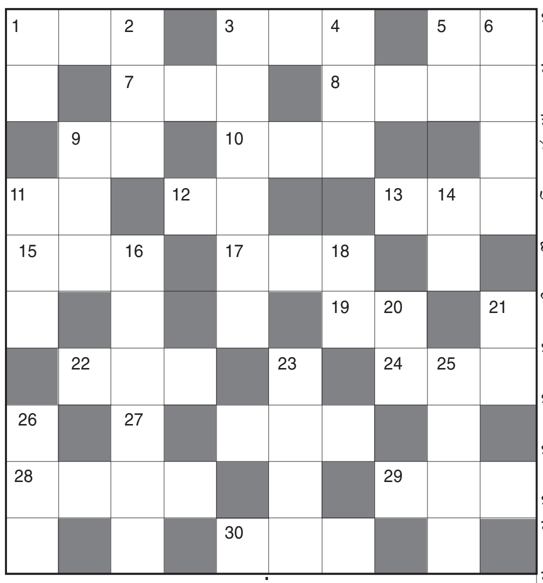

बायें से दायें:-

१. 'ये तारा वो तारा' गीत वाली आशुतोष गोवारीकर की फिल्म-३
३. 'तुम्हें अपना बनाने की' गीत वाली संजयदत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-३
५. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तन्हाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली जतिन ग्रेवाल, नेहा की फिल्म-३
८. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'रामजी की निरली सवारी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली ऋषिकपूर, डिम्पल की फिल्म-२
१०. राजेश खन्ना, शर्मिला की 'कन्हैया कन्हैया तुझे' गीत वाली फिल्म-३
११. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली अमिताभ, रवीना, नंदिता की फिल्म-२
१२. अमिताभ, जीनत की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'दिन सारा गुजारा' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा की फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'वो शाम कुछ अजीब थी' गीत वाली राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-३
१९. आमिर, जूही, ममता की 'धीरे धीरे आप मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'रिफ्यूजी' में अभिषेक के साथ नायिका कौन थी-३
२४. अक्षयकुमार, करीना की 'दिल ले गया परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'बहारों फूल बरसाओ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
२८. किशोरकुमार की 'एक चतुर नार करके सिंगार' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'फिर वही चांद वही गम' गीत वाली देवआनंद, नूतन की फिल्म-३
३०. डिनो, बिपाशा की 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'कैसे कटे दिन कैसे' गीत वाली राजेश, गोविंदा, जूही की फिल्म-२
२. अमिताभ, जयाप्रदा की 'मंजिलें अपनी जगह हैं' गीत वाली फिल्म-३
३. फिल्म 'तेरे नाम' में नायक कौन था-४,२
४. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
५. काहे कोयल शोर, मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
६. जीतेंद्र, लीना चंदावरकार की 'तूने तूने ओ सनम' गीत वाली फिल्म-४
९. 'है मुबारक आज का' गीत वाली मिथुन चक्रवर्ती, रति की फिल्म-३
११. संजय दत्त, अनिता की 'तुन्ना तुन्ना तक तक तुन्ना' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'हम तुम को निगाहो' गीत वाली सलमान, अरबाज, शिल्पा की फिल्म-२
१६. राजकपूर, वहीदा रहमान की 'सजन रे झूठ मत बोलो' गीत वाली फिल्म-३,३
१८. फिल्म 'मिस ४२०' में नायिका कौन थी-२
२०. सनी देओल, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'तू धरती पे चाहे जहाँ' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-२
२३. अजय देवगन, अमीषा पटेल की 'प्यार तो होता है प्यार' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'मेरे अंगने में तुम्हारा' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-४
२६. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की 'एक बगिया में रहती है' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3073

सूडोकु -3074

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3073 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

शब्द पहेली - 3074

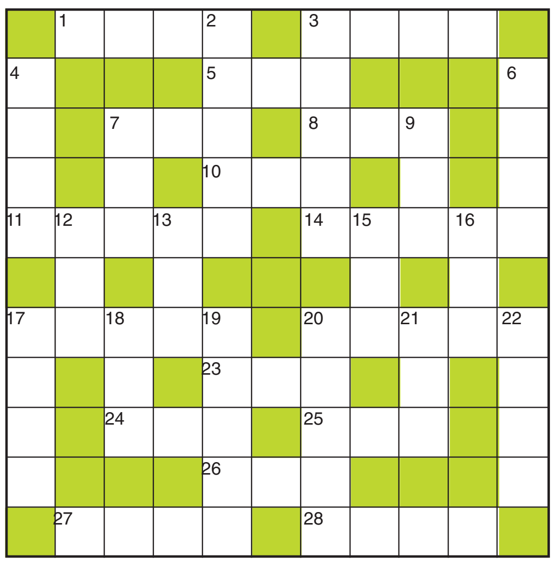

बाएँ से दाएँ

1.छुट्टी,रजा-4
3.वध,आघात-4
5.दशानन-3
7.अनमोल,अनूठा-3
8.अनाथ,बेसहारा-3
10.खजूर-3
11.रहम करना-2,3
14.गहराई नापना-2,3
17.लगातार,सतत-5
20.संतुष्ट होना-2,3
23.बीच में,दौरान-3
24.खुश,आनंदित-3
25.शिक्षा-3
26.शोक-3
27.जांचना,परखना-4
28.धार्मिक विधि का आयोजन करने वाला-4

ऊपर से नीचे

2.मयखाना,मधुशाला-5
3.प्रेमकहानी-5
4.चापलूसी-4
6.नटना,वचन तोड़ना-4
7.फिजूल,व्यर्थ-3
9.अव्यवस्थित समूह,भीड़-3
12.गुजर करना-3
13.वेग,गति-3
15.खूबसूरत-3
16.पर्वतीय मैदान, समतल पर्वत-3
17.गुजारिश,मांग-4
18.सुअर-3
19.गुस्सा होना-5
20.ममतापूर्ण-5
22.अयोग्य, असंगत-4

शब्द पहेली - 3073 का हल

आईसीसी की 2023 की सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय पुरुष क्रिकेट टीम के कप्तान बने रोहित

दुबई (एजेंसी)। मंगलवार को रोहित शर्मा को आईसीसी की साल की सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय टीम का कप्तान चुना गया जिसमें स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और मोहम्मद शमी तथा मोहम्मद सिराज की तेज गेंदबाजी जोड़ी के अलावा दो और भारतीयों को जगह मिली है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के बयान के अनुसार टीम में जगह बनाने वाले अधिकतर खिलाड़ी फाइनल में पहुंचे भारत (उप विजेता) और ऑस्ट्रेलिया (विजेता) के अलावा सेमीफाइनल में जगह बनाने वाले न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका से हैं। पारी का आगाज करने का मौका रोहित और शुभमन गिल को दिया गया है। भारतीय कप्तान ने पिछले साल एकदिवसीय प्रारूप में 52 के औसत से 1255 रन बनाए। गिल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 208 रन की पारी खेली और 1584 रन के साथ इस प्रारूप में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। तीसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड को जगह मिली है जिन्होंने पिछले साल लगातार अच्छा प्रदर्शन किया और भारत के खिलाफ फाइनल में 137 रन की पारी खेली।

मध्य क्रम में कोहली, न्यूजीलैंड के डेरिल मिशेल के अलावा दक्षिण अफ्रीका के हेनरिक क्लासेन और मार्को यानसेन शामिल हैं। कोहली एकदिवसीय प्रारूप में 1337 रन बनाकर दूसरे सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। उन्होंने पिछले साल छह शतक लगाए। उन्होंने एकदिवसीय प्रारूप में सर्वाधिक शतक के सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड को तोड़ा और विश्व कप के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए। मिशेल ने पांच शतक की मदद से 52.34 के औसत और 100.24 के स्ट्राइक रेट से 1204 रन बनाए। क्लासेन ने भी पूरे साल बल्ले से दबदबा बनाया। उन्होंने सेंचुरियन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 174 रन की मैच विजयी पारी भी खेली।

गेंदबाजी आक्रमण में सिराज, शमी और कुलदीप यादव की भारतीय तिकड़ी के अलावा ऑस्ट्रेलिया के एडम जंपा को जगह मिली है। जंपा ने 26.31 के औसत से 38 विकेट चटकाए और विश्व कप के लगातार तीन मुकाबलों में चार विकेट चटकाए। वह प्रतियोगिता में सर्वाधिक विकेट चटकाने वाले गेंदबाजों की सूची में दूसरे नंबर पर रहे। सिराज ने पिछले साल 44 विकेट चटकाए जिसमें श्रीलंका के खिलाफ एशिया कप फाइनल में 21 रन देकर छह विकेट भी शामिल रहे। भारत ने एशिया कप फाइनल में श्रीलंका पर एकतरफा जीत दर्ज की। कुलदीप ने पिछले साल 49 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय विकेट हासिल किए।

पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप के सुपर चार चरण में 25 रन देकर पांच विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। शमी ने पूरे साल शानदार प्रदर्शन करते हुए चार बार पारी में पांच या इससे अधिक विकेट चटकाए। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन मुंबई में विश्व कप सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 57 रन पर सात विकेट रहा। किसी भी भारतीय खिलाड़ी को आईसीसी की साल की सर्वश्रेष्ठ महिला एकदिवसीय टीम में जगह नहीं मिली।

जोकोविच 11वीं बार आस्ट्रेलियाई ओपन सेमीफाइनल में पहुंचे

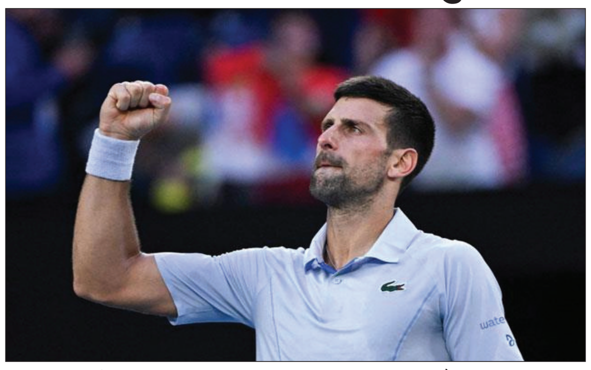

मेलबर्न (एजेंसी)। नोवाक जोकोविच ने टेलर फ्रिट्ज को करीब चार घंटे तक चले मैराथन मुकाबले में हराकर 11वीं बार आस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। जोकोविच ने यह मुकाबला 7.6, 4.6, 6.2, 6.3 से जीता। वह जितनी बार भी यहां क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, उतनी बार अपराजेय रहे।

24 बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन ने मेलबर्न पार्क पर सभी दस सेमीफाइनल और फाइनल जीते हैं। वह 48वीं बार ग्रैंडस्लैम सेमीफाइनल में पहुंचे हैं जहां उनका सामना चौथी वरीयता प्राप्त यानिक सिनेर या पांचवीं वरीयता प्राप्त आंद्रेइ रूबलेव से होगा। जोकोविच ने अब तक एक को छोड़कर सभी मुकाबलों में फ्रिट्ज को सीधे सेटों में हराया था। आस्ट्रेलिया में 2021 में मुकाबला पांच सेटों तक खिंचा था। महिला वर्ग में कोको गाफ ने यूक्रेन की मार्ता कोस्त्युक को 7.6, 6.7, 6.2 से मात दी। अब उनका सामना गत चैम्पियन एरिना सबालेंका या बारबरा क्रेइसिकोवा से होगा।

एकदिवसीय विश्वकप में टीम के खराब प्रदर्शन के लिए अशरफ जिम्मेदार: इंजमाम

मुम्बई (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट में विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब पूर्व कप्तान इंजमाम-उल-हक ने कहा है कि गत वर्ष हुए एकदिवसीय विश्वकप में टीम के खराब प्रदर्शन के लिए उस समय पीसीबी प्रमुख रहे जका अशरफ जिम्मेदार हैं। पाक टीम की हार के बाद मुख्य कोच और चयन समिति के अध्यक्ष रहे इंजमाम के अलावा टीम के कप्तान बाबर आजम ने भी इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद अशरफ को भी अध्यक्ष पद से इस्तीफा देना पड़ा। वहीं इससे पहले अशरफ ने कहा कि विश्व कप टीम का चयन कप्तान और मुख्य चयनकर्ता ने किया था और बोर्ड का उसमें कोई दखल नहीं था। इसलिए इस मामले में उनकी कोई जिम्मेदारी नहीं बनती। विश्ववकप में पाक टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और वह अंक तालिका में पांचवें स्थान पर रही और नॉकआउट के लिए क्वालीफाई नहीं कर पायी।

इंजमाम ने कहा, क्या आप खिलाड़ियों की मानसिकता की कल्पना कर सकते हैं जब विश्व कप जैसे शीर्ष आयोजन के दौरान वे सुनते हैं कि पीसीबी अध्यक्ष कह रहे हैं कि टीम का चयन बोर्ड द्वारा नहीं बल्कि कप्तान और मुख्य चयनकर्ता द्वारा किया गया था। उन्होंने कहा, इससे खिलाड़ियों के दिमाग में क्या चल रहा होगा जब उन्होंने सुना कि मुख्य चयनकर्ता के खिलाफ भी एक जांच समिति बनाई गई है और उन्होंने इस्तीफा दे दिया है। मैं अभी भी अपने खिलाफ उस जांच समिति की उस रिपोर्ट का इंतजार कर रहा हूं जो यह जांच करने के लिए बनाई गई थी कि मुख्य चयनकर्ता रहते हुए मैंने हितों का टकराव किया था या नहीं।

महिला प्रीमियर लीग 2024 का पूरा शेड्यूल आया सामने, 23 फरवरी से शुरू होगा टूर्नामेंट

डरबन (एजेंसी)। महिला प्रीमियर लीग 2024 का पूरा शेड्यूल सामने आ गया है जिसमें पिछले साल की चैंपियन मुंबई इंडियंस बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में शुरुआती मैच में दिल्ली कैपिटल्स से भिड़ेगी। डब्ल्यूपीएल का 2024 सीजन 23 फरवरी से शुरू होने वाला है जिसका फाइनल 17 मार्च को नई दिल्ली में खेला जाएगा।

इस साल महिला प्रीमियर लीग में कुल 22 मैच होंगे। फाइनल मैच 17 मार्च को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा। सभी मैच शाम 7:30 बजे शुरू होंगे। एलिमिनेटर 15 मार्च को खेला जाएगा। पिछले सीजन की तरह डब्ल्यूपीएल में कोई होम-अवे प्रारूप नहीं होगा। हालांकि आगामी सीजन में टूर्नामेंट दो शहरों, दिल्ली और बेंगलुरु में खेला जाएगा।

डब्ल्यूपीएल का 2024 सीजन पिछले साल के समान प्रारूप का पालन करेगा जिसमें लीग चरण में शीर्ष तीन टीमें प्लेऑफ़ के लिए क्वालीफाई करेंगी। लीग तालिका में शीर्ष पर रहने वाली टीम सीधे फाइनल के लिए क्वालीफाई करेगी जबकि दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमें 15 मार्च को एलिमिनेटर खेलेंगी। पिछले साल भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व में मुंबई इंडियंस ने डब्ल्यूपीएल के उद्घाटन सत्र में दिल्ली कैपिटल्स को 7 विकेट से हराकर चैंपियन का खिताब जीता था। डीसी कप्तान मेग लैनिंग 345 रन बनाकर टूर्नामेंट के अग्रणी रन-स्कोरर रहीं जबकि एमआई की हेले मैथ्यूज ने 10 मैचों में 16 विकेट लेकर पर्पल कैप जीती।

डब्ल्यूपीएल 2024 का पूरा कार्यक्रम इस प्रकार है

23 फरवरी– मुंबई इंडियंस बनाम दिल्ली कैपिटल्स, बेंगलुरु
24 फरवरी– रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर बनाम यूपी वॉरियर्स, बेंगलुरु
25 फरवरी– गुजरात जायंट्स बनाम मुंबई इंडियंस, बेंगलुरु
26 फरवरी – यूपी वॉरियर्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स, बेंगलुरु
27 फरवरी – रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर बनाम गुजरात जायंट्स, बेंगलुरु
28 फरवरी – मुंबई इंडियंस बनाम यूपी वॉरियर्स, बेंगलुरु
29 फरवरी – रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर बनाम दिल्ली कैपिटल्स, बेंगलुरु
1 मार्च – यूपी वॉरियर्स बनाम गुजरात जायंट्स, बेंगलुरु
2 मार्च – रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर बनाम मुंबई इंडियंस, बेंगलुरु
3 मार्च – गुजरात जायंट्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स, बेंगलुरु
4 मार्च – यूपी वॉरियर्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर, बेंगलुरु
5 मार्च – दिल्ली कैपिटल्स बनाम मुंबई इंडियंस, दिल्ली
6 मार्च – गुजरात जायंट्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर, दिल्ली
7 मार्च – यूपी वॉरियर्स बनाम मुंबई इंडियंस, दिल्ली
8 मार्च – दिल्ली कैपिटल्स बनाम यूपी वॉरियर्स, दिल्ली
9 मार्च– मुंबई इंडियंस बनाम गुजरात जाइंट्स, दिल्ली
10 मार्च – दिल्ली कैपिटल्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर, दिल्ली
11 मार्च – गुजरात जायंट्स बनाम यूपी वॉरियर्स, दिल्ली
12 मार्च – मुंबई इंडियंस बनाम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर, दिल्ली
13 मार्च – दिल्ली कैपिटल्स बनाम गुजरात जाइंट्स, दिल्ली
15 मार्च – दिल्ली में एलिमिनेटर
17 मार्च – दिल्ली में फाइनल (अरुण जेटली स्टेडियम)

खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2023 : सपना ने जूडो में जीता गोल्ड मेडल, पिता करते हैं वेल्डर का काम

नई दिल्ली। तमिलनाडु के चेन्नई में चल रहे खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2023 में सपना जूडो खेलते हुए अपने सपनों को साकार कर रही। इस प्रतियोगिता में सपना ने दूसरा गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रच दिया है। उन्होंने सोमवार यानी 22 जनवरी को ये मेडल जुडो अंडर–40 किलोग्राम वर्ग में जीता। बता दें कि सपना अभी 12वीं क्लास में पढ़ रही हैं। उनकी बचपन से ही मेडल जीतने में रुचि रही है। योग से शुरु हुआ सफर जुडो तक पहुंचा। यहां तक कि सपना ने कोविड के दौरान भी ट्रेनिंग करना नहीं छोड़ा था। सपना का सफर योग से शुरू हुआ, पांच साल पहले उन्हें कुछ दोस्तों ने जुडो में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। सपना के नाम अब 12 मेडल है, बता दें कि सपना के पिता एक वेल्डर हैं जबकि मां एक हाउसवाइफ हैं। सपना का कहना है कि वो मेडल के लिए पागल थी, चाहे खेल कोई भी हो। सपना ने कहा कि, मैं केवल मेडल जीतना चाहती थी, पास के स्कूल में मैंने कुछ बच्चों को योगा करते देखा और मैं भी उनके साथ शामिल हो गई। लेकिन कुछ दिनों बाद मेरी वहां कुछ अन्य बच्चों से दोस्ती हो गई और उन्हें जूडो की ट्रेनिंग लेते हुए देखा। मुझे ये खेल तुरंत पसंद आया और मैंने इसे जारी रखने का फैसला किया और इस तरह सफर शुरू हुआ।

राहुल इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में विकेटकीपिंग नहीं करेंगे : द्रविड़

हैदराबाद। बल्लेबाज केएल राहुल को इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी नहीं मिलेगी। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा है कि राहुल इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में विकेटकीपिंग नहीं करेंगे। भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज गुरुवार से हैदराबाद में शुरू हो रही है।

द्रविड ने कहा कि इसका कारण ये है कि टीम में दो अच्छे विकेटकीपर रखे गये हैं। इस सीरीज में केएस भरत और ध्रुव जुरेल को विकेटकीपर के तौर पर टीम में जगह दी गयी है। द्रविड़ ने कहा, राहुल सीरीज में विकेटकीपर के रूप में नहीं खेलेंगे। हमने टीम चयन में ही ये साफ कर दिया था। हमने दो अन्य लोगों को विकेटीपर के तौर पर रखा था। राहुल ने दक्षिण अफ्रीका में अपना काम काफी अच्छी प्रकार से किया था और उस सीरीज को ड्रा कराने में अहम भूमिका निभाई थी पर पांच टेस्ट मैचों की लंबी सीरीज को देखते हुए उन्हें विकेटकीपिंग से आराम देते हुए दो अन्य विकेकीपरों को ये जिम्मेदारी दी गयी है। भारतीय टीम पहले टेस्ट में अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के बिना उतरेगा। विराट ने निजी कारणों से इस टेस्ट से अपना नाम वापस लिया था। टीम की कप्तान रोहित शर्मा करेंगे। वहीं जसप्रीत बुमराह उप–कप्तान की भूमिका में रहेंगे। 16 सदस्यीय भारतीय टीम में अवेश खान, मोहम्मद सिराज और मुकेश कुमार भी शामिल रहेंगे।

इंग्लैंड बनाम पहले दो टेस्ट के लिए भारतीय टीम : रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जयसवाल, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), केएस भरत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जड़ेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मो. सिराज, मुकेश कुमार, जसप्रित बुमरा (वीसी) और अवेश खान।

एक जैसी गलतियां दोहराने के कारण हारी भारतीय महिला हॉकी टीम

टोक्यो (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम के क्वालीफाई नहीं कर पाने के बाद जहां खिलाड़ियों में निराश है। वहीं इससे ये भी साफ हो गया है कि टीम अपनी गलतियों को अबतक टीम नहीं कर पायी है। टीम पैनाल्टी कार्नर को गोल में बदलने में असफल रहने के साथ ही बार बार एक सी गलतियों को करती दिखी। इसके अलावा उसके प्रदर्शन में निरंतरता की कमी भी नजर आयी। वहीं टीम के मुख्य कोच यानेके शॉपमैन को हटाया जाना भी अब तय है। हॉकी इंडिया ने हालांकि अभी किसी बदलाव से इंकार किया है। पिछले दो ओलंपिक खेल चुकी भारतीय महिला हॉकी टीम तीन दशक की मेहनत के बाद भी विश्व स्तर पर अभी सफल नहीं हो पायी है। टोक्यो ओलंपिक में टीम चौथे स्थान पर रही थी।

वहीं हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह ने कहा, '' यह निराशाजनक रहा। अब हमें अगले ओलंपिक के लिए नये सिरे से शुरुआत करनी होगी। अगले ओलंपिक की तैयारी में अभी चार साल का पर्याप्त समय है।'' भारतीय टीम के खराब प्रदर्शन के लिए हॉकी इंडिया के कुछ फैसलों को भी जिम्मेदार बताया जा रहा है। टोक्यो ओलंपिक में भारतीय टीम की कप्तान रही रानी रामपाल को बिना किसी कारण के बाहर कर दिया गया। रानी को टीम से हटाकर जूनियर टीम के कोच पद की जिम्मेदारी दे दी गयी। इसके अलावा पेनल्टी कॉर्नर विशेषज्ञ दीप ग्रेस इक्का और गुरजीत कौर की जगह अनुभवहीन युचा खिलाड़ियों को शामिल कर लिया गया। को भी युवा खिलाड़ियों को जगह देने के लिये बाहर किया गया लेकिन यह फैसला भी आत्मघाती रहा। मुख्य कोच शॉपमैन भी टीम के साथ लगातार नहीं बने रहे जिससे भी टीम को नुकसान हुआ।

भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार पर इंग्लैंड दे सकती है झटके : वॉन

लंदन(एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा है कि इस सीरीज में भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है। वॉन के अनुसार भारतीय टीम को घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। दोनो ही टीमों के बीच पांच मैचों की ये टेस्ट सीरीज होगी। वॉन के अनुसार इंग्लैंड की टीम बैखौफ होकर खेल रही है। इसलिए वह भारतीय टीम को हरा भी सकती है।

वॉन ने भारतीय टीम को सीरीज का प्रबल दावेदार बताया है। उन्होंने लिखा, मैं वास्तव में भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का इंतजार कर रहा हूं। भारतीय टीम इसमें पसंदीदा है पर मुझे लगता है कि इंग्लैंड उन्हें एक या दो झटके दे सकती है। ऐसा हैदराबाद में भी हो सकता है। इंग्लैंड की टीम आक्रामक क्रिकेट खेलती है जिसका लाभ उसे मिल सकता है। इंग्लैंड की टीम को आक्रामक खेला से काफी फायदा हुआ है पर पहली बार ब्रैंडन मैकुलम और बेन स्टोक्स की जोड़ी भारत में टेस्ट क्रिकेट खेलेगी।

भारतीय टीम घरेलू धरती पर एक दशक से ज्यादा समय से टेस्ट सीरीज नहीं हारी है। वहीं इंग्लैंड की टीम ने अपनी आक्रामक रणनीति से से काफी मैच जीते हैं। इससे पहले पाकिस्तान में भी इंग्लैंड ने आक्रामक खेल से ही टेस्ट सीरीज जीती थी। इसके अलावा एशेज सीरीज को 0-2 से पिछड़ने के बाद भी बराबरी पर ला दिया था। इंग्लैंड की टीम को इससे पहले के भारत दौरे में मिली सीरीज जीत का भी मनोवैज्ञानिक लाभ मिलेगा।

एलताज सफारली बने फुजेराह एंडोरेंस ब्लिट्ज़ शतरंज के विजेता, भारत के रौनक बने उपविजेता

फुजेराह, यूएई। अजरबैजान के अनुभवी ग्रांड मास्टर एलताज सफारली नें बेहतर टाईब्रेक के आधार पर भारत के युवा ग्रांड मास्टर रौनक साधवानी को पीछे छोड़ते हुए फुजेराह एंडोरेंस ब्लिट्ज़ शतरंज का खिताब अपने नाम कर लिया है। एलताज नें नौ राउंड में 6 जीत और 3 ड्रॉ खेलते हुए 7.5 अंक बनाए और इतने ही अंक बनाने वाले भारत के रौनक से दूसरे टाईब्रेक में 0.5 अंको से आगे रहे और पहला स्थान हासिल कर लिया। रौनक 7.5 अंक बनाकर उपविजेता रहे। ब्लिट्ज में 2667 रेटिंग वाले रौनक नें 2719 रेटिंग का प्रदर्शन किया। रौनक ने सबसे बड़ी जीत तजाकिस्तान के ग्रांड मास्टर फारुख ओमानतोव के खिलाफ पांचवे राउंड में दर्ज की, आखिरी राउंड में उन्होने अजरबैजान के गादिर गशिमोव से ड्रॉ खेला। फारुख 6.5 अंक बनाकर तीसरे स्थान पर रहे। अन्य खिलाड़ियों में टर्की के अज़ीज़ मेर्ट, अजरबैजान के गादिर गशिमोव, मालदोवा के विक्टर बोलोगन, अजरबैजान के अर्कडीज़ नाइडिश, उक्रेन के एडम तुखेव और मालदोवा के वीओरेल लोरडचेसचु 6 अंक बनाकर टाईब्रेज़ के आधार पर क्रमश: चौंथे से नौवे स्थान पर रहे। जॉर्जिया के मिखेल एम 5.5 अंक बनाकर दसवें स्थान पर रहे। फुजेराह के क्राउन प्रिंस शेख मोहम्मद बिन हमाद नें विजेताओं को पुरुष्कृत किया। प्रतियोगिता में कुल 24 देशो के खिलाड़ियों नें भाग लिया।

इंडोनेशिया मास्टर्स में प्रणव से रहेंगी उम्मीदें, सात्विक–चिराग हटे

जकार्ता। एचएस प्रणय इंडोनेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की ओर से एकल में पदक के प्रबल दावेदार होंगे। इसका कारण ये है कि पुरुष युगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी टूर्नामेंट से हट गई है। सात्विक और चिराग की जोड़ी ने अपने व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए इस टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है। इस जोड़ी के हटने से टूर्नामेंट में भारत की उम्मीदों को झटका लगा है। चिराग और सात्विक के नहीं होने से पुरुष युगल में एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला एकमात्र भारतीय जोड़ी होगी। वहीं एकल में प्रणय अपना पहला मैच सिंगापुर के लोह कीन यीयु से खेलेंगे। इस मैच प्रणय जीत के प्रबल दावेदार हैं क्योंकि यीयु के खिलाफ वह चार मुकाबले जीते और और उन्हें केवल एक हार मिली है। प्रणय पिछले हफ्ते इंडिया ओपन के सेमीफाइनल में भी पहुंचे थे जहां उन्हें चीन के शी युकी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। प्रणय के अलावा भारत के ही लक्ष्य सेन पर भी सभी की नजरें रहेंगी। उन्हें पहले दौर में चीन के वेंग होंग येंग से खेलना है। इसके अलावा विश्व के 25वें नंबर के खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत पहले दौर में मलेशिया के ली जी जिया से खेलेंगे जबकि प्रियांशु की टक्कर डेनमार्क के रासमुस गेम्के से होगी।

अल्कारेज ऑस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टर फाइनल में, ज्वेरेव से होगी भिड़ंत

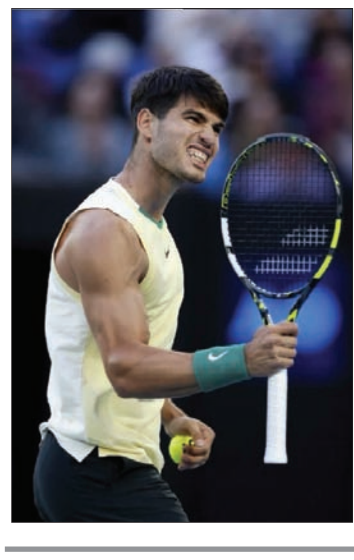

मेलबर्न (एजेंसी)। दूसरे वरीय कार्लोस अल्कारेज ने सीधे सेट में जीत के साथ सोमवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई जहां उनकी भिड़ंत ओलंपिक चैंपियन एलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगी। बीस साल के विंबलडन चैंपियन अल्कारेज 2023 में चोट के कारण सत्र के इस पहले ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में नहीं खेल पाए थे।

दूसरे वरीय अल्कारेज ने प्री क्वार्टर फाइनल में मियोमिर केसमानोविच को दो घंटे से भी कम समय में 6-4, 6-4, 6-0 से हराया। ज्वेरेव ने एक अन्य प्री क्वार्टर फाइनल में 19वें नंबर के खिलाड़ी कैमरन नूरी को चार घंटे तक चले कड़े मुकाबले में 7-5, 3-6, 6-3, 4-6, 7-6 से हराया। दानिल मेदवेदेव भी क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में सफल रहे जबकि मेदवेदेव ने सोमवार को नुनो बोर्गेस को 6-3 7-6 5-7 6-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अंतिम आठ के मुकाबले में उनकी भिड़ंत नौवें नंबर के ह्युबर्ट हुरकाज से होगी जिन्होंने फ्रांस के वाइल्ड कार्ड धारक आर्थर केजो को 7-6, 7-6, 6-4 से हराया।

पुरुष एकल में शीर्ष वरियता प्राप्त खिलाड़ी चुनौती में बने हुए है तो महिला एकल में 12वें पायदान पर काबिज झेंग किनवेन शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी है। झेंग ने रैंकिंग में 95वें स्थान पर काबिज ओशियन डोडिन को 6-0, 6-3 से हराया। वह अगले दौर में रैंकिंग में 75वें पायदान पर काबिज अन्ना कलिंस्काया का सामना करेंगी। झेंग और कलिंस्काया के अलावा डायना यास्त्रेमस्का और लिंडा नोसकोवा ने पहली बार इस टूर्नामेंट के महिला एकल के अंतिम आठ में जगह बनाई। कलिंस्काया ने रैंकिंग में 26वें स्थान पर काबिज जैस्मिन पाओलिनी 6-4,6-2 से मात दी। यास्त्रेमस्का ने महिला एकल में दो बार की चैंपियन विक्टोरिया अजारेंका को सीधे सेट में 7-6 6-4 से हराया जबकि 18वें नंबर की एलिना स्वितोलिना जब नोसकोवा से 0-3 से पीछे चल रहीं थी तो उन्होंने पीठ की चोट के कारण मुकाबले से हटने का फैसला किया।

अजारेंका को पहले सेट में दो बार अपनी सर्विस पर सेट जीतने का मौका मिला और 6-5 के स्कोर पर उनके पास दो सेट प्वाइंट थे लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा सकीं। यूक्रेन की यास्त्रेमस्का ने इसके बाद 74 मिनट में पहला सेट जीता। दूसरे सेट में भी बेलारूस की अजारेंका 3-0 ने आगे थी लेकिन यास्त्रेमस्का ने अगले सात में से छह गेम जीतकर मैच अपने नाम किया। यूक्रेन और रूस तथा बेलारूस के खिलाड़ियों के बीच परिपाटी को आगे बढ़ाते हुए अजारेंका और यास्त्रेमस्का ने हाथ नहीं मिलाए। नोसकोवा-स्वितोलिना के बीच हुए मुकाबले का पहला गेम 11 मिनट चला। नोसकोवा ने स्वितोलिना की सर्विस तोड़ी और फिर अपनी सर्विस बचाकर स्कोर 2-0 किया।

स्वितोलिना ने टाइम आउट लेकर कमर का उपचार कराया। मैच शुरू होने पर यूक्रेन की स्वितोलिना की सर्विस की गति काफी कम थी और उन्हें मूवमेंट में भी परेशानी हो रही थी। नोसकोवा ने इसका फायदा उठाकर फिर सर्विस तोड़ी और स्वितोलिना ने मुकाबले से हटने का फैसला किया।

छत्तीसगढ़ में आप को बड़ा झटका, 500 से अधिक कार्यकर्ता भाजपा में शामिल

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आम आदमी पार्टी (आप) को उस समय बड़ा झटका लगा, जब मंगलवार को उसके 500 से अधिक पार्टी कार्यकर्ता सामूहिक रूप से इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल हो गए। यह सामूहिक पलायन इस महीने की शुरुआत में आप की छत्तीसगढ़ इकाई के प्रमुख कोमल हुपेंडी और छह अन्य प्रमुख सदस्यों के इस्तीफे के बाद हुआ है। दलबदलुओं ने भाजपा में जाने का कारण आप के नेतृत्व से मोहभंग और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास और राष्ट्रवादी एजेंडे की प्रशंसा बताया। उन्होंने राष्ट्रीय आस्था के प्रतीक के रूप में अयोध्या में राम मंदिर की स्थापना की सराहना की और भाजपा के शासन रिकॉर्ड की सराहना की। इस कदम को राज्य इकाई की चिंताओं और चुनावी रणनीति के प्रति आप के शीर्ष नेतृत्व की कथित उदासीनता की प्रतिक्रिया के रूप में देखा जा रहा है। हुपेंडी, जो 2016 से पार्टी के साथ थे, ने 2023 के विधानसभा चुनावों के दौरान केंद्रीय नेतृत्व से समर्थन की कमी पर निराशा व्यक्त की। सभी 90 सीटों पर चुनाव लड़ने की प्रारंभिक योजना के बावजूद, आप ने केवल 54 निर्वाचन क्षेत्रों में अपने उम्मीदवार उतारे और एक भी सीट सुरक्षित करने में विफल रही, केवल 1 प्रतिशत से कम वोट शेयर हासिल किया।

डायमंड कारोबारी मुकेश पटेल ने रामलला को भेंट किया 11 करोड़ का मुकुट

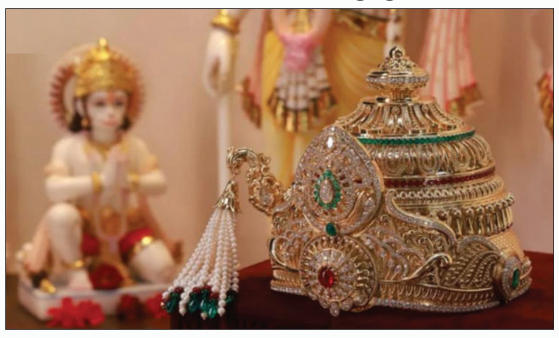

सूरत। गुजरात के डायमंड कारोबारी मुकेश पटेल ने रामलला को 11 करोड़ रुपये कीमत का मुकुट भेंट किया है। उन्होंने परिवार संग पहुंचकर यह भेंट अयोध्या मंदिर को की है। गौरतलब है कि प्रदेश और अयोध्या समेत पूरे देश के लिए 22 जनवरी का दिन ऐतिहासिक रहा, 5 शताब्दियों के बाद प्रभु श्रीराम अपने भव्य और दिव्य राम मंदिर में विराजमान हुए। इधर अयोध्या में राम जन्मभूमि पर बने भगवान श्री राम के मंदिर के लिए सूरत के डायमंड कारोबारी ने 11 करोड़ रुपए की कीमत का एक मुकुट दान किया है। मुकुट दान करने के लिए डायमंड कारोबारी अपने परिवार समेत खुद अयोध्या धाम राम मंदिर पहुंचे थे। मिली जानकारी के अनुसार सूरत के डायमंड कारोबारी मुकेश पटेल ने अपनी ग्रीन लैब डायमंड कंपनी में ही सोना, डायमंड, और नीलम जड़ित कुल 6 किलो वजन वाला भगवान रामलला के लिए मुकुट तैयार करवाया था। 11 करोड़ की कीमत का बने मुकुट को भेंट करने के लिए डायमंड कारोबारी मुकेश पटेल परिवार के साथ रामलला मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह से एक दिन पहले ही अयोध्या पहुंच गए थे। उन्होंने मंदिर के मुख्य पुजारी को गर्भ गृह में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट को भगवान श्री रामलला के लिए तैयार किए गए सोने और अन्य आभूषण जड़ित मुकुट को अर्पित किया था। इस दौरान विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय खजांची दिनेश भाई नावडिया ने बताया कि ग्रीन लैब डायमंड कंपनी के मालिक मुकेश भाई पटेल ने अयोध्या के विश्व प्रसिद्ध नवनिर्मित मंदिर में भगवान श्रीराम के लिए कुछ आभूषण अर्पण करने के बारे में सोचा था। परिजनों और कंपनी में परामर्श करने के बाद तय किया कि भगवान श्री राम के लिए सोना और अन्य रत्नों से जड़ित मुकुट अर्पण किया जाएगा। इसके लिए भगवान रामलला की मूर्ति के मुकुट के माप के लिए कंपनी के दो कर्मचारी अयोध्या भेजे गए थे। जो मूर्ति का माप लेकर सूरत आए और उसके बाद मुकुट बनाने का काम शुरू किया गया। कुल 6 किलो वजन के इस मुकुट में 4 किलो सोना उपयोग हुआ है। मुकुट में छोटे-बड़े साइज के डायमंड, माणिक, मोती और नीलम जैसे रत्न करीने से जड़े गए हैं।

बधाई हो : कूनो में ज्वाला के घर तीन शावकों ने लिया जन्म

नई दिल्ली। बधाई हो...नामीबिया से आई ज्वाला ने तीन शावकों को जन्म दिया। इस खबर से पूरे कूना में उत्साह है। मेडिकल टीम के मुताबिक, नवजात शावकों की हेल्थ कंडीशन ठीक है और उनकी देखभाल की जा रही है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने इसका वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर शेयर किया है। गौरतलब हो, बीते दिनों मादा चीता आशा ने भी 3 शावकों को जन्म दिया था। पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा कूनो के नए शावक, ज्वाला नाम की नामीबियाई चीता ने तीन शावकों को जन्म दिया है, यह नामीबियाई चीता आशा द्वारा अपने शावकों को जन्म देने के कुछ ही सप्ताह बाद एक और गुड न्यूज है। सभी वन्यजीव वन्यजीव प्रेमियों को बधाई। भारत में इसी तरह से वन्य जीवन बढ़ता रहे। प्रोजेक्ट चीता सफल हो। जानकारी के अनुसार, इससे पहले इससे पहले मार्च 2023 में मादा चीता ज्वाला ने चार शावकों को जन्म दिया था, लेकिन एक ही शावक जिंदा बच पाया। तब कूनो प्रबंधन ने शावकों की मौत की वजह भीषण गर्मी को बताया था। ज्वाला को पहले शियाया के नाम से जाना जाता था बाद में इसका नाम ज्वाला रखा गया था। कूनो नेशनल पार्क में पिछले 1 महीने में अबतक 6 शावकों का जन्म हो चुका है। नामीबिया से आई मादा चीता ज्वाला ने 3 शावकों को जन्म दिया है। जबकि, बीते दिनों मादा चीता आशा ने भी 3 शावकों को जन्म दिया था। 3 जनवरी को मादा चीता आशा ने 3 शावकों को जन्म दिया था। इनमें से सभी चीते स्वस्थ हैं और केएनपी की टीम उनकी खास देखभाल कर रही है।

उत्तर भारत में पांच दिनों तक जारी रहेगा घना कोहरा

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि अगले 4-5 दिनों के दौरान उत्तर भारत में घने कोहरे की स्थिति जारी रहने की संभावना है, जबकि अगले तीन दिनों के दौरान उत्तर भारत में अधिक ठंडे दिन की स्थिति बनी रहने और उसके बाद तीव्रता में कमी आने की संभावना है। आईएमडी ने अपने दैनिक बुलेटिन में कहा कि उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में समुद्र तल से 12.6 किमी ऊपर 130-150 समुद्री मील की जेट स्ट्रीम हवाएं चल रही हैं। आईएमडी ने कहा, इससे ठंडी हवाएं नीचे आ रही हैं और उत्तर भारत में ठंडे दिन की स्थिति बढ़ रही है। अगले 3-4 दिनों के दौरान जेट स्ट्रीम की इसी तरह की तीव्रता जारी रहने की संभावना है। ताजा पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से गुरुवार से रविवार तक पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में छिटपुट बारिश/बर्फबारी होने की संभावना है। आईएमडी ने चेतावनी दी कि पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में शनिवार सुबह के लिए घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। सोमवार रात और शनिवार सुबह के बीच दिल्ली में अलग-अलग स्थानों पर घने कोहरे की स्थिति होने की संभावना है। राजस्थान के अलग-अलग हिस्सों में शुक्रवार सुबह तक और उत्तरी मध्य प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में बुधवार सुबह के लिए घने कोहरे की स्थिति बने रहने की संभावना है। आईएमडी ने कहा, अगले पांच दिनों के दौरान देश के बाकी हिस्सों में न्यूनतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण बदलाव होने की संभावना नहीं है। मंगलवार तक पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और उत्तरी राजस्थान के अलग-अलग इलाकों में शीत लहर चलने की संभावना है।

इंडिगो की फ्लाइट में आई गड़बड़ी...वापस जयपुर लौटी

जयपुर। एयरलाइन ने कहा कि जयपुर से कोलकाता जाने वाली इंडिगो की एक उड़ान तकनीकी खराबी के कारण जयपुर लौट आई। इंडिगो की फ्लाइट कोलकाता जा रही थी तभी तकनीकी खराबी का पता चला। इंडिगो के प्रवक्ता ने कहा, पायलट ने मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन कर जयपुर वापस उतर गया। विमान को जयपुर हवाई अड्डे पर विस्तृत मूल्यांकन और मरम्मत के लिए भेजा गया था। यात्रियों के लिए वैकल्पिक उड़ान की व्यवस्था की गई। कथित तकनीकी समस्याओं के कारण विमान ने अपना मार्ग बदल लिया, जिससे विमान में सवार लगभग 180 यात्रियों को तनावपूर्ण स्थिति का सामना करना पड़ा। इंडिगो के प्रवक्ता ने कहा कि तकनीकी समस्याओं के कारण उड़ान अप्रत्याशित रूप से दिल्ली हवाई अड्डे पर लौट आई, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पूरी घटना के दौरान यात्री सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रही। तकनीकी गड़बड़ी की प्रकृति का अभी तक खुलासा नहीं हुआ है, क्योंकि एयरलाइन गहन जांच करने के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ सक्रिय रूप से काम कर रही है।

'देश को 2024 में फिर से पीएम मोदी की जरूरत', जेपी नड्डा बोले- कांग्रेस ने सिर्फ वोटबैंक की राजनीति की

गांधीनगर (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल के साथ गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र में पार्टी कार्यालय का उद्घाटन किया। इस दौरान जेपी नड्डा ने कहा कि मुझे विश्वास है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में हम न सिर्फ जीतेंगे बल्कि पहले से ज्यादा सीटें भी हासिल करेंगे। गुजरात में हम सभी 26 सीटें जीतेंगे। उन्होंने कहा कि अहमदाबाद में गांधीनगर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र कार्यालय का उद्घाटन करना गुजरात के सभी हिस्सों में विकास सुनिश्चित करने की हमारी पार्टी की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। हम गुजरात को प्रथम रखना चाहते हैं और पीएम मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में हम भारत को प्रथम बनाना चाहते हैं।

नड्डा ने कहा कि इस देश के सांस्कृतिक, धार्मिक, आध्यात्मिक और राजनीतिक विरासत में गुजरात प्रदेश का एक अनूठा योगदान है। आजादी की लड़ाई से लेकर आजाद भारत में भी गुजरात का एक विशेष योगदान रहा है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का संबंध भी गुजरात के पोरबंदर से था। वहीं, इस देश को एक सूत्र में पिरोने का काम सरदार वल्लभ भाई पटेल ने किया। उन्होंने कहा कि आज विकसित भारत को आगे बढ़ाने का काम, सक्षम बनाने का काम, स्वाभिमान से ओत-प्रोत बनाने का काम, देश की विरासत को स्वाभिमान से आगे बढ़ाने का काम... अगर किसी ने किया है तो इस देश के सपूत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मोदी जी ने देश की राजनीति की संस्कृति को बदल डाला है, क्योंकि 70 साल तक कांग्रेस पार्टी ने राजनीति जाति के आधार पर की। भाई को भाई से बांटकर की, सिर्फ वोटबैंक की राजनीति की। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने कहा कि भारत में सिर्फ 4 जातियां हैं- गरीब, युवा, किसान और महिलाएं। जबकि कांग्रेस ने वोटबैंक के लिए, जातियों में बांट दिया था। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी जी के नेतृत्व में भारत तेज गति से विकास कर रहा है। 2014 में अर्थव्यवस्था में हम 11वें नंबर पर थे, आज हम ब्रिटेन को पछाड़कर 5वें नंबर की अर्थव्यवस्था बन गए हैं।

नड्डा ने कहा कि हमारी सरकार की पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना, एक ऐसी योजना जिसका कांग्रेस पार्टी ने मजाक उड़ाया था, आईएमएफ जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों द्वारा इसकी सराहना की जा रही है। कांग्रेस ने आरोप लगाने और चिल्लाने के अलावा कुछ नहीं किया और केवल भाजपा ने ही सही मायने में विकास सुनिश्चित किया है। आज, लगभग 80 करोड़ गरीबों को मुफ्त राशन मिल रहा है, और 'अंत्योदय' को एक मिशन और विजन के रूप में, भारत अभूतपूर्व परिवर्तन देख रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे में हमारे देश को 2024 में फिर से पीएम मोदी की जरूरत है! इस प्रकार, हमारे देश को 2024 में फिर से भाजपा की आवश्यकता है! यदि हम 2047 तक 'विकसित भारत' के निर्माण के सपने को साकार करना चाहते हैं, तो हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि 2024 में 'कमल' फिर से खिले!

बीजेपी का मिशन बिहार, 4 फरवरी को बेतिया में जनसभा करेंगे पीएम मोदी, 30 को कटिहार में जाएंगे जेपी नड्डा

नई दिल्ली। बिहार में राजनीतिक उठापटक के बीच भाजपा अपनी तैयारी में जुट गई है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कार्यक्रम 4 फरवरी को बेतिया में होगा। इससे पहले यह कार्यक्रम 27 फरवरी को होना था लेकिन अब इस दौरे को 4 फरवरी को कर दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे को लेकर अब तक दो बार बदलाव हो गया है। सबसे पहले प्रधानमंत्री 13 जनवरी को जाने वाले थे। उसके बाद इस तारीख को 27 किया गया था। लेकिन आप प्रधानमंत्री का दौरा 4 फरवरी को होगा। प्रधानमंत्री अपने इस दौरे के दौरान बिहार को कई बड़ी परियोजनाओं की सौगात दे सकते हैं। मोदी इसके जरिए लोक सभा चुनाव को लेकर बिहार में भाजपा की तैयारी की भी शुरुआत कर सकते हैं। बिहार में मोदी के दौरे को बार-बार स्थगित किए जाने को लेकर भी कई तरह की चर्चाएं हो रही हैं। दावा किया जा रहा है कि बिहार में नीतीश कुमार कुछ बड़ा करने वाले हैं। शायद इसी वजह से भाजपा बार-बार प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में बदलाव कर रही है। खबर है कि एनडीए की और नीतीश कुमार रुख कर सकते हैं। शायद इस कारण से भी यह सब चीज हो रही है। लेकिन बिहार में भाजपा अपने तैयारी में लगी हुई है। जानकारी के मुताबिक के 25 जनवरी से लेकर चुनाव घोषित होने तक बीजेपी बिहार में 10 बड़ी रैली का आयोजन करने जा रही है। इसी कड़ी में 30 जनवरी को कटिहार में पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा जनसभा को संबोधित करेंगे। इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अमित शाह भी बिहार का दौरा कर सकते हैं। बिहार में पिछले कई दिनों से राजनीतिक हलचल लगातार जारी है। इन सब के बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अचानक की बिहार के राज्यपाल से मिलने के लिए राज्य भवन पहुंचे थे। इस दौरान उनके साथ जदयू के वरिष्ठ नेता विजय चौधरी भी मौजूद रहे।

शर्मिला ने राज्य के दौरे के साथ आंध्र में शुरू किया अपना अभियान, जगन ने सबसे पहले बहन पर कटाक्ष किया

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) की नवनियुक्त अध्यक्ष वाईएस शर्मिला ने मंगलवार को राज्य का तूफानी दौरा शुरू किया, जो विधानसभा और लोकसभा चुनावों से पहले कांग्रेस द्वारा शुरू किए जाने वाले जोरदार अभियान की एक झलक है। शर्मिला एपीसीसी प्रमुख का पदभार संभालने के तुरंत बाद अपने भाई और मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी पर निशाना साधा और उन पर राज्य को वित्तीय संकट में ले जाने का आरोप लगाया, अपने दिवंगत पिता और पूर्व कांग्रेस सीएम के नक्शेकदम पर चलेंगे। वाई एस राजशेखर रेड्डी, जिन्हें वाईएसआर के नाम से जाना जाता है, और जगन, जिन्होंने उनसे पहले राज्य में %पदयात्रा% की थी।

अपने नौ दिवसीय दौरे पर शर्मिला एक काफिले में यात्रा करेंगी और श्रीकाकुलम जिले के इच्छापुरम से वाईएसआर कडपा जिले के इडुपुलापाया तक राज्य के सभी 26 जिलों को कवर करेंगी। उन्होंने मंगलवार को पलासा से इच्छापुरम तक राज्य परिवहन की बस में यात्रा शुरू की, जहां वह उनके काफिले में शामिल हुईं। उनके साथ तेलंगाना प्रदेश समिति के पूर्व प्रमुख माणिकराव ठाकरे और पूर्व एपीसीसी अध्यक्ष गिदुगु रुद्र राजू और रघुवीरा रेड्डी भी हैं। अपनी बहन को एपीसीसी अध्यक्ष नियुक्त किए जाने के बाद पहली बार बोलते हुए, जगन ने उन पर निशाना साधने के लिए तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू के कंधे का इस्तेमाल किया। चंद्रबाबू नायडू के पास कई स्टार प्रचारक और समर्थक हैं। चंद्रबाबू के कुछ स्टार प्रचारक अब उस पार्टी (कांग्रेस) में हैं, जिसने आंध्र प्रदेश को विभाजित किया था।

जगन अनंतपुर जिले के उरावकोंडा में एक सार्वजनिक बैठक में बोल रहे थे, जहां उन्होंने मंगलवार को महिलाओं के लिए आसरा पेंशन का वितरण किया। 51 वर्षीय शर्मिला, जिन्होंने अतीत में जगन और सत्तारूढ़ वाईएसआरसीपी के पक्ष में कई राज्य दौरे और पदयात्राएं पूरी की हैं, इस यात्रा का उपयोग एक मजबूत प्रभुत्व वाले राज्य में अपने और कांग्रेस के लिए कुछ राजनीतिक जगह बनाने की उम्मीद कर रही होंगी।

सियासी उठापटक के बीच अचानक राजभवन पहुंचे नीतिश

पटना (एजेंसी)। बिहार में पिछले कई दिनों से राजनीतिक हलचल जारी है। इस बीच मंगलवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अचानक की बिहार के राज्यपाल से मिलने के लिए राज्य भवन पहुंच चुके हैं। इस मौके पर उनके साथ जदयू के वरिष्ठ नेता विजय चौधरी भी मौजूद रहे। हालांकि, राजभवन पहुंचने से पहले नीतीश कुमार एक सरकारी कार्यक्रम में पहुंचे थे। अब बड़ा सवाल यह है कि आखिर नीतीश कुमार क्या करने वाले हैं, क्योंकि बिहार में लगातार राजनीतिक हलचल तेज है। दावा किया जा रहा था कि नीतीश एनडीए में शामिल हो सकते हैं।

चर्चा यहां भी है कि नीतीश विधानसभा भंग कर फिरसे चुनाव में जा सकते हैं। कुल मिलाकर बिहार की राजनीतिक हलचल फिलहाल तेज है। आगे क्या होगा इस लेकर सभी के सामने कई बड़े सवाल है। इसके पहले राष्ट्रीय जनता दल और जनता दल-यूनाइटेड के बीच बढ़ते तनाव की खबरों के बीच, राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव के साथ सीएम नीतीश कुमार के साथ उनके आवास पर बैठक की थी। लालू अचानक ही नीतीश से मिलने के लिए उनके आवास पर पहुंचे थे। दोनों नेताओं के बीच की ये बैठक लगभग एक घंटे तक चली है। यह बैठक उस समय में हो रही थी, जब दोनों ही दलों के बीच सीट बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा है।

नीतीश ने अपने मंत्रिमंडल में फेरबदल कर अपने सहयोगी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के तीन मंत्रियों के विभाग बदल दिए। अलग-अलग कारणों से सुर्खियों में रहे शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर को गन्ना उद्योग मंत्री बनाया गया है। वहीं अभी तक गन्ना उद्योग और राजस्व एवं भूमि संसाधन विभाग संभालने वाले आलोक मेहता को राज्य का नया शिक्षा मंत्री बनाया गया। राजस्व और भूमि संसाधन विभाग ललित कुमार यादव को सौंपा गया है, जो जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की अपनी मौजूदा जिम्मेदारी को भी संभालते रहेंगे।

गृह मंत्रालय की टीम मणिपुर दौरे पर, सरकारी अधिकारियों व नेताओं से की मुलाकात

इंफाल (एजेंसी)। गृह मंत्रालय की टीम इन दिनों मणिपुर दौरे पर है। मंत्रालय के सलाहकार ए.के. मिश्रा के नेतृत्व में तीन सदस्यीय केंद्रीय टीम सोमवार को मणिपुर पहुंची और सरकारी अधिकारियों व विभिन्न संगठनों के नेताओं से मिली। अधिकारियों ने बताया कि मिश्रा इंटेलिजेंस ब्यूरो के दो संयुक्त निदेशक मनदीप सिंह तुली और राजेश कुंबले के साथ यहां पहुंचे। अपने आने के तुरंत बाद उन्होंने सरकारी अधिकारियों और विभिन्न संगठनों के नेताओं और निर्वाचित नेताओं के साथ कई बैठकें कीं। एक अधिकारी ने इन बैठकों के बारे में ज्यादा जानकारी देने से इनकार करते हुए बताया, कि गृह मंत्रालय की टीम ने महिला संगठनों और कुछ निर्वाचित नेताओं सहित कुछ मैतेई संगठनों के साथ बैठकें कीं और मणिपुर के मौजूदा हालात पर चर्चा की। गौरतलब है कि हिंसा प्रभावित मणिपुर में गृह मंत्रालय की टीम का दौरा महत्वपूर्ण है, क्योंकि कुछ संगठनों ने धमकी दी है कि अगर सरकार उग्रवादियों और म्यांमार से आए प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई तो बड़े पैमाने पर आंदोलन शुरू की तैयारी की जा सकती है।

हालांकि उग्रवादियों ने पिछले कुछ दिनों में हमले कर सात लोगों की हत्या कर दी है, जिनमें दो मणिपुर पुलिस कमांडो, चार ग्रामीण और एक ग्राम रक्षा स्वयंसेवक शामिल हैं। इस बीच मणिपुर में 34 विधायकों, जिनमें से ज्यादातर सत्तारूढ़ भाजपा के हैं, ने केंद्र सरकार से सशस्त्र उग्रवादी संगठनों के साथ ऑपरेशन के निलंबन (एसओओ) को रद्द करने का आग्रह किया है, अन्यथा विधायक परामर्श से उचित कार्रवाई करेंगे। रविवार को हुई बैठक में 34 विधायकों ने यह प्रस्ताव लिया, जिसमें केंद्र सरकार से केंद्र और राज्य सरकारों और 2008 में 23 कुकी उग्रवादी संगठनों के बीच हस्ताक्षरित एसओओ को निरस्त करने का अनुरोध किया गया। इस समय 2,266 कुकी निर्वासित हैं और मणिपुर में विभिन्न नामित शिविरों में रह रहे हैं।

ममता ने बंगाल में कांग्रेस और वामदलों को दिखा दी जगह

-बंगाल में फंटफुट पर खेलना चाहती हैं दीदी

कोलकाता (एजेंसी)। विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया ब्लॉक के भीतर सीट बंटवारे को लेकर आंतरिक कलह खत्म बनी हुई है। इस बीच, टीएमसी प्रमुख और राज्य की सीएम ममता बनर्जी ने फिर साफ कर दिया है कि वे पश्चिम बंगाल में अपने गढ़ को ना कमजोर होने देना चाहती हैं और ना किसी दूसरे दल को अपना वोट बैंक देने के मूड में हैं। इसकारण ममता इंडिया के सहयोगी कांग्रेस और वाम मोर्चे को नसीहत देते नजर आईं। इसके साथ ही दोनों दलों को आइना भी दिखाया है।

ममता ने कांग्रेस के सामने सीट शेयरिंग का नया फॉर्मूला दिया है। ममता ने बीजेपी को मात देने के लिए खास इलाकों में स्थानीय पार्टियों को कमान देने की वकालत की है। ममता ने सुझाव भी दिया कि कांग्रेस चाहे तब अपने दम पर 300 लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ सकती है। हालांकि, राजनीतिक तौर पर देखा जाए ममता का प्रस्ताव और शर्त इतनी आसान नहीं है।

दरअसल, बंगाल में सीट शेयरिंग पर पेंच फंसा हुआ है। आगामी आम चुनाव में बीजेपी से मुकाबला करने सत्तारूढ़ टीएमसी अलायंस को लीड करना चाहती है और सीट शेयरिंग में कांग्रेस, वाम मोर्चे को हद दिखाने से नहीं चूक रही है। सीपीएम के नेतृत्व वाला वाम मोर्चा, कांग्रेस और टीएमसी 28 पार्टियों वाले विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक का हिस्सा हैं। हालांकि, बंगाल में सीपीएम और कांग्रेस के नेता लगातार टीएमसी के खिलाफ हमलावर दिख रहे हैं।

टीएमसी ने 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के प्रदर्शन के आधार पर दो सीटों का ऑफर दिया है। कांग्रेस को यह प्रस्ताव नागवार गुजरा और दोनों पार्टियों के बीच तनाव बढ़ गया। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने सीधे टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी को निशाने पर लेकर कहा था कि वो टीएमसी से सीटों की भीख नहीं मांगने वाले हैं।

इधर, ममता की टिप्पणियों पर कांग्रेस और सीपीआई (एम) दोनों ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। पश्चिम बंगाल में कांग्रेस अध्यक्ष चौधरी ने कहा, हम टीएमसी नेतृत्व की सोच और इच्छा पर टिप्पणी नहीं करना चाहते हैं। उन्हें जो अच्छा लगता है, वहां करने दें। सीपीआई (एम) के सेंट्रल कमेटी के मेंबर सुजन चक्रवर्ती ने इस आरोप को निराधार बताया कि उनकी पार्टी इंडिया ब्लॉक की बैठकों के एजेंडे को नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है। पश्चिम बंगाल में सीपीआई (एम) के सचिव मोहम्मद सलीम ने कहा, यह लड़ाई सांप्रदायिक और कम्युनिस्टों के बीच है।

न्याय यात्रा में खलल, राहुल के खिलाफ सीएम ने दिए एफआईआर के निर्देश

नई दिल्ली। राहुल गांधी की न्याय यात्रा में खलल आ गई है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं की झड़प के बाद सीएम हिमंत बिस्व ने एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। ?मिली जानकारी के अनुसार असम के गुवाहाटी में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच फिर झड़प हो गई। इस दौरान कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने लाठियां बरसाई। बताया जा रहा है कि राहुल गांधी शहर में यात्रा की इजाजत मांग रहे थे, लेकिन इजाजत न मिलने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच में जबरदस्त झड़प हो गई। इसके बाद असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने डीजीपी से बात कर राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ये असमिया संस्कृति का हिस्सा नहीं हैं। हम एक शांतिपूर्ण राज्य है। ऐसी नक्सली रणनीति हमारी संस्कृति से पूरी तरह अलग हैं। इस मामले में पुलिस ने बताया कि शहर में यात्रा की इजाजत नहीं है, जबकि राहुल गांधी की यात्रा शहर? के अंदर की तरफ बढ़ रही थी। इसी वजह से रोड पर बाद में पुलिस ने बैरिकेड्स लगा दिए थे और इसी दौरान कांग्रेस नेता की बस के साथ चल रहे लोगों की पुलिस कर्मियों से झड़प हो गई।

हजारों की भीड़ जुटने के कारण फिलहाल राम मंदिर में प्रवेश बंद, आरएएफ तैनात

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या के राम मंदिर में दर्शनार्थियों के लिए फिलहाल प्रवेश बंद कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार रामलला की भव्य प्राण प्रतिष्ठा के बाद मंगलवार सुबह से आम श्रद्धालुओं के लिए कपाट खोले गए थे, इसके बाद राम मंदिर में दर्शन के लिए हजारों की संख्या में भीड़ उमड़ आई। सुबह 7 बजे शुरू हुए दर्शनों के बाद भीड़ इतनी बढ़ गई कि वह उसे संभालना मुश्किल हो रहा था, इसके बाद यहां आरएएफ को जुटाया गया। इसके साथ ही यहां पर पैरा मिलिट्री फोर्स को भी व्यवस्था बनाने में लगाया गया है। जानकारी मिली को यहां करीब पौने नौ बजे मंदिर में प्रवेश बंद कर दिया गया, लेकिन बाहर निकलने का रास्ता खोला रखा गया। सभी दूर से बैरिकेटिंग लगाकर रास्ते को बंद किया गया है। लोगों को सिर्फ बाहर जाने दिया जा रहा है। भारी भीड़ के चलते फिलहाल अंदर जाने का रास्ता बंद कर दिया है।

अयोध्या के भव्य मंदिर में मंगलवार की सुबह जब आम श्रद्धालुओं के लिए रामलला के कपाट खुले तो आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह 3 बजे से ही लोग लाइन में खड़े हो गए थे। स्थिति यह हो गई कि मंदिर परिसर में तैनात सुरक्षा कर्मियों को हालात काबू में करना मुश्किल हो गए। इसके बाद रैपिड एक्शन फोर्स को मोर्चे पर लगाया गया। बावजूद भीड़ नियंत्रित नहीं हुई तो कण्ट्रोल रूम से अतिरिक्त पुलिस बल को बुलाया गया, ताकि स्थिति को संभाला जा सके।

यहां तक कि पुलिस भी मंदिर परिसर तक नहीं पहुंच पा रही है। दरअसल, श्रद्धालुओं को यह पता नहीं था कि मंदिर परिसर में क्या-क्या ले जा सकते हैं और क्या नहीं। लॉकर की व्यवस्था है, लेकिन आज की भीड़ को देखते हुए वह भी कम लग रहा है। स्थिति को संभालने में फोर्स जुटी है। भीड़ को देखते हुए दर्शन का समय भी बढ़ाया जा सकता है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद आज पहला दिन है, जिसके चलते भी भीड़ बहुत ज्यादा है। कई लोग ऐसे थे जो मोबाइल और अन्य सामान के साथ दर्शन करने पहुंच गए, जिन्हें बिना दर्शन के ही वापस लौटना पड़ा। स्थिति यह है कि यहां पर सामान रखने के लॉकर भी कम पड़ गए हैं।

घर पर फहराया इमरान की पार्टी का झंडा, वामपंथी पिता ने उतारा मौत के घाट

पेशावर। पाकिस्तान में चुनाव को लेकर मची खींचातान के बीच हत्या और अपहरण के मामले बढ़ते जा रहे हैं। पाकिस्तान के आम चुनाव से पहले किस राजनीतिक दल का झंडा फहराया जाए इस लेकर बाप और बेटे में झगड़ा हो गया। इस पर गुस्साए पिता ने अपने बेटे की हत्या कर दी। रिपोर्ट के मुताबिक, बेटा हाल ही में कतर से काम करके लौटा था। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के पेशावर में स्थित अपने घर पर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) पार्टी का झंडा फहराया था। इस लेकर बाप-बेटे में बहस तब छिड़ गई। पिता ने अपने बेटे को घर पर पीटीआई का झंडा फहराने से मना किया, लेकिन बेटे ने झंडा उतारने से मना कर दिया। बेटे ने कहा कि वह पीटीआई को नहीं छोड़ेगा। पुलिस ने बताया कि बेटे के इनकार से बहस बढ़ गई और गुस्से में आकर पिता ने अपने 31 वर्षीय बेटे पर पिस्तौल से गोली चला दी। अस्पताल ले जाते समय बेटे की मौत हो गई। पुलिस पिता की तलाश कर रही है। आरोपी पिता के बारे में कहा जा रहा है कि वह राष्ट्रवादी अवामी नेशनल पार्टी (एएनपी) से जुड़ा था। वह अपने घर पर अवामी पार्टी का झंडा भी फहरा चुका था। अवामी नेशनल पार्टी की बात करें तब यह पाकिस्तान में एक पश्तून राष्ट्रवादी, धर्मनिरपेक्ष और वामपंथी राजनीतिक दल है। पार्टी की स्थापना 1986 में अब्दुल वली खान ने की थी और इसके वर्तमान अध्यक्ष बाचा खान के पोते असफंदयार वली खान हैं। बाचा खान को दुनिया खान अब्दुल गफ्फार खान या बादशाह खान के नाम से जानती है।

गाजा में इजरायल को बड़ा झटका, 20 से ज्यादा सैनिकों की मौत

गाजा। हमास के साथ जारी संघर्ष में इजरायल को बड़ा झटका लगा है। खबर है कि गाजा में हुए हमले में इजरायल के 20 से ज्यादा सैनिकों की मौत हुई है। आशंका है कि मौतों का आंकड़ा और भी आगे बढ़ सकता है। इजरायली सेना प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने मौत के ताजा आंकड़े पेश किए हैं। उन्होंने कहा कि सोमवार को सैनिक एक भवन को गिराने के लिए विस्फोटक तैयार कर रहे थे। तभी आतंकियों की तरफ से दागा रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड तोप के पास आकर गिरा और समय से पहले ही फट गया। इसके बाद भवन सैनिकों पर ही गिर गया। इसके पहले इजरायली सेना ने बताया कि गाजा पट्टी में तीन महीने के सबसे घातक हमले में 10 सैनिकों की मौत हो गई थी। गाजा में हमास द्वारा बंधक बनाए गए दर्जनों लोगों के परिजनों के सदस्य इजरायल की संसद में वित्त समिति की बैठक के दौरान प्रवेश कर गए। गुस्साए परिजनों ने कहा, आप (सांसद) यहां बैठक नहीं सकते, जब वे (बंधक) वहां मर रहे हैं। इससे पहले, रविवार की रात परिजनों ने विरोध–प्रदर्शन जारी रखने के लिए यरुशलम में तंबू गाड़ लिए और तब तक वहीं रहने का संकल्प लिया, जब तक सरकार कुछ बंधकों को मुक्त कराने के लिए किसी समझौते पर नहीं पहुंच जाती।

गाजा संघर्ष में मरे 25 हजार नागरिक

इस बीच संयुक्त राष्ट्र की मानवीय रिपोर्ट में सात अक्टूबर को युद्ध की शुरुआत के बाद से एन्क्लेव में 25 हजार से अधिक लोगों की मौत होने की बात कही गई है।

ब्राजील में यात्री नाव पलटने से 6 की मौत

साओ पाउलो। ब्राजील के तट पर एक यात्री नाव के पलट जाने से छह लोग डूब गए और छह अन्य घायल हो गए। यह दुर्घटना साल्वाडोर के महानगरीय क्षेत्र के पास ऑल सेंट्स की खाड़ी में हुई। रिपोर्ट के अनुसार अग्निशमन विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि दो लोग लापता हैं। मरने वालों में एक सात साल का लड़का और एक सत्रह साल का किशोर शामिल हैं। नौसेना के एक प्रवक्ता के अनुसार अधिकारियों ने यह निर्धारित करने के लिए जांच शुरू की कि क्या नाव पर लड़ाई के कारण वह पलट गई, क्योंकि यह लोगों को दो किलोमीटर दूर एक पार्टी में ले जा रहा थी और क्या जहाज यात्रियों के परिवहन के लिए व्यावसायिक उपयोग के लिए अधिकृत था। दुर्घटना के समय जहाज पर मौजूद यात्रियों की सटीक संख्या अज्ञात है।

एर्दोगन के निमंत्रण पर अंकारा पहुंच रहे राष्ट्रपति रायसी

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी अपने तुर्की समकक्ष रेसेप तैयप एर्दोगन के निमंत्रण पर बुधवार को अंकारा के लिए रवाना होने वाले हैं। ईरान की आधिकारिक मीडिया ने इसकी जानकारी दी। रिपोर्ट में कहा गया है कि रायसी की तुर्किये की पहली यात्रा के दौरान उच्च पदस्थ राजनीतिक और आर्थिक प्रतिनिधिमंडल उनके साथ होगा। तुर्की–ईरान उच्च स्तरीय सहयोग परिषद की आठवीं बैठक की सह–अध्यक्षता करने और एक संयुक्त सम्मेलन आयोजित करने से पहले दोनों राष्ट्रपति रायसी के अंकारा पहुंचने के बाद एक निजी बैठक करने वाले हैं। रायसी और एर्दोगन दोनों देशों के व्यापारियों और व्यवसायियों की एक संयुक्त बैठक में भी शामिल होने वाले हैं।

पूरी दुनिया हुई राममय... दुबई स्थित बुर्ज खलीफा में प्रभु रामलला की तस्वीर

दुबई। 500 साल बाद रामलला अयोध्या के राम मंदिर में विराजमान हुए हैं। सोमवार को हुए प्राण प्रतिष्ठा समारोह की देश भर के साथ–साथ विदेशों में भी धूम दिखाई दी। इसी कड़ी में दुबई स्थित दुनिया की सबसे ऊंची बिल्डिंग बुर्ज खलीफा ने अपने डिस्प्ले पर भगवान राम की तस्वीर को लगाया गया। इसके अलावा प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर अमेरिका के न्यूयॉर्क स्थित टाइम्स स्क्वायर पर भगवान राम की तस्वीरें और अयोध्या के भव्य राम मंदिर की 3डी तस्वीरें प्रदर्शित की गई थीं। साथ ही रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले, ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ राम मंदिर के सदस्यों ने न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर में लड्डू बांटे और लोगों से समारोह में शामिल होने की अपील की थी। अमेरिका के न्यूयॉर्क टाइम्स स्क्वायर, वाशिंगटन, डीसी, एलए, सैन फ्रांसिस्को, इलिनोइस, न्यू जर्सी, जॉर्जिया सहित बोस्टन जश्न का मनाया गया। इसके अलावा अमेरिका में विश्व हिंदू परिषद ने अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह पर गोल्डन गेट ब्रिज पर एक कार रैली का आयोजन किया गया। राम मंदिर के बारे में प्रेम भंडारी ने कहा कि हमने कभी नहीं सोचा था कि हम इसे जीवनकाल में ये दिन देख पाएंगे। टाइम्स स्क्वायर में भी लोग इसका जश्न मना रहे हैं। ये सब पीएम मोदी के नेतृत्व में हो रहा है। दुनिया भर के लोग इस पल के लिए उत्सुक हैं। वहीं, रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले मैक्सिको को भी राम मंदिर के रूप में देश का पहला मंदिर मिल गया है। मैक्सिको में बने राम मंदिर का उद्घाटन अमेरिका से आए पुजारी ने किया।

अब स्टडी वीजा में 35 प्रतिशत की कटौती करेगी कनाडा सरकार

टोरंटो। कनाडा में पढ़ाई करने का सपना देखने वाले भारतीय छात्रो के लिए ये बुरी खबर है। कनाड़ा सरकार ने पढ़ाई के लिए वीजा देने वाले परमिट में 35 प्रतिशत तक कटौती करने का निर्णय लिया है। इस निर्णय से सभी छात्रों को वीजा मिलना कठिन हो जाएगा। इमीग्रेशन मंत्री मार्क मिलर ने सोमवार को ऐलान किया कि कनाडा विदेशी छात्रों के परमिट में 35 प्रतिशत की कमी करेगा। इस सीमा से

2024 में परमिटों की संख्या घटकर 364,000 हो जाएगी। इस वर्ष के अंत में 2025 की सीमा का फिर से रिव्यू किया जाएगा।मिलर ने कहा कि इससे उन संस्थानों पर असर पड़ेगा जो विदेश से आने वाले छात्रों से अधिक फीस वसूल रहे हैं और विदेशी छात्रों की संख्या में लगातार इजाफा कर रहे हैं। इसमें मास्टर्स और पीएचडी के लिए आवेदन करने वाले छात्रों को सीमा से छूट दी जाएगी। मिलर ने कहा, वे प्रतिभाशाली लोग हैं जिन्हें हमें बनाए रखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि वे जनसंख्या के आधार पर प्रांत द्वारा कैप स्पेस आवंटित करेंगे, जिसका अर्थ है कि कुछ प्रांतों में अनुमति प्राप्त अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की संख्या में भारी कमी देखी जाएगी।कनाडा सरकार को विदेशी छात्रों की बढ़ती संख्या से कनाडा के कई शहरों में गेस्ट हाउस की कमी का सामना करना पड़ा है। मिलर ने पहले उल्लेख किया है कि आवास की कमी के लिए एक सीमा एक आकार–फिट–सभी समाधान नहीं होगी, क्योंकि मुद्रास्फीति, सार्वजनिक आवास की कमी और नए निर्माण में बाधाएं सभी कमी को प्रभावित करने वाले कारक हैं। मिलर ने सोमवार को इस बात पर जोर दिया कि इस सीमा का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय छात्रों को दंडित करना नहीं है, जो इस देश के लिए एक मूल्यवान संपत्ति हैं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि उनका अनुभव और शिक्षा खत्म हो जाए।

गाजा में इजरायल ओर हमास के बची संघर्ष को देखते हुए रफाह में टेंट में रहने को मजबूर लोग।

ताइवान में नई निर्वाचित सरकार को भारत ने दी बधाई, चीन को लगी मिर्ची

ताइपे। ताइवान के हालिया चुनावों में जीत हासिल करने वाले नेताओं को भारत ने बधाई दे दी है। भारत के कदम से चीन का बौखलाना तय है। दरअसल चीन हर उस देश पर अपनी भड़ास निकाल रहा है, जो ताइवान को बधाई दे रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, ताइवान में भारत के प्रतिनिधि मनहर सिंह लक्ष्मणभाई यादव ने नवनिर्वाचित नेताओं को बधाई दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, यादव भारत के गणतंत्र दिवस का जश्न मनाने के लिए ताइपे में आयोजित एक स्वागत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने उन लोगों को शुभकामनाएं दीं जिन्होंने ताइवान की लोकतांत्रिक प्रक्रिया की सफलता सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास किया। मैं उन सभी व्यक्तियों को हार्दिक बधाई देता हूं जिन्होंने इस अवसर को अपनाया। मैं उन लोगों को भी बधाई देता हूं जिन्होंने इस लोकतांत्रिक प्रक्रिया की सफलता सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास किया। भारत–ताइपे एसोसिएशन (आईटीए) के महानिदेशक ने भी ताइवान में नवनिर्वाचित नेताओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण यहां के अच्छी तरह से स्थापित लोकतंत्रित मूल्यों का उदाहरण हैं। चीन, ताइवान को अपना क्षेत्र बताता है और जरूरत पड़ने पर बल प्रयोग कर अपने नियंत्रण में लाने का दावा करता है। चीन उन बयानों की कड़ाई से निंदा करता है जो द्वीप की सरकार को वैधता प्रदान करते प्रतीत होते हैं। चीनी विदेश मंत्रालय ने फिलीपीन के राजदूत को तलब किया और ताइवान के राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल करने पर लाई चिंग ते को फिलीपीन के राष्ट्रपति फर्डिनांडो मार्कोस जूनियर द्वारा बधाई देने पर कड़ी आपत्ति जाहिर की। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि मार्कोस की टिप्पणी फिलीपीन द्वारा चीन के प्रति जाहिर की गई राजनीतिक प्रतिबद्धता का गंभीर उल्लंघन है और यह चीन के आतंरिक मामलों में हस्तक्षेप है।

संयुक्त राष्ट्र ने जताई चिंता कहा- बारूद के ढ़ेर पर बैठे हैं मध्य पूर्व के देश

कंपाला (एजेंसी)। दुनिया के तमाम देश ऐसे हैं जिनकी पड़ोसी देश से दुश्मनी है। एक दूसरे पर हमले की फिराक में रहते हैं। हालात इतने ज्यादा खराब हैं कि दुनिया बारुद के ढेर पर बैठी दिखाई दे रही है, खासतौर से मध्य पूर्व के देशों को ज्यादा खतरा है। ये बात युगांडा की राजधानी कंपाला में रविवार को 77 देशों के समूह (जी77) और चीन के एक शिखर सम्मेलन में आई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतरेस ने मध्य पूर्व को एक बारूद का ढ़ेर बताया और संघर्ष को पूरे क्षेत्र में भड़कने से रोकने के लिए हम जो कुछ भी कर सकते हैं वह करने की अपील की।

गुतरेस ने, जो पहले इजरायलियों और फिलिस्तीनियों के लिए दो-राष्ट्र समाधान के लिए अपना समर्थन दिया था उसे दोहराते हुए कहा कि इजरायल के सैन्य अभियानों ने बड़े पैमाने पर विनाश फैलाया है। तीन महीने से अधिक की तीव्र बमबारी के बाद गाजावासियों की जरूरतों पर प्रकाश डालते हुए ओसीएचए ने कहा कि गाजा में अब केवल 15 बेकरियां चालू थीं - राफा में छह और दीर अल बलाह में नौ - और वादी गाजा के उत्तर में कोई भी खुला नहीं है। इनमें से लगभग सभी चालू बेकरियों को संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम से समर्थन मिलता रहा है जिसने आटा, नमक, खमीर और चीनी प्रदान की है।

ओसीएचए ने रविवार को आपातकाल पर अपने नवीनतम अपडेट में कहा, इस पहल के माध्यम से, लगभग ढ़ाई लोग रियायती मूल्य पर ब्रेड खरीदने में सक्षम थे। इस बीच, फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र एजेंसी यूएनआरडब्ल्यूए ने सोमवार को बताया कि दूरसंचार शटडाउन को सात दिन हो गये हैं। अपने सबसे हालिया अपडेट में, यूएनआरडब्ल्यूए ने खुलासा किया कि गाजा के भीतर आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों की संख्या 17 लाख तक पहुंच गई है। इनमें से कम से कम 335 लोग एजेंसी की सुविधाओं में शरण लेते समय मारे गए हैं, और 1,161 घायल हुए हैं। इसके अतिरिक्त, 7 अक्टूबर से अब तक यूएनआरडब्ल्यूए के 151 कर्मचारी मारे गए हैं और इसके 141 प्रतिष्ठानों को नुकसान हुआ है।

बता दें कि संयुक्त राष्ट्र की मानवीय रिपोर्ट में 7 अक्टूबर को युद्ध शुरू होने के बाद से एन्क्लेव में 25 हजार से अधिक लोगों की मौत होने की बात कही गई है। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों से मिली जानकारी का हवाला देते हुए, संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के समन्वय के लिए स्थापित कार्यालय (ओसीएचए) ने बताया कि इजरायली हमलों के कारण 62,681 फिलिस्तीनी घायल हुए हैं। ये हमले इज़रायल में हमास के नेतृत्व वाले हमलों के जवाब में थे, जिसके परिणामस्वरूप लगभग 1,200 लोग मारे गए और लगभग 250 बंधक बन गए।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ओसीएचए ने कहा कि शुक्रवार से गाजा में दो इजरायली सैनिक मारे गए हैं, जिससे जमीनी ऑपरेशन शुरू होने के बाद से कुल संख्या 193 हो गई है और 1,203 सैनिक घायल हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र सहायता समन्वय कार्यालय ने कहा कि इसी अवधि में 343 फिलिस्तीनी मारे गए और अन्य 573 लोग घायल हुए।

राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रम्प को चुनौती दे सकती है मिशेल ओबामा

वाशिंगटन (एजेंसी)। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा की पत्नी मिशेल ओबामा बाइडेन की जगह ले सकती हैं। अमेरिकी मीडिया में हाल की रिपोर्टों से पता चलता है कि मिशेल ओबामा 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में उतर सकती हैं। इससे उनका पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ संभावित मुकाबले का मंच तैयार हो सकता है। अमेरिकी अखबारों के मुताबिक लंबे समय से ट्रम्प के सलाहकार रोजर जे. स्टोन जूनियर की भविष्यवाणी के बाद ये अटकलें और तेज हो गई हैं। डोनाल्ड ट्रंप के लंबे समय से सलाहकार रहे रोजर जे स्टोन जूनियर ने आयोवा से एक हफ्ते पहले सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि 'मैं लगातार भविष्यवाणी कर रहा हूं - जैसा कि मैं पिछले दो साल से कर रहा हूं कि मिशेल ओबामा 2024 में अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेट पार्टी की उम्मीदवार होंगी। बता दें कि अमेरिका में इस बात को लेकर चर्चाएं तेज होने लगी हैं कि 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति के चुनाव में अगर डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडेन अपनी स्वास्थ्य समस्याओं के कारण चुनाव नहीं लड़ेंगे, तो पार्टी की अगला उम्मीदवार कौन होगा?

मीडिया रिपोर्ट्स में राष्ट्रपति जो बाइडेन की बहस में हिस्सा लेने की कथित अनिच्छा और पहले से लिखित स्क्रिप्ट दिए जाने की जरूरत का हवाला देते हुए मौजूदा चुनाव में जो बाइडेन के अगले संभावित उम्मीदवार के रूप में उभरने की संभावना को खारिज कर दिया गया है। एक लेख में कहा गया कि 'बाइडेन बहस नहीं करेंगे। हमारा कमांडर-इन-चीफ अपने सामने पहले से लिखी स्क्रिप्ट को इतनी तेजी से नहीं पढ़ सकता कि शब्दों का उच्चारण कर सके। इसलिए उनको भूल जाइए, जो कि हममें से अधिकांश लोग पहले से कर चुके हैं।'इन अटकलों को 2024 के चुनाव के बारे में मिशेल ओबामा की बातों से भी बल मिला है। मिशेल ओबामा ने एक रणनीतिक कदम उठाया और अपनी संभावित उम्मीदवारी के लिए समर्थन का आकलन करने के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं को एक सर्वे भी भेजा है। रिपोर्ट से पता चलता है कि एक साल पहले 2022 की गर्मियों के दौरान मिशेल ओबामा ने कथित तौर पर न्यूयॉर्क में प्रमुख हेज फंड सीईओ से मुलाकात की थी। उन्होंने कहा कि 'मैं रेस में दौड़ रही हूं, और मैं आपका समर्थन मांग रही हूं।'

नवाज का दावा: पाकिस्तान दुनिया से बहुत पीछे, आसान नहीं हैं हालात सुधारना

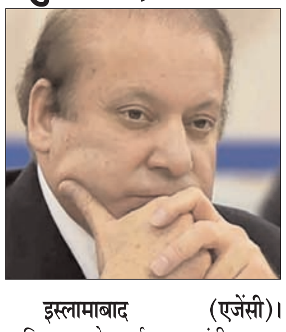

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने दावा किया है कि दुनिया में कई देश बहुत तेजी से आगे बढ़ रहे हैं लेकिन पाकिस्तान काफी पिछड़ गया है। हालात इतने ज्यादा खराब हैं कि पटरी पर लाना काफी कठिन होगा। पूर्व पीएम ने अपने कार्यकाल का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी सरकार ने न केवल पाकिस्तानी रुपए को डॉलर के मुकाबले 104 तक सीमित कर दिया था, बल्कि कैश की कमी वाले देश से बिजली कटौती को भी खत्म कर दिया था। उन्होंने नाम लिए बिना पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पीटीआई और उसके संस्थापक इमरान खान पर ताजा हमला बोला और अफसोस जताया कि खैबर पख्तूनख्वा के लोगों ने एक 'झूठे' को वोट दिया।

नवाज शरीफ पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के शहर मनसेहरा में एनए-15 पर चुनाव लड़ रहे हैं। सोमवार को एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पाकिस्तान दुनिया में पिछड़ गया है और देश का पुनर्निर्माण करना होगा। नवाज का ये बयान तब आया जब पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी और पाकिस्तान मुस्लिम लीग (पीएमएल) सहित अन्य पार्टियां चुनावी प्रचार तेजी से कर रही हैं।पाकिस्तान के नेता 24 करोड़ की आबादी वाले मुल्क की आवाम को लुभाने के लिए जमकर चुनावी प्रचार कर रहे है। 2013 के चुनावों को याद करते हुए नवाज ने कहा कि जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (जेयूआई-एफ) प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने केपी में गठबंधन सरकार बनाने के लिए उनसे संपर्क किया था, हालांकि, उनकी संख्या के कारण उन्होंने सरकार बनाने से मना कर दिया। पीएमएल-एन के सुप्रीमो ने 2013 से जनवरी 2023 तक प्रांत पर शासन करने वाली पार्टी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि इन लोगों ने इस प्रांत को बर्बाद कर दिया है। मैं केपी के लोगों से पूछता हूं कि पीटीआई ने अपने 10 साल के शासन के दौरान क्या किया।

इजरायल ने खान यूनिस शहर में किया चौतरफा हमला, 190 की मौत

यरुशलम (एजेंसी)। गाजा के खान यूनिस शहर पर इजरायल ने चौतरफा हमला किया। जल, थल और नभ से हुए हमले में 190 लोगों की मौत हो गई है। गाजा के स्वास्थ्य विभाग के अनुसार इजरायली सेना एंबुलेंस रोक रही है, जिसके कारण मृतकों और घायलों तक पहुंचना मुश्किल हो गया है। शहरों में रहने वाले लोगों का कहना है कि इजरायली सेना आकाश, जमीन और समुद्र से हमले कर रही है जिसके कारण बड़ी संख्या में निर्दोष लोग मारे जा रहे हैं। इजरायली हमलों में सोमवार को 190 लोग मारे गए जबकि 340 घायल हुए हैं। गाजा में मरने वालों की कुल संख्या 25,295 हो गई है।

शहर में चल रही लड़ाई के चलते अस्पताल से बाहर निकलना संभव नहीं है। इसलिए जो वहां आ रहा है, वहीं रुक जा रहा है। अस्पताल में फंसे एक शख्स ने बताया कि रविवार-सोमवार की रात बड़ी भयावह थी। इजरायली सेना की गोलाबारी एक भी मिनट के लिए नहीं रुकी। इसके कारण जान-माल का

भारी नुकसान होने की आशंका है। इजरायली संसद में चल रही बैठक के बीच पहुंचकर एक महिला ने अपने परिवार के बंधक तीन लोगों की रिहाई के लिए कुछ भी करने का आग्रह किया है। इस महिला के साथ बंधकों के 20 अन्य रिश्तेदार भी संसद परिसर में पहुंचे थे। हमास ने इन 130 बंधकों की रिहाई के लिए स्थायी युद्धविराम और इजरायली जेलों में बंद सभी फलस्तीनियों की रिहाई की मांग रख दी है जिसे इजरायल सरकार ने अस्वीकार कर दिया है।

इजरायली सैनिकों ने भूमध्य सागर के किनारे बसे अल-मवासी शहर के अल-खैर अस्पताल में छापेमारी कर वहां के मेडिकल स्टाफ को गिरफ्तार कर लिया। इस अस्पताल पर आतंकियों की मदद करने का आरोप है। अस्पताल के मरीजों की स्थिति के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल रही है। इजरायली सेना अल-खैर अस्पताल के बारे में कोई जानकारी नहीं दे रही है। लेकिन उसने कहा है कि हमास के आतंकी अस्पताल के भीतर और बाहर से सैनिकों पर हमले कर रहे हैं जिसके कारण वहां पर लड़ाई हो रही है। खान यूनिस, जहां पर पिछले कई हफ्तों से भीषण लड़ाई चल रही है। वहां पर बड़ी संख्या में लोग घायल हो रहे हैं। लेकिन वहां केवल नासेर अस्पताल ही कार्य कर रहा है। उसमें बड़ी संख्या में घायल लाए जा रहे हैं। इन घायलों के लिए अस्पताल में जगह नहीं बची है, इसलिए कारिडोर-बरामदों में जमीन पर ही घायलों का इलाज हो रहा है। अस्पताल में इलाज के दौरान मरने वालों को परिसर में पड़ी खाली जगह में ही दफनाया जा रहा है।

अफगानिस्तान को भुखमरी से उबारने भारत ने भेजीं मदद

काबुल। लंबे समय से हिंसा व आतंकवाद का शिकार रहा भारत का पड़ोसी देश अफगानिस्तान इस समय भुखमरी से जूझ रहा है। यहां पर बुरी तरह से तमाम फसलों की बर्बादी हो चुकी है। ऐसे में भारत ने मदद का हाथ बढ़ाया है। इसके लिए भारत ने खेती की जरुरी दवाई उपलब्ध कराई है। इसके पहले ट्रकों में भरकर अनाज भी भेजा जा चुका है। अब भारत ने अब कीटनाशक दवाएं भेजी हैं ताकि फसलों को सुरक्षित रखा जा सके। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ने ईरान के चाबहार बंदरगाह के जरिए अफगानिस्तान को 40,000 लीटर मैलाथियान भेजा है। बता दें कि मैलाथियान एक कीटनाशक दवा है। इस दवा का इस्तेमाल आमतौर पर मच्छरों और विभिन्न प्रकार के कीड़ों को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है जो फलों, सब्जियों, पौधों और झाड़ियों पर हमला करते हैं। जानकारों की मानें तो इस कीटनाशक दवा का इस्तेमाल टिड्डियों के खतरे से लड़ने के लिए ज्यादातर किया जाता है। हालांकि मैलाथियान एक ईको–फ्रेंडली कीटनाशक है और सूखे इलाकों के लिए सबसे ज्यादा सही मानी जाती है। अफगान कृषि और सिंचाई मंत्रालय के अनुसार, भारत की ये मदद अफगानिस्तान और मध्य एशिया में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करेगी। अफगान मंत्रालय ने इस मदद के लिए भारत के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि भारत की मदद से देश के भीतर टिड्डियों से लड़ने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान से आने वाली टिड्डियों को अब पूरी तरह से रोका जा सकेगा। गौरतलब है कि अफगानिस्तान से अमेरिकी के जाने और तालिबान की वापसी के बाद से भारत वहां के लोगों की लगातार मदद कर रहा है।

चीन की गोदी में बैठे राष्ट्रपति मोइज्जू, भारत के साथ खत्म किया यह समझौता

माले (एजेंसी)। भारत के साथ चल रहे विवाद के बीच मालदीव ने एक और नापाक चाल चल दी है। मालदीव ने भारत के साथ समुद्री सर्वेक्षण के समझौते को खत्म करने के बाद चीन के साथ हाथ मिलाया है। मालदीव और चीन मिलकर अब हिंद महासागर का सर्वेक्षण करने और इसके लिए चीनी सेना का जासूसी जहाज शियांग यांग होंग 03 आगामी 30 जनवरी को मालदीव की राजधानी माले पहुंच रहा है। इसके पहले श्रीलंका ने चीन के जासूसी जहाजों को अनुमति देने से मना कर दिया था। वहीं मालदीव के भारत विरोधी राष्ट्रपति मोहम्मद मोइज्जू ने इस पूरे मामले पर चुप्पी साध रखी है। इस बीच लक्षद्वीप विवाद के ठीक बाद अब चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की कम्युनिस्ट पार्टी की अंतरराष्ट्रीय विभाग की उप मंत्री सुन हैयान माले पहुंची हैं और मुइज्जू के साथ मुलाकात की है।

माना जा रहा है कि सुन हैयान के इस दौरे के जरिए चीन ने मालदीव को समर्थन और भारत को संदेश देने की कोशिश की है। सुन हैयान का अचानक से यह दौरा तब हुआ है जब अभी कुछ दिन पहले ही मुइज्जू चीन का दौरा करने के बाद लौटे हैं। मुइज्जू ने चीन के राष्ट्रपति के साथ मुलाकात की थी और कई समझौतों पर हस्ताक्षर किया था। इन समझौतों के डिटेल को अभी तक सार्वजनिक नहीं किया गया है। मालदीव और चीन दोनों ने ही रणनीतिक संबंधों को नई ऊंचाई पर ले जाने पर सहमति जताई थी।

रिपोर्ट के मुताबिक इससे पहले मालदीव के समुद्री संसाधन मंत्री अहमद शियाम चीनी जासूसी जहाज के पहुंचने की खबर का खंडन किया था। चीन का यह जासूसी शोध जहाज 100 मीटर लंबा है और 4500 टन वजनी है। यह जहाज मिसाइलों को ट्रैक करने के साथ-साथ समुद्र के अंदर छिपे प्राकृतिक संसाधनों का पता लगाने में माहिर है। विश्लेषकों का कहना है कि इस जासूसी जहाज के जरिए चीन सबमरीन के लिए रास्ता तैयार रहा है और आने वाले दौर में चीन की पनडुब्बियां हिंद महासागर में गश्त तेज करेंगी। माना जा रहा है कि चीन मालदीव के साथ मिलकर लक्षद्वीप के पास सर्वे की तैयारी कर रहा है।

ओटीटी पर दस्तक नहीं देगी एनिमल? नेटफ्लिक्स और टी सीरीज को समन

संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी फिल्म एनिमल ने बॉक्स ऑफिस पर कमाई के कई रिकॉर्ड तोड़े हैं। ए सर्टिफिकेट वाली इस विवादित मूवी की ब्लॉकबस्टर सफलता ने इसके आलोचकों को हैरान कर दिया है। पर्दे के बाद इसके ओटीटी रिलीज को लेकर भी बवाल मचा हुआ है। हाल ही में फिल्म एनिमल के सह-निर्माताओं में से एक सिने1 स्टूडियोज प्राइवेट लिमिटेड ने ओटीटी प्लेटफार्मों पर फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने के लिए दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। अब हाई कोर्ट ने दायर मुकदमे पर समन जारी कर दिया है। यह मुकदमा टी-सीरीज के खिलाफ दायर किया गया है, जिसमें फिल्म को किसी भी स्ट्रीमिंग या सैटेलाइट प्लेटफॉर्म पर रिलीज करने से रोकने का निर्देश देने की मांग की गई है।

दिल्ली हाई कोर्ट का नेटफ्लिक्स-टी सीरीज को समन

न्यायमूर्ति संजीव नरूला ने मुकदमा स्वीकार करने के बाद प्रतिवादियों यानी कि टी सीरीज और ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स को समन जारी किया और लिखित बयान दाखिल करने का समय दिया। न्यायमूर्ति नरूला ने निर्देश दिया, लिखित बयान के साथ प्रतिवादी, वादी के दस्तावेजों को स्वीकार या अस्वीकार करने का एक हलफनामा भी दाखिल करेंगे, जिसके बिना लिखित बयान को रिकॉर्ड पर नहीं लिया जाएगा। कोर्ट ने वादी को लिखित बयान की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर प्रतिकृति दाखिल करने की छूट दी है।

ओटीटी रिलीज रोकने की क्यों है मांग?

सिने1 स्टूडियोज प्राइवेट लिमिटेड ने सुपर कैसेट्स इंडस्ट्रीज प्राइवेट (टी-सीरीज) पर आरोप लगाया कि उन्होंने समझौते का उल्लंघन किया है, और उन्हें अपने हिस्से का एक भी पैसा नहीं मिला है। इसके जवाब में सुपर कैसेट्स ने कहा कि याचिकाकर्ता को 2.6 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया था, जिसकी जानकारी उन्होंने अदालत के सामने नहीं रखी। कोर्ट में सिने1 स्टूडियोज की ओर से कहा गया कि कि दो प्रोडक्शन हाउस ने फिल्म के निर्माण के लिए एक समझौता किया था। समझौते के तहत सिने 1 के पास 35 प्रतिशत लाभ का हिस्सा था, लेकिन सुपर कैसेट्स ने सिने1 स्टूडियोज की मंजूरी के बिना फिल्म बनाने, प्रचार करने और रिलीज करने के लिए इसे खर्च किया और बिना कोई डिटेल साझा किए बॉक्स ऑफिस बिक्री पर लाभ कमाया। इसके बावजूद सिने1 स्टूडियोज को एक पैसा नहीं दिया गया।

मुझे एक्शन पसंद है, असल जिंदगी में कॉप होती तो आई.पी.एफ. जैसी

अजय देवगन, अक्षय कुमार और रणवीर सिंह के बाद रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स में कई नए नाम जुड़ गए हैं। अब यह यूनिवर्स समय के साथ और बड़ा हो गया है, ऐसे में बड़े पर्दे से निकलकर जल्द ही यह ओ.टी.टी. पर दमदार दस्तक दे रहा है। रोहित शेट्टी की पहली वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स रिलीज हो गई रही है। इसमें सिद्धार्थ मल्होत्रा, विवेक ओबेरॉय के साथ कॉप यूनिवर्स की पहली फीमैल कॉप के रूप में शिल्पा शेट्टी नजर आएंगी।

रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स में पहली फीमैल कॉप बनने पर आपका कैसा रिएक्शन था?

मुझे ऐसा लग रहा था जैसे मेरे साथ कोई मजाक कर रहा है। मेरे पास पहले उनकी टीम से किसी का फोन आया कि रोहित एक सीरीज में पुलिस के रोल से रिलेटेड आपसे बात करना चाहते हैं, तब मैंने बात को सीरियसली नहीं लिया। एक घंटे बाद खुद रोहित ने मुझे फोन किया। खुशी भी थी और टैंशन भी हुई। मुझे लगा कि शायद नहीं हो पाएगा, क्योंकि मैं सुखी के लिए शूट पर निकल रही थी। इसके बाद जब वियान के चेहरे पर मैंने इसके लिए एक्साइटमैंट देखा तो मैं इस रोल के लिए और ज्यादा पुख्ता हो गई। वह बोला कि मां कुछ भी हो जाए यह रोल तो आपको करना ही है।

तैयारी का समय कम था, ऐसे में आपने पुलिस के रोल के लिए खुद को कैसे तैयार किया?

मेरे हिसाब से आप लोगों ने 'सुखी' के चेहरे पर जो थकावट देखी, वह इसलिए थी, क्योंकि मैं इधर से उधर ज्यादा जा रही थी। यहां तारा शेट्टी में गुस्सा दिख रहा था, वह सारा सुखी का फस्ट्रेशन था, जो निकल रहा था। दोनों ही किरदार में सब कुछ उभर कर सामने आया। यह मेरी 90 के दशक की ट्रेनिंग थी समझो, क्योंकि हमने उस दौरान बहुत काम किया है। मुझे याद है एक समय में मैंने दोचदो शिफ्ट की है।

तारा शेट्टी से खुद को कैसे रिलेट करती हैं?

च मेरे हिसाब से दोनों में कुछ चीजें काफी मेल खाती हैं। मुझे एक्शन बहुत पसंद है और मैंने इसे बहुत ज्यादा एंजॉय भी किया। अगर मैं असल जिंदगी में कॉप होती तो ऐसी ही होती। यह एक जिम्मेदारी है, जिसे तारा बहुत निस्वार्थ भाव से निभाती है। यही चीज मुझमें और तारा में एक जैसी है और सबसे बड़ी समानता यह है कि हम दोनों ही शेट्टी हैं।

आपके हर किरदार को दर्शकों ने खूब प्यार दिया, रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स में एंट्री ले रहें है तो क्या उम्मीदें हैं?

प्यार तो पहले ही बहुत मिल चुका है, टीम से भी और रोहित भाई से भी। अब भगवान करे हमने जो विक्रम बख्शी का किरदार निभाया है उसे ऑडियंस से भी प्यार मिले। वह एक रियल लाइफ हीरो हैं और अच्छे पुलिस अफसर भी हैं। मुझे पिता जी की फिल्म तेजाब याद आती है, तब मैं स्कूल में था, मैं अपने कजन के साथ छुपचछुप के वह फिल्म देखने गया था उसमें जो पापा का किरदार था जब वह अनिल कपूर को बचाते हैं, बेल्ट से पीटते हैं तब थिएटर में सीटियां बजी थीं। मेरा भी इसमें कुछ वैसा ही किरदार है तो मैंने पापा को फोन किया वह इमोशनल मोमैंट था।

आपने इंडस्ट्री में 2 दर्शक से ज्यादा काम किया। ऐसा क्या है जो पहले था, लेकिन आज नहीं जिसे आप मिस करते हों?

चपॉजीटिव नैगेटिव दोनों ही हैं। जब हम आए थे, तब कई बार ऐसा भी हुआ था जब हम तैयारी करके सेट पर पहुंचते थे और वहां बोला जाता था कि आज यह शूट नहीं है आज कोई और है तो बहुत कन्फूजन होता था, लेकिन उस समय अपनापन बहुत था। एक विश्वास भी था और मीडिया के साथ भी एक अलग ही रिश्ता था, लेकिन आजकल सब कुछ बदल गया है। आजकल कैलकुलेशन बहुत होती है और इमोशन जीरो हो गया है।

इंडस्ट्री में सर्वाइव करने का कोई ख़ास मंत्र?

किसी भी इंडस्ट्री या फील्ड में सर्वाइव करना है तो एक चीज़ का ख्याल रखें , मेरे पिता जी ने मुझे बताया था कि हम बहुत सारी चीज़ों को बहुत पर्सनल ले लेते हैं हम सक्सेस को भी पर्सनली ले लेते हैं और फेलियर को भी और दोनों ही हमें इफ़ेक्ट करते हैं जिससे संतुलन बिगड़ जाता है। पिता जी ने मुझे सिखाया कि सक्सेस हुए तो पीछे छोड़ दो फेलियर हुए तो भी पीछे छोड़ दो। ज़िंदगी एक सड़क है जिसमें आप गाडी चला रहे हैं आप रिव्यु मिरर में देख कर गाडी नहीं चला सकते, एक्सीडेंट हो जाएगा। बस आगे ही देखना है।

रोहित ने बताया शाहरुख के साथ दोबारा क्यों नहीं किया काम

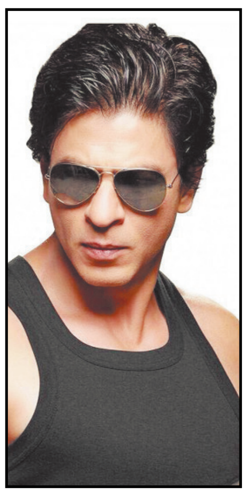

बॉलीवुड के जाने-माने निर्देशक रोहित शेट्टी इन दिनों अपनी एक्शन वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स को लेकर चर्चा में हैं। रोहित ने इस वेब सीरीज से अपना ओटीटी डेब्यू किया है। रोहित ने अपने करियर में शाहरुख खान के साथ भी काम किया। उन्होंने किंग खान के साथ चेन्नई एक्सप्रेस और दिलवाले जैसी फिल्में बनाई, जो उनके करियर की लोकप्रिय फिल्मों में से एक रही, लेकिन दिलवाले के बाद से रोहित ने शाहरुख के साथ दोबारा काम नहीं किया, इसको लेकर कई तरह की अफवाहें भी सामने आई कि दोनों के बीच झगड़ा हो गया या दोनों एक दूसरे से नाराज हैं, अब रोहित ने इन अफवाहों पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। एक साक्षत्कार में रोहित ने शाहरुख खान को लेकर खुलकर बात की। शाहरुख के साथ लगभग एक दशक से काम न करने और दोनों के बीच कुछ गड़बड़ होने के सवाल पर पहले रोहित पहले खूब हंसे और फिर कहा, हम दोनों के बीच सबकुछ ठीक है ऐसा कुछ नहीं है।

रोहित ने इस दौरान शाहरुख खान के साथ आने वाले दिनों में काम करने को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, कोई अच्छी कहानी मिलने के बाद काम करूंगा, जो चेन्नई एक्सप्रेस से बड़ी हो। सबसे महत्वपूर्ण चीज रहती है कि कभी ऐसा कोई विषय आया तो क्यों नहीं करूंगा मैं, जरूर करूंगा। फिलहाल, रोहित अजय देवगन और करीना कपूर खान के साथ सिंघम अगेन की शूटिंग कर रहे हैं, इसके अलावा उनके कॉप यूनिवर्स की अगले प्रोजेक्ट में दीपिका पादुकोण भी नजर आने वाली हैं। रोहित की हालिया रिलीज इंडियन पुलिस फोर्स को दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है।

इस दौरान रोहित ने अपने पिता और बॉलीवुड के मशहूर स्टंटमैन एमबी शेट्टी के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया कि बॉम्बे 405 माइल्स के सेट पर हुई एक दुर्घटना उनके निधन का कारण बनी। उन्होंने बताया कि फिल्म की शूटिंग के दौरान एक स्टंटमैन घायल हो गया और बाद में उसकी मौत हो गई, उसकी मौत का कारण उनके पिता खुद को मानने लगे और शराब के आदी हो गए। उन्होंने काम करना भी बंद कर दिया और एक साल बाद उनका निधन हो गया।

पुष्पा 2 में आइटम सॉन्ग करेंगी श्रीलीला

पुष्पा में ऊ अंटावा सॉन्ग से धमाल मचाने वालीं सामंथा रुथ प्रभु अब पुष्पा 2 में नहीं होंगी। रिपोर्ट्स हैं कि सामंथा को पुष्पा 2 में श्रीलीला ने रिप्लेस कर दिया है और 2 करोड़ फीस मांगी। पुष्पा 2 का बजट 500 करोड़ रुपये बताया जा रहा है और यह 15 अगस्त 2024 को रिलीज होगी। सामंथा रुथ प्रभु ने पुष्पा में अपने डांस नंबर ऊ अंटावा से हर किसी को दीवाना बना लिया था। एक्ट्रेस के डांस स्टेप्स के साथ-साथ गाने पर भी खूब इंस्टाग्राम रील्स बनने लगे थे। लेकिन अब पुष्पा 2 में सामंथा रुथ प्रभु का ऐसा जलवा देखने को नहीं मिलेगा। खबर है कि उन्हें एक्ट्रेस श्रीलीला ने रिप्लेस कर दिया है। अब अल्लू अर्जुन स्टारर पुष्पा- द रूल में श्रीलीला अपने आइटम सॉन्ग से तहलका मचाती नजर आएंगी। रिपोर्ट के मुताबिक, सामंथा को ऊ अंटावा के लिए 5 करोड़ रुपये फीस दी गई थी। गाना ब्लॉकबस्टर रहा था, और सामंथा को भी खूब पसंद किया गया था लेकिन अब उनकी जगह पुष्पा 2 में श्रीलीला की खबरें हैं। बताया जा रहा है कि श्रीलीला को पुष्पा 2 के लिए चुन लिया गया है, और उन्होंने डांस नंबर के लिए 2 करोड़ की फीस मांगी है। वैसे बता दें कि श्रीलीला ने अल्लू अर्जुन के साथ एक विज्ञापन में काम किया है। लेकिन यह पहली बार है, जब दोनों किसी फिल्म में साथ नजर आएंगे।

चंदू चैंपियन में इस वर्ल्ड चैंपियन से मुकाबला करेंगे कार्तिक

कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी अपकमिंग स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म चंदू चैंपियन को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म का निर्देशन कबीर खान कर रहे हैं फिल्म की घोषणा के बाद से ही फैंस कार्तिक को चैंपियन के रोल में देखने के लिए उत्साहित है। फिलहाल, कार्तिक इस फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं शनिवार को अभिनेता ने बॉक्सिंग विश्व चैंपियन सेना एगबेको के साथ एक तस्वीर शेयर की इस तस्वीर के कैप्शन में कार्तिक ने लिखा कि कल इस हैप्पी बीस्ट से लड़ूंगा।

अलाया एफ ने साझा किया राजकुमार राव के साथ काम करने का अनुभव

अभिनेत्री अलाया एफ ने जवानी जानेमन से अपने करियर की शुरुआत की। अब वे अपनी आने वाली फिल्म श्री का इंतजार कर रही हैं। इस बायोपिक में वे बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव और ज्योतिका के साथ नजर आएंगी। तुषार हीरानंदानी द्वारा निर्देशित यह फिल्म भारतीय दूरदर्शी श्रीकांत बोला के उल्लेखनीय जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है और अलाया एफ ऐसी प्रभावशाली कहानी में योगदान देने के लिए रोमांचित हैं। अभिनेत्री ने फिल्म में काम करने का अपना अनुभव भी साझा किया।

राजकुमार के साथ ऐसा था काम करने का अनुभव

हाल ही में दिए साक्षात्कार में अलाया एफ ने श्रीकांत बोला के जीवन जैसी महत्वपूर्ण कहानी वाली परियोजना का हिस्सा बनने पर अपना उत्साह व्यक्त किया। अभिनेत्री ने कहा कि भले ही फिल्म में उनकी भूमिका छोटी हो, लेकिन वे इस फिल्म का हिस्सा बनकर संतुष्ट हैं। अलाया एफ ने साझा किया कि राजकुमार में काफी जटिलताएं हैं और वे पूरी फिल्म के भार को उठा लेते हैं।

अभिनेत्री को कहानी काफी पसंद आई। उसने सोचा कि यह वास्तव में एक प्यारी और प्रेरणादायक कहानी है और वह किसी भी तरह से इसका हिस्सा बनना चाहती थीं। उन्होंने कहा, राजकुमार इस फिल्म में सारा भारी काम कर रहे हैं। मैं एक अद्भुत प्रोजेक्ट का हिस्सा बनकर खुश हूं।

फिल्म की कहानी के बारे में बात करते हुए अलाया एफ ने कहा, जब मैंने इस फिल्म की पटकथा पढ़ी तो मुझे याद है कि मैंने मन ही मन सोचा था कि यह अविश्वसनीय है। यह वास्तविक कहानी है। श्रीकांत बोला ने जो किया है, वह अविश्वसनीय है। उनका जीवन की कहानी बहुत प्रेरणादायक और अविश्वसनीय है। ऐसी कहानी का हिस्सा बनने में सक्षम होना अद्भुत है। यह एक ऐसी शैली है, जो मुझे पसंद है। मुझे बायोपिक्स पसंद हैं। मुझे प्रेरणादायक कहानियां पसंद हैं। मैं इसका हिस्सा बनने के लिए आभारी हूं।

कैटरीना ने नेगेटिव भूमिका अदा करने की जताई इच्छा

बॉलीवुड अभिनेत्री कैटरीना कैफ इन दिनों फिल्म मेरी क्रिसमस को लेकर चर्चा में हैं। श्रीराम राघवन के निर्देशन में बनी इस फिल्म में कैटरीना के अभिनय की खूब तारीफ हो रही है। कैटरीना ने फिल्मी भूमिकाओं के प्रति अपने नजरिए के बारे में खुलकर बात की। कैटरीना अपने बहुमुखी अभिनय और फिल्मों में अलग-अलग किस्म की भूमिकाएं अदा करने के लिए जानी जाती हैं। एक्ट्रेस ने अब नेगेटिव रोल करने की इच्छा जाहिर की है। बातचीत के दौरान कैटरीना ने किरदारों के चयन को लेकर कहा, एक कलाकार के रूप में, काफी कुछ सेल्फ-एक्सप्रेशन वाला मामला है। मैं इसे आजादी नहीं कहूंगी। यह आत्मविश्वास की बात है कि आप क्या सोचते हैं कि कौन-सा किरदार आपके लिए सही है। कैटरीना ने अपनी निजी तरक्की और अनुभवों के चलते आने वाले बदलावों पर भी बात की। कैटरीना ने कहा, इंसान 20 वर्ष की उम्र में जैसा होता है, वह अपनी उम्र के 30वें वर्ष में भी वैसा नहीं हो सकता। कैटरीना ने आगे और भी अलग-अलग किस्म की भूमिकाएं अदा करने की इच्छा जाहिर की। उन्होंने कहा कि वे आगे नेगेटिव भूमिकाएं करना पसंद करेंगी। एक्ट्रेस ने कहा, आप जानते हैं कि बिना वजह के कोई नकारात्मक नहीं होता। नेगेटिव भूमिकाओं के अलावा कैटरीना ने पीरियड फिल्मों का हिस्सा बनने की भी इच्छा जाहिर की।